पाक्षिक
SINCE 1998
टैक्सटाइल वर्ल्ड
Postal Registration No : BHILWARA/208/2024-2026 Posting on 09-07-2025 at Rail Mail Service, Bhilwara
वर्ष-28 | अंक-02 | भीलवाड़ा/07 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ- 24 | मूल्य : 25 रुपए

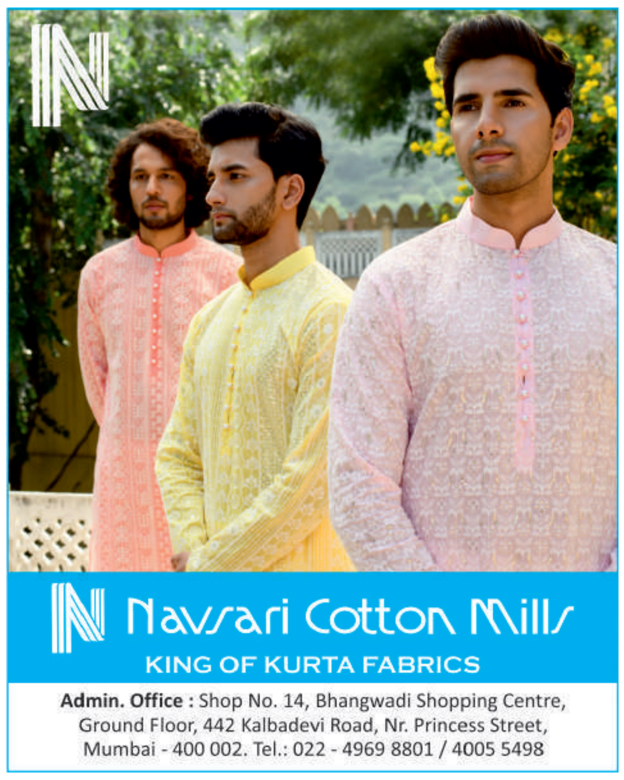

वित्त वर्ष में बांग्लादेश के कुल गारमेण्ट निर्यात में बढ़त

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा... जून के दौरान बांग्लादेश से गारमेण्ट के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन वित्त वर्ष 2024-25 (बांग्लादेश का वित्त वर्ष जुलाई से जून होता है) निर्यात में 8.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष जुलाई-अगस्त में बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति और सत्ता पलट के बाद आशंका जताई जा रहीं थी कि वहाँ से गारमेण्ट निर्यात में गिरावट आएगी, लेकिन हाल ही जारी प्राप्त आंकड़ों के अनुसार यह आशंका गलत साबित हुई है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जून 2025 के दौरान बांग्लादेश से गारमेण्ट निर्यात 2.79 बिलियन डॉलर का किया गया, जो गत वर्ष जून की तुलना में 6.31 प्रतिशत कम है तथा मई 2025 के निर्यात 3.91 बिलियन डॉलर की तुलना में 28.64 प्रतिशत कम है। जून में वहाँ सभी प्रकार के गारमेण्ट निर्यात में कमी आई और निट वियर का निर्यात गत वर्ष की तुलना में 4.04 प्रतिशत घटकर1.54 बिलियन डॉलर रह गया, जबकि वूवन गारमेण्ट का निर्यात 8.96 प्रतिशत घटकर 1.25 बिलियन डॉलर रह गया। जानकारों का कहना है कि जून में गारमेण्ट निर्यात का प्रमुख कारण वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति के अतिरिक्त अमेरिका द्वारा आरंभ किया गया टैरिफ युद्ध भी है।

गत वर्ष से अधिकः मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) के दौरान बांग्लादेश से गारमेण्ट का कुल निर्यात 39.35 बिलियन डॉलर का रहा, जो गत वर्ष की इसी अवधि के निर्यात की तुलना में 9.84 प्रतिशत अधिक है। निट वियर का निर्यात 9.73 प्रतिशत बढ़कर 21.16 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि वूवन गारमेण्ट निर्यात 7.8 2 प्रतिशत बढ़कर 18.19 बिलियन डॉलर पर पहुँच गया।

जानकारों का कहना है कि जून के गारमेण्ट निर्यात में गिरावट का प्रमुख कारण ईद का अवकाश है, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। अमेरिका द्वारा आयात पर टैरिफ लगाए जाने के कारण उत्पन्न हुई स्थिति से भी जून में निर्यात कम हुआ। बांग्लादेश के गारमेण्ट उद्योग सूत्रों का कहना है कि वैश्विक स्थिति को देखते हुए गारमणेट निर्यात अच्छा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यदि उद्योग को गैस की नियमित सप्लाई मिलती रहें और विश्व बाजार की स्थिति में सुधार हो तो निर्यात काफी बढ़ सकता है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में गारमेण्ट उद्योग वहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी है तथा कुल निर्यात में गारमेण्ट का योगदान लगभग 80 प्रतिशत है।

दूसरा बड़ा निर्यातकः बांग्लादेश विश्व में गारमेण्ट का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जबकि पहला स्थान चीन जिसका कुल वैश्विक टेक्सटाइल और गारमेण्ट निर्यात में 40 प्रतिशत का योगदान है, वहीं तीसरा स्थान वियतनाम का है। जानकारों का कहना है कि बांग्लादेश से गारमेण्ट निर्यात में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण मजदूरी की दर कम होने से लागत अन्य देशों की तुलना में कम आना है। इसके अतिरिक्त अनेक देशों द्वारा बांग्लादेश से गारमणेट आयात को टेक्स आदि में रियायत देने से भी वहाँ निर्यात बढ़ रहा है।

MODELLA ने स्कूल यूनिफॉर्म फैब्रिक के लिए AI बेस्ड ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म लॉञ्च किया

ऑनलाइन ऑर्डर के लिए वेबसाइट विजिट करें modellastore.com या QR कोड स्कैन करें

modellastore.com

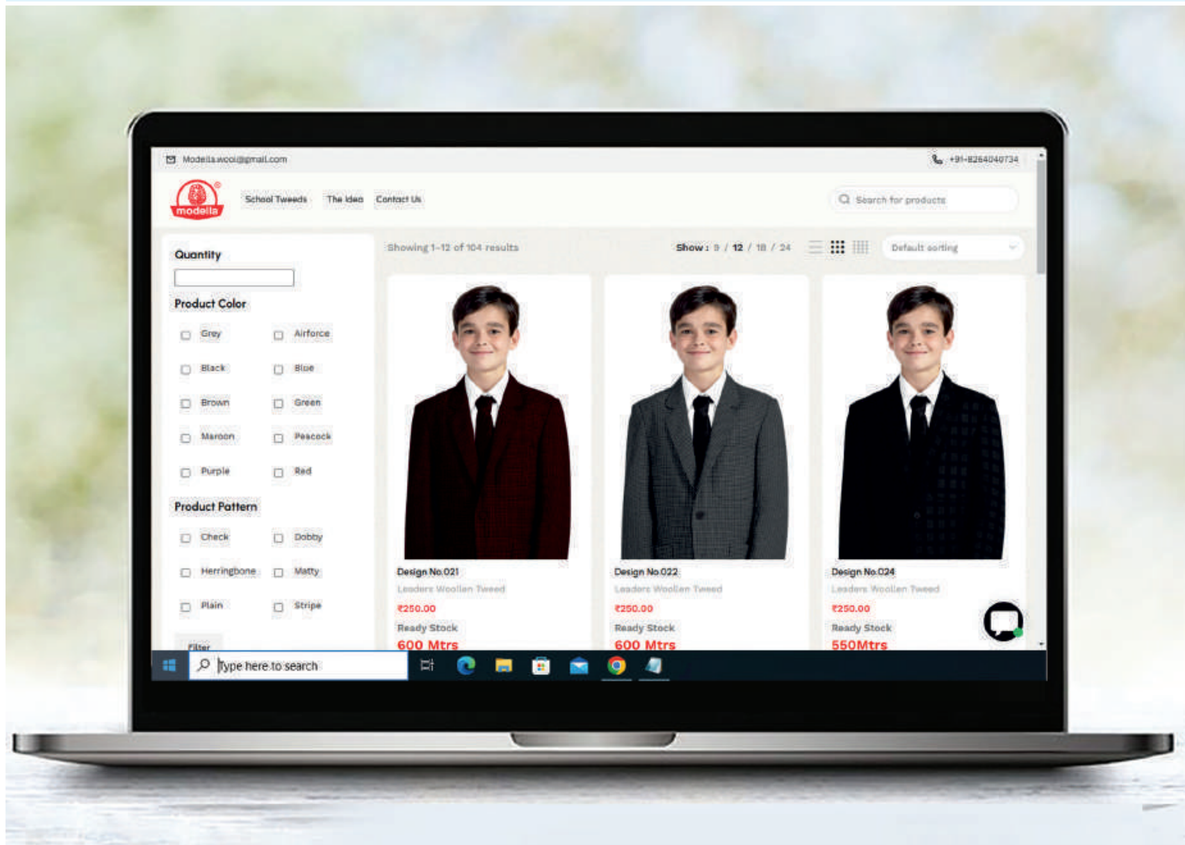

modella Since 1965

अमृतसर/ आज का व्यापार पूरी तरह से सेवा-आधारित हो गया है और स्कूल यूनिफॉर्म के व्यवसाय में सबसे महत्त्वपूर्ण बात होती है, खरीददार को स्टॉक की उपलब्धता और प्रॉडक्शन की लीड टाइम के बारे में अपडेट देना। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, मशहूर वूलन फैब्रिक ब्राण्ड MODELLA ने एक नया सिस्टम लॉञ्च किया है, RTR (Response To Requirement)। MODELLA के मैनेजमेण्ट ने बताया कि AI आधारित modellastore इस RTR का एकमात्र समाधान है, जो न केवल स्कूलों को यूनिफॉर्म के बने हुए गारमेण्ट डिजाइन वर्चुअली दिखाता है, बल्कि आपको मौजूदा स्टॉक की जानकारी भी देता है, ताकि आप सैंपलिंग और बल्क परचेज के लिए ऑर्डर तुरंत प्लेस कर सकें। अब आप QR कोड स्कूल प्रबंधन के साथ भी साझा कर सकते हैं, जिससे वे ऑनलाइन स्टोर पर जाकर डिजाइन सेलेक्ट कर सकते हैं। अलग-अलग फिल्टर्स की मदद से मनचाहा पैटर्न चुन सकते हैं और सीधे अपने यूनिफॉर्म सप्लायर के साथ ऑर्डर फाइनल कर सकते हैं। MODELLA के AI बोट्स इस पूरी प्रक्रिया को आसान और सहज बनाते हैं, प्रॉडक्ट देखने से लेकर ऑर्डर करने तक।

For Trade Enquiry

Contact : 82640-40737 | Website : www.modella.in | Email: modella.wool@gmail.com

A COMPLETE HOUSE OF PREMIUM DESIGNER UNIFORM FABRICS
Renlon Uniforms & Suitings | spunshades by Birla Cellulose
FADE-RESISTANT UNIFORM FABRICS
A Brand Owned By
VIKAS SYNTEX PRIVATE LIMITED
(An ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
EMAIL : vikas_syntex@yahoo.co.in, WEBSITE : www.vikassyntex.com

SOLAR SUITINGS
Manufacturer of All type Uniform Fabrics & Fancy Suitings
SOLAR SYNTHETICS (P) LTD.
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
E-63, RIICO Extension Area, Pur Road, BHILWARA-311001
(O) 01482-260765 Mob. 94141-14645
fabric@solarsuiting.com www.solarsuiting.com

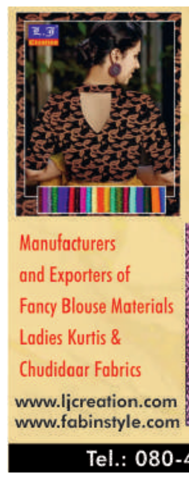

L.J Creation
Fancy Blouse Material
MYRA Fab In Style
Fancy Kurti Materials
Manufacturers and Exporters of Fancy Blouse Materials Ladies Kurtis & Chudidaar Fabrics
www.ljcreation.com
www.fabinstyle.com
Sha Lalchand Jeevraj & Co.
Poonam Plaza, D. S. Lane, Chickpet Cross, Bangalore-560 053
Pirgal Fashions
#101, L. J. Complex, D. S. Lane, Chickpet Cross, Bangalore-560 053
Shankheshwar Lifestyles
#34, Shankheshwar Tower, 3rd Cross Lalbag Road, Bengaluru - 560027
Tel.: 080-43020999 | rajesh@ljcreation.com

ANANTAA HOSIERY
Built on Trust
Driven by Potential
Our Product Range
• T-shirts [Promotional, Sports, Casual, Printed, Institutions, Marathon]
• Jackets & Hoodies
• Lowers & Shorts
• Customized T- shirts
• Corporate Uniform T- shirts
• School Uniform T- shirts
ANANTAA HOSIERY
D-10, Anand Bari, Galta Road, Near Suraj Pole Gate, Jaipur- 03
CONTACT US: +91-8946941949 +91-8058943469 +91-8005633836
Email: anantahosiery@gmail.com

21st Century TOPMAN®
PREMIUM SUITING
Link Between Aim & Ambition
TOPMAN FASHION PVT. LTD.
Mills : G-214-215, RIICO IVth Phase, Bhilwara (Raj.) Ph. 260232, 260233
Mob: 94141-13190, 80055-19434, E-mail : topmansuitings@gmail.com

बरसात ने तोड़ी व्यापार की गति

आकोला/ राजेश जैन

विगत दिनों सूटिंग का व्यापार अच्छा चल रहा है। अप्रैल से जून माह में अत्यधिक गर्मी और जुलाई माह के शुरूआत में बरसात का असर व्यापार पर पड़ा है। वर्षभर व्यापारी अप्रैल-मई की राह देखते हैं। मगर इस वर्ष अप्रैल और मई माह को छोड़ दे तो पूरे वर्ष व्यापार ठीक रहा। इस समय कारोबार बड़ी मुश्किल से निकल रहा है। पहले शादी-विवाह सीजन के बाद स्कूल यूनिफॉर्म का व्यापार अच्छा होता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से व्यापार को चोट लगी है। स्कूल यूनिफॉर्म की सेल बड़े व्यापारियों के साथ-साथ छोटे व्यापारी भी करते थे, लेकिन हाल ही व्यापार पर ब्रेक लग गया है। विदर्भ आदि एरिया में गणेशोत्सव के बाद ही व्यापार सुधरने के आसार है।

सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस मटीरियल क्वालिटियों की मार्केट में मांग

ब्यावर/ अनिल डोसी

मार्केट में ग्राहकी मंद गति से चल रही है। राजस्थान में स्कूल खुल चुके हैं और सरकारी व प्राइवेट स्कूल में ग्राहक रेडीमेड ड्रेस की मांग कर रहे हैं। नये-नये कलर व चैक्स की जरूरत के मुताबिक मांग जारी है। इस समय ग्रे मार्केट में मंदी नही है, परंतु तैयार माल बिक कम रहा है। व्यापारी माल बेचने के इच्छुक है, जो कम-ज्यादा भावों में माल बेच रहे हैं। मुम्बई, भिवंडी, अहमदाबाद, सूरत, जोधपुर, पाली, बालोतरा आदि जगहों से अलग-अलग क्वालिटियों का माल आ रहा है। पेमेंट की आवक ठीक है। सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस मटीरियल, सलवार सूट, साड़ियां, बैस, ओरना में 20×20 डॉगी प्लेन व प्रिंट लहरिया आदि कुचेरा, जोधपुर, बीकानेर, लाडनू से कॉटन में ओरना की क्वालिटियां कॉटन व प्रिंटेड, प्लेन क्वालिटियां आ रहीं है।

Mukesh UNIFORM
SINCE 1986
AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY
MFG. OF UNIFORM FABRICS
COLOURS TRANSFORMED INTO Reality
FOR INQUIRIES
mukeshtex@gmail.com
www.mukeshuniform.com mukeshuniform

स्कूल यूनिफॉर्म और रेडीमेड में ग्राहकी जबरदस्त

जयपुर/ ओम जैन

स्थानीय वस्त्र मण्डी में इस समय सावन माह के लहरिया की डिमाण्ड बाजार में आना शुरू हो गई है। साथ ही छुटपुट लेडीज व शादी-विवाह की ग्राहकी और स्कूल यूनिफॉर्म की पूछपरख आ रही है। जयपुर बाजार में स्कूल ड्रेस के व्यापारी भी पहले से कम हो गए, क्योंकि स्कूल ड्रेस का काम सीमित व्यापारियों के पास ही है। स्कूल ड्रेस में स्पर्श, क्यूमैक्स, मोटेक्स का माल आ रहा है। कुर्ती बाजार में रेडीमेड के व्यापारी नये सेम्पल तैयार करवाकर आगामी बुकिंग आने पर माल का ऑर्डर दे रहे हैं। कुर्ती बाजार में इस समय सूरत का प्योर माल बिक रहा है। गारमेण्ट के व्यापारी जयपुर में शीघ्र फेयर लगा रहे हैं, जिसमें पूरे भारत से व्यापारी आते हैं। व्यापारियों की सुविधा हेतु अनेक योजनाएं बना रहें, जिससे व्यापारी जयपुर मण्डी में आए एवं अधिक खरीददारी कर सकें।

e fab®
Shades of Unifroms
BIM MILLS
18/471, INDUSTRIAL ESTATE, BEHIND SONYA MARUTI MANDIR ICHALKARANJI - 416115 | Tel.: +91 230 2424470, Cell.: 98909 15839
E-mail: sales.efab@gmail.com, Web.: www.bimmaills.co.in
For Trade Enquiry Call & Whatsapp On 88560 15839

MukutMani House of Fabric
SINCE 1990
An ISO Certified Company 9001 : 2015
35 YEARS
Mukutmani Group
Mumbai-02

बरसात शुरू होते ही बाजार हुआ नरम

उदयपुर/ नवीन कोठारी...आलोच्य पखवाड़े से ही स्थानीय वस्त्र बाजार में ग्राहकी कमजोर होने लगी है तथा जैसे-जैसे बरसात का दौर शुरू हो रहा है, वैसे-वैसे ग्राहकी भी नदारद होने लगी है। स्कूल यूनिफॉर्म की ग्राहकी भी लगभग थम सी गयी है। वैसे आमतौर पर वर्षाकाल में वस्त्र बाजार मंदा रहता है, जो वस्त्र विक्रेताओं के लिए नयी बात नहीं है। स्थानीय बाजार में जैन बंधुओं की बहुत बड़ी भागीदारी रहती है और यह समय जैन धर्माचार्यों के नगर में चातुर्मास के प्रयोजनार्थ आगमन का समय है। अतः अधिकांश जैन वस्त्र व्यवसायी उनकी अगवानी और धार्मिक कार्यक्रमों में व्यस्त है। बाजार में तिरपाल वस्त्र और होजियरी आयटमों में थोड़ा बहुत उठाव देखने को मिल रहा है। जानकारों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों से बाजार की दशा तेजी से बदलती जा रही है। पहले मंदी या ऑफ सीजन में भी थोड़ी बहुत ग्राहकी होती थी, लेकिन जब से ऑनलाइन बिक्री का प्रचलन हुआ है तब से बाजार में ग्राहक नदारद होने लगे हैं। यहाँ तक की सीजन में भी बाजार में पहले जैसी चहल-पहल नहीं रहती है और दिन-प्रतिदिन ग्राहकों की संख्या में गिरावट आती जा रहीं है। कई वस्त्र व्यापारियों ने इस पर चिंता भी जाहिर की है। वैसे बाजार में ऑफलाइन खरीददारी करने वाले भी बड़ी तादाद में है, जिनके बलबूते पर ही वर्तमान में बाजार चल रहा है।

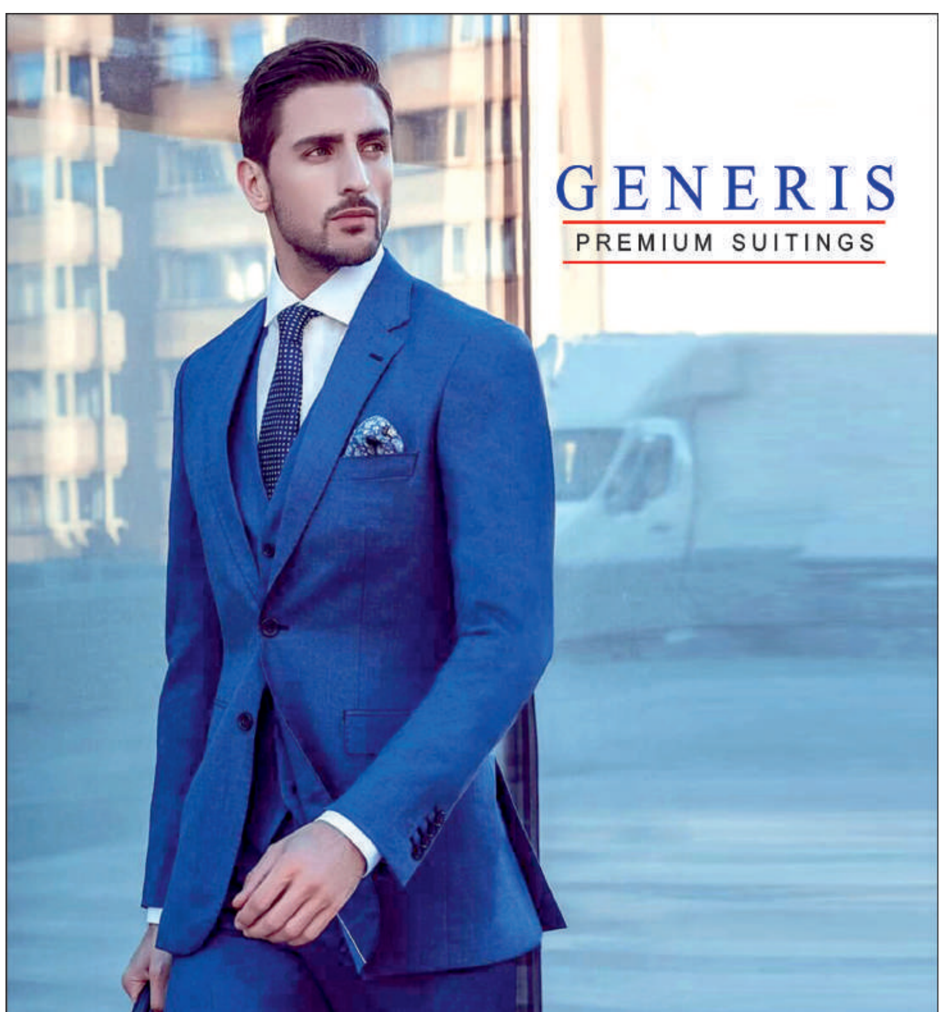

GENERIS
PREMIUM SUITINGS
Shree Ganesham Sulz
F-69, RIICO Industrial Area, Near SBI Bank
Bhilwara - 311001 (Raj.) Ph.: 01482-260940
shreeganeshamsulz@yahoo.com

DEEPHARI
FANCY SHIRTINGS
DEEP HARI CHARAN TEXTILE
MANUFACTURERS OF EXCLUSIVE SHIRTING
Pure Linen, 100% Cotton Linen,
(White & Colours) Khadi Kurta, White Suiting
58" & 36" Fancy Shirting,
(Starch & Luster) & Jodi Box.
HEAD OFFICE: 2-2-51/8, Pan Bazar, Opp. Mittal Chambers, Beside UCO Bank Lane, M.G. Road, Secunderabad- 500 003. (Telangana)
Mob.: +91 93910-67450, +91 91542-67450
Trade Inquiries are Invited for Agents & Dealers Pan India
BRANCH OFFICE:- No. 1402, Meghdhara Market, Gala No. 70, 1st Floor, A-Wing, Anjurphata, Rahnal Village, Bhiwandi - 421 302. (Dist. Thane)

झमाझम बारिश से बाजार में सन्नाटा

सतना/ बलराम शुक्ला

इस समय बारिश का मौसम चल रहा है और गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। स्कूल खुल चुके है और मार्केट में स्कूल यूनीफॉर्म का चल रहा है। आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए लोगों ने खरीदी के लिए देसावर जाना शुरू कर दिया है, क्योंकि सीजन में साड़ी की ग्राहकी अच्छी होने वाली है। इसलिए व्यापारी उसकी तैयारी कर रहे हैं, लेकिन बारिश के चलते व्यापार बिल्कुल नही है। आने वाले समय में कावड़ यात्रा शुरू होने वाली है, जिसके लिए भी व्यापारी तैयारी कर रहे हैं, जैसे भोलेबम गमछा, लूंगी भगवा कलर की बाजार में मांग है। गुरू पूर्णिमा में भी आजकल गुरूओं के लिए अच्छे वस्त्र देने का प्रचलन हो गया है। उसके लिए भागलपुर सिल्क के गमछे, लिनन कुर्ते एवं धोती की बहुत डिमाण्ड है।

DEVILAL SUITINGS BHILWARA
Specialist in Fancy Suiting, Cotton Lycra & Uniform Fabrics
DEVILAL SUITINGS
E-2 & 3 First Floor, Bhilwara Textile Market Pur Road, Bhilwara - 311 001 (Raj.)
Ph. : 01482-247222, (M) 9413357779, 9413359789, Email: devilalsuitings@gmail.com

आगामी सीजन की तैयारी में जुटे व्यापारी

बालोतरा/ लालचन्द पुनीत

रिमझिम बरसात ने मौसम को सुहावना बना दिया है और औद्योगिक प्रक्रियाएं शिथिल हो गई है। अधिकांश श्रमिकों ने अपने गृहग्रामों की ओर कूच कर लिया है, इससे मजदूरों की कमी और बढ़ गई है। आगे मौसम साफ होने पर ही धुपाई-रंगाई के कार्यों में गति का संचार होगा। इस समय वैसे भी उत्पादन कम और फोल्डिंग का कार्य ही हो सकता है। विगत काफी समय से उत्पादकों के पास तैयार माल है, परंतु ग्राहकी न होने से चालानी अवरूद्ध ही रहीं है। दिसावरी मण्डियों के व्यापारियों का कहना है कि पुराना माल जो पड़ा है, वह भी बिक नहीं रहा है। इसलिए माल मंगाना संभव नही बन पा रहा है। पोपलीन की ग्राहकी में दम नही है तथापि नाइटी में रजवाड़ी की मांग बराबर बनी हुई है। साथ ही हस्त प्रिंट नाइटी का काम हो रहा है और अंडर स्कर्ट (पेटीकोट) की मांग के अनुसार माल उपलब्ध नही है। प्रायः सभी प्रतिष्ठान पेटीकोट बनाने में रूचि रख रहे हैं। ग्रे क्लॉथ के सौदे न होने से इसके भावों में कमी की संभावना बनी हुई है। स्थानीय उत्पादक फोन पर संपर्क कर तैयार माल को निकालने में जुटे हुए हैं। पौकेटिंग क्लॉथ, अस्तर, रूबिया आदि की चालानी में जोर नही है। उद्यमियों का कहना है कि इस सीजन में ग्राहकी सिमटती तो है, परंतु ग्राहकी की कमी ऐसी हालत कभी नहीं हुई। इन परिस्थितियों में भुगतान संकट उभर गया है। उद्यमियों का कहना है कि 15 अगस्त के बाद ही स्थिति सामान्य हो सकेगी। इतना होने के बाद भी उत्पादकों ने अपने भाव व ब्राण्डों का माल आज भी वर्चस्व के साथ बिक रहा है। औद्योगिक क्षेत्र की सड़के पानी से भरी होने से आवागमन बाधित एवं दुष्कर हो गया है।

विमोचन एवं सम्मान- **राजस्थानी साहित्य कला परिषद् के द्वारा स्थानीय साहित्यकार मोहनलाल गहलोत की 25 वीं पुस्तक का विमोचन एवं उनका नागरिक अभिनंदन जिला कलेक्टर के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होने जा रहा है। इस समारोह में विमोचनकर्ता पूर्व गृह राज्यमंत्री श्री अमराराम चौधरी होंगे। इस कार्यक्रम की भव्यता हेतु लोकतंत्रता सेनानी शंकरलाल चारण, प्रमेंद्र बाफणा, राजेंद्र गहलोत आदि चेष्टारत हैं।**

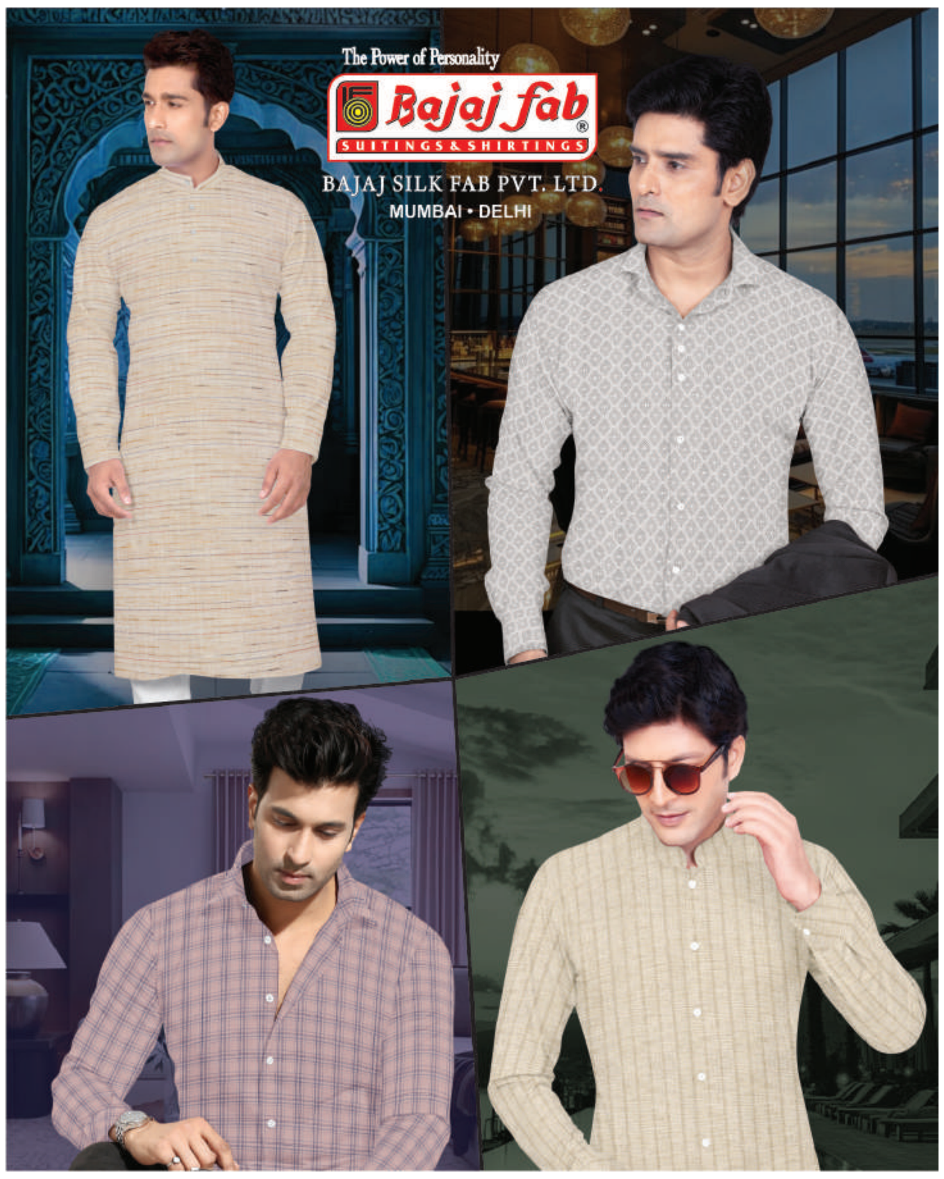

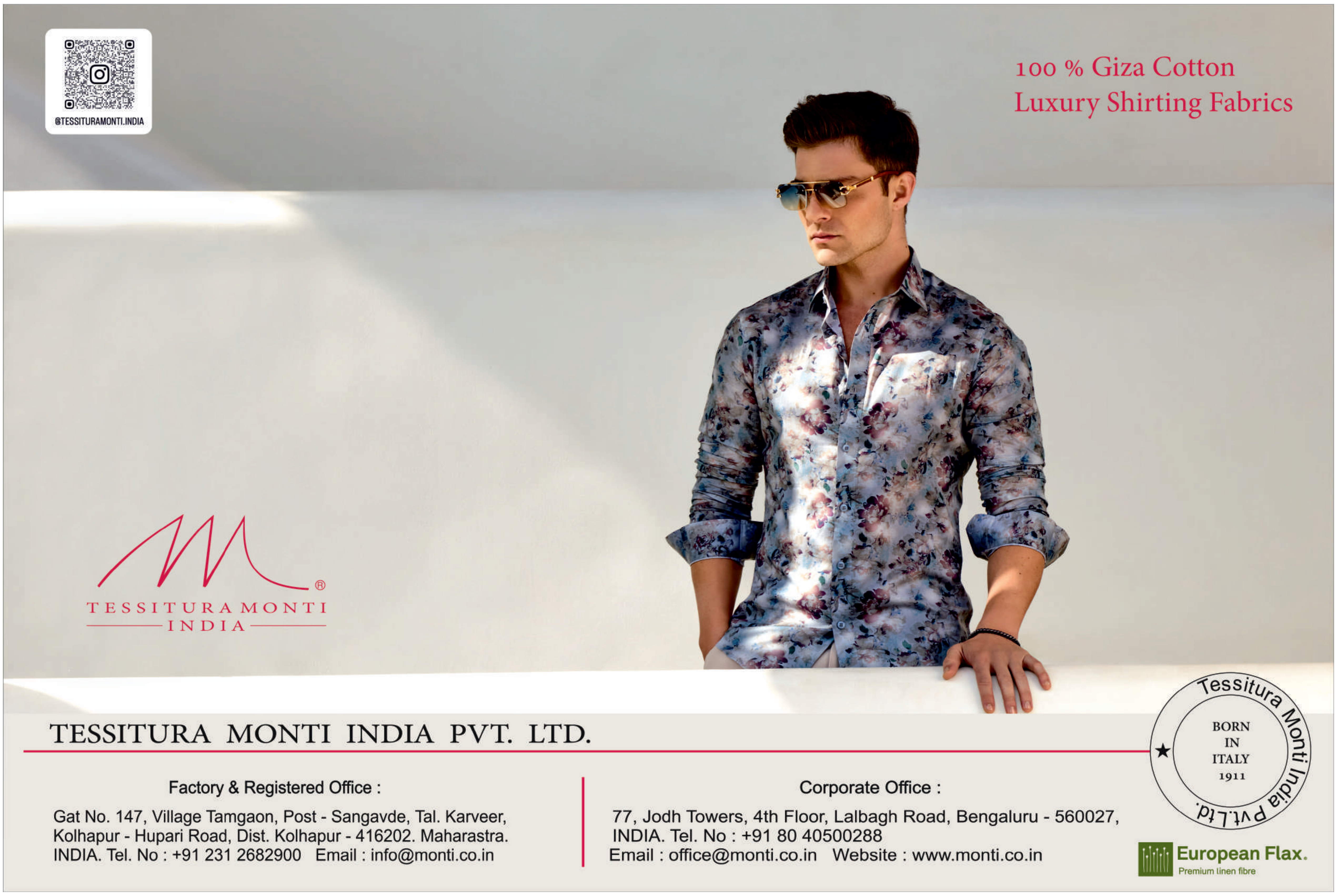
@TESSITURAMONTI.INDIA
100 % Giza Cotton
Luxury Shirting Fabrics
TESSITURA MONTI
INDIA
TESSITURA MONTI INDIA PVT. LTD.
Tessitura Monti India Pvt.Ltd.
BORN IN ITALY 1911
Factory & Registered Office :
Gat No. 147, Village Tamgaon, Post - Sangavde, Tal. Karveer, Kolhapur - Hupari Road, Dist. Kolhapur - 416202. Maharastra. INDIA. Tel. No : +91 231 2682900 Email : info@monti.co.in
Corporate Office :
77, Jodh Towers, 4th Floor, Lalbagh Road, Bengaluru - 560027, INDIA. Tel. No : +91 80 40500288
Email : office@monti.co.in Website : www.monti.co.in
European Flax.
Premium linen fibre

PICASSO
by BAIRD Cotton
Picasso presents fine digital prints in SUPER LUXURY COTTON
For Agent/Dealer enquiries, reach us at: Call: +91 9340605633 | Whatsapp: +91 9992514747 | Write to: helloburgoyne@bairdlinen.com
AVAILABLE AT ALL LEADING RETAIL OUTLETS | Follow us on /@bairdcottonofficial | /@bairdcotton_official | www.bairdcotton.com
Burgoyne & BAIRD Cotton are registered trademarks of WFB BAIRD & COMPANY (INDIA) PVT. LTD.
HOUSE OF BURGOYNE
IRELAND

इण्डिगो डेनिम फैब्रिक के लिए मशहूर मैन्यूफैक्चरर

A.P. TEXTILE INDIA / RATAN RAYON INDIA

रेडीमेड शर्टिंग की सर्वोत्तम रेंज के लिए प्रसिद्ध

मुम्बई/ आज के बदलते फैशन की इस भागदौड़ में A.P. Textile India पिछले 3 दशकों से अपने व्यापारियों को क्वालिटी फैब्रिक देते हुए टेक्सटाइल व्यवसाय में अपनी अहम् भूमिका निभा रही है। वस्त्र उद्योग में सोटानी ब्रदर्स ने सर्वप्रथम स्पार्क ग्रुप A.P. Textile India की वर्ष 1987 में शुरूआत की और निरन्तर अपने व्यापार में बढ़ोतरी करते हुए स्पार्क फैब्रिक की नींव रखी। कम्पनी ने शुरूआत से ही अच्छी क्वालिटी देना अपना उद्देश्य बनाया। A.P. Textile India एवं रतन रेयॉन कम्पनी की प्रगति शुरूआत से चल रही है, जो आज भारत की तमाम मण्डियों में निरंतर प्रगतिरत है।

सोटानी ब्रदर्स अपने पीस डाइंग एवं टॉप डाइंग, चैक्स मिलांज, REMI Checks Natural Cotton जो चाइना में बनता है, लेकिन अब इंडिया में स्वयं द्वारा निरंतर बनाया जा रहा है। जोश एवं उत्साह के साथ अपने व्यापार में नयी जनरेशन के साथ मिलकर बढ़ोतरी करते हुए, व्यापार को और गति प्रदान हुई। कम्पनी द्वारा प्रतिदिन नयी क्वालिटियों को डवलप किया जा रहा है, जिसे व्यापारियों द्वारा अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

श्री परेश सोटानी ने बताया कि विंटर सीजन को ध्यान में रखते हुए हमारे द्वारा शत-प्रतिशत कॉटन, 16×12 12×12 पीस डाइड, पीवी, पीसी, नेचुरल लिनन (प्लेन व चैक्स) शर्टिंग, कार्बन, लाइक्रा (प्लेन), गीजा फिनिश, डेनिम में डोबी, जैकार्ड, लिनोविव डेनिम शर्टिंग, साटिन, प्लेन, प्रिंट, इनविजवूल, सल्फर डाइंग, सल्फर, डोबी, इण्डिगो पट्टा, इण्डिगो जैकार्ड, इण्डिगो चैक्स, टेन्सील/ ऐन्सील, प्रिंट पैतल, प्रिंट जैकार्ड, डबल क्लॉथ, RIBCORD इण्डिगो, हैण्डलूम के अंतर्गत नया कलेक्शन बाजार में पेश किया जा रहा है। इसके अलावा टेन्सील निटेड, डोबी लिनन, जैकार्ड, ट्विल लिनन के अंतर्गत अनेक डवलपमेण्ट पेश किये जा रहे हैं। रतन रेयॉन इंडिया में पीस डाइड में मैक्सिनो साटिन, COROVROY, बार्वन आदि की 25 से 30 वैरायटियाँ बनायी जा रही है। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा स्पेशियली COROVROY फैब्रिक में 21 वेल, 26 वेल की क्वालिटियाँ मार्केट में आ रही है, जो डिमाण्ड के साथ बिक रही है। कम्पनी द्वारा इण्डिगो फैब्रिक में अनेक नये कलर की विस्तृत रेंज जिसमें डोबीज, पेन्टोन शेड्स की रेंज पेश की है।

श्री सोटानी ने बताया कि इण्डिगो क्वालिटी का हम पिछले 25 सालों से उत्पादन कर रहे हैं, इसके डिजाइन एवं नित नये डवलपमेण्ट के कारण मार्केट में हमारी साख बनी हुई है। हम अच्छी क्वालिटी, प्रिंट, नये डवलपमेण्ट, डिजाइंस और कलर्स देने में हमेशा आगे रही है। डिजिटल प्रिंट में नया डवलपमेण्ट पेश किया गया है। जो क्वालिटियाँ चाइना से आयात की जा रही हैं वे क्वालिटियाँ बेहतरीन फिनिश के साथ यहाँ डवलप की जा रही है, जिसमें जैकार्ड, कोटराई, कॉटन डिजिटल, पोली डिजिटल, पीवी डिजिटल में 5000 ए क्लास मोनोपोली की क्वालिटियाँ बनाई जा रही है, जिसकी जबरदस्त डिमाण्ड बनी हुई है।

आज टेक्सटाइल मण्डी में A.P. Textile India एवं रतन रेयॉन निरंतर ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। इसके पीछे हमारी पूरी टीम जी तोड़ मेहनत करती है। इनकी क्वालिटी एवं इनोवेशन का कोई मुकाबला नही है। श्री परेश सोटानी एवं उनकी पूरी टीम जबरदस्त उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है।

किड्स वियर में भी उम्दा रेंज - श्री सोटानी ने बताया कि निरंतर प्रगति-पथ पर आगे बढ़ते हुए हमारे द्वारा किड्स वियर में नया डवलप किया जा रहा है। इसमें भी उम्दा रेंज का उत्पादन कर बाजार में पेश किया जा रहा है।

21ST GARMENT FAIR-2025
29-30 JULY
TIMING :
10:00 AM TO 7:00 PM
Biswa Bangla Exhibition Centre
Canal Bank Rd, Newtown, Kolkata-700156
Explore More than
5000+ Brands Across 25 Cities
REGISTER NOW : 72900 97195
Join India's Biggest B2B Garments Platform
6,000+ CUSTOMER
5,000+ SUPPLIERS
15,000+ BRANDS
15 BRANCHES
SARAOGI SUPER SALES PVT. LTD.
SSS है जहाँ, Transparency है वहाँ...
70 & 72, Mahila Colony, Gandhi Nagar, East Delhi - 110031
7290097195
info@sssplt d.com
WWW.SSSPLTD.COM
SSSPLTD

स्थानीय एवं निर्यात मांग कमजोर होने से यार्न में स्थिरता

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय... हाजिर बाजार में कॉटन यार्न की मांग कमजोर है। कच्चे माल रूई के भाव में स्थिरता आ जाने के बाद कॉटन यार्न स्थिर है। कॉटन यार्न में तेजी की उम्मीद तो कम है, उल्टे बाजार में मंदी की आशंका बनी रहती है। बाजार में एक निश्चित सीमा में ही काम हो रहा है। बाजार में रोटो यार्न अधिक समय से कभी एक-दो बढ़ता है, तो कभी एक-दो रूपए तक घट जाता है। इसी तरह पीसी यार्न में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। जानकारों का कहना है कि एकाध समय यदि हाजिर बाजार में किसी वैरायटी का स्टॉक कम और मांग अधिक है तो ही भाव में तेजी आती है, अन्यथा यार्न बाजार में बड़ी तेजी नहीं है।

कॉटन यार्न की तेजी को झटका लगा है। यार्न के भाव थोड़े घटने के बाद अब स्थिर हो गया है। यार्न की मांग कमजोर होने से तेजी की संभावना नही है। यार्न की निर्यात मांग भी सीमित है और स्थानीय बाजारों में खपत धीमी हो गई है। भिवंडी, मालेगांव और इचलकरंजी जैसे वीविंग सेण्टरों पर कपड़ों का उत्पादन क्षमता से कम हो रहा है। यहाँ तक जो कपड़ा तैयार है, उसमें लेवाली का अभाव है। कपड़ों की उन रनिंग वैरायटी में उठाव नहीं है, जिसमें हमेशा कामकाज होता रहा है। इसलिए वीवर्स उत्पादन कर कपड़ों का स्टॉक नही बढ़ाना चाहते है, परंतु रूई सस्ते भाव पर मिलने के कारण यार्न उत्पादकों के यार्न उत्पादन प्रक्रिया में किसी तरह की ढील नही दी गई है।

यार्न उत्पादकों को कच्चा माल सस्ता मिल रहा है। स्पिनिंग मिलों में श्रमिकों की कमी नहीं है, परंतु यह भी सच है कि कमजोर कामकाज के चलते अधिकांश स्पिनिंग इकाइयों में आर्थिक संकट बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि अभी यार्न बाजार दिशाहीन है तथा स्थानीय और निर्यात में कामकाज कम हो गया है। इसलिए कॉटन यार्न पर भारी दबाव बना हुआ है, लेकिन क्रूड तेल के भाव कम होने से पेट्रो प्रॉडक्ट में जो उछाल की संभावना बनी, वह फिलहाल शिथिल हो गई है। पीवी एवं पीसी में थोड़ी बहुत हलचल है। आगामी वर्षों से देश में कार्बन फाइबर का उत्पादन शुरू किए जाने की संभावना है।

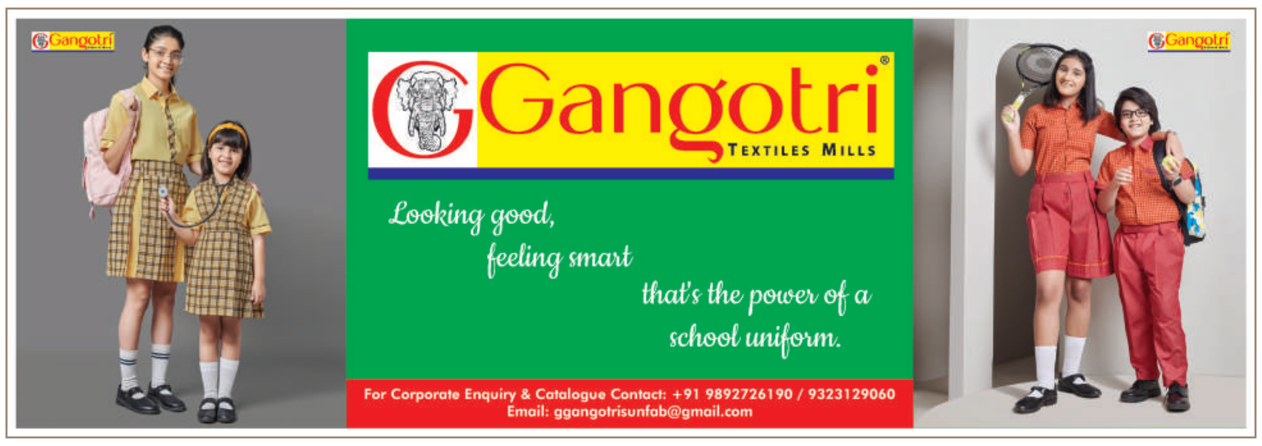

Clothes That Speak: *When Your Personal Presence Reflects Your Fabric Story*

In the textile business, fabric always speaks first. It tells stories of craftsmanship, heritage, and innovation, often before a word is exchanged.

But there's another layer that's equally powerful, yet rarely discussed in boardrooms or mills. The way we, as leaders, present ourselves, not just our product.

When Your Outfit Supports Your Brand

In textiles, we live and breathe color, texture, and flow. But in the daily rush of orders and meetings, we often forget one thing, how we dress. Whether it's a new buyer or a longtime client, how you show up matters. Your presence speaks for your product. So wear what you make, with care, with pride, and with purpose.

Let Your Clothes Be a Continuation of Your Fabric Story.

What They Don't Teach in Trade School

In business, a handshake is important. So is your fabric catalogue.
But there's one more silent tool in the room — your image.

- **A linen shirt in a well-finished neutral**
- **A structured jacket in a fabric you pioneered**
- **A crisp kurta that reflects regional strength**

These are more than garments. They are messages.

Messages that say:
"This is the quality I deliver."
"This is how seriously I take what I create."
"This is what I believe in — and wear with pride."

@imagenhancewithpooja

Written by - Pooja Saxena

Mob. 70460 11170 | Email: Imagenhancewithpooja@gmail.com

'मोहक वस्त्रम्' अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार

मुम्बई/ आज के परिपेक्ष्य की बात की जाए तो महिलाओं के पारंपरिक परिधानों में तेजी से अनेक ब्राण्ड प्रचलन में आ रहे हैं। इसी कड़ी में 'मोहक वस्त्रम्' ब्राण्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस ब्राण्ड के अंतर्गत नित नए डेवलपमेण्ट एवं फैशन के अनुरूप अनेक डिजाइंस बनाकर ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। इस ब्राण्ड के डायरेक्टर्स में उर्मि, जोत्सना एवं वर्षा द्वारा स्थापित यह ब्राण्ड फैशन उद्योग में नये आयाम तय कर रहा है।

एक ऑनलाइन ब्राण्ड के रूप में 'मोहक वस्त्रम्' अनेक महिलाओं तक पहुँचने में लाभ उठाते हुए फैशन के इस युग में आगे बढ़ रहा है। गुणवत्ता एवं क्वालिटी के दम पर इस ब्राण्ड में अपनी रूचि के अनुसार हस्तनिर्मित परिधानों में अनेक डिजाइंस उपलब्ध है। इस ब्राण्ड के अंतर्गत कुर्ती, लहंगा चौली की विविध रेंज आपको देखने को मिलेगीं। एक मजबूती के साथ आगे बढ़ने में 'मोहक वस्त्रम्' न केवल महिलाओं के पारंपरिक परिधान में अपनी पहचान बनाने को तैयार है, बल्कि महिलाओं को अपनी संस्कृति के अनुरूप अपनाने के लिए भी प्रेरित करता है।

टेक्सटाइल क्षेत्र के निर्यात और उत्पादन को मजबूती देने पर जोर

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

त्योहारी सीजन की तैयारी में जुटे उत्पादक

कपड़ा बाजार में कारोबारी गतिविधियां मंद है। बारिश के दौरान जून एवं जुलाई में इसी तरह का रूख कपड़ा बाजार में हमेशा रहा है। भिवंडी में ग्रे कपड़ों में उठाव नहीं होने और लूमों पर कारीगरों की कमी के कारण उत्पादन नीरस है। इचलकरंजी, मालेगांव के बाजार स्थिर है जबकि साउथ में इरोड़ की ओर यार्न और कपड़ों के भाव ऊँचे कोट किए जा रहे हैं, लेकिन बाजार में ग्रे कपड़ों में स्थिरता है। सूरत एवं अहमदाबाद के बाजारों में सुस्ती है। कपड़ों के सभी प्रमुख सेण्टरों में कारोबार इस सीजन के दौरान घटा ही है, परंतु त्योहारी सीजन शुरू होते ही कारोबार सुधरने की आशा कारोबारियों को है।

इस वर्ष सीजन के दौरान कपड़ों में कारोबार उम्मीदों के अनुरूप नहीं होने से रिटेलरों के पास फिनिश कपड़ों का भरपूर स्टॉक पड़ा हुआ है। इस बार कपड़ों में रिटेल कारोबार कमजोर रहने से थोक ग्राहकी पर इसका असर पड़ा और सूटिंग-शर्टिंग में रिटेलरों की कोई नई खरीदी नहीं है। शर्टिंग में कॉटन, लिनन और पीसी जैसी वैरायटी में कामकाज अपेक्षा से कम रहा है। इस बीच गारमेण्टर्स की कुछ राज्यों में अच्छी बुकिंग मिलने की खबर है। इसलिए शर्टिंग की फैंसी एवं उन्नत वैरायटी में सुगबुगाहट तेज हो गई है। लिनन की मांग अच्छी है, तो प्लेन वैरायटी में कम है।

भिवंडी में ग्रे कपड़ों के भाव स्थिर है तथा मांग के अभाव में कारोबार घटा है। ग्रे कपड़ों के भाव एकाध रूपए मीटर घटे भी है, फिर गारमेण्ट के लिए शर्टिंग की मांग खुली है। कारीगरों की कमी से पावरलूम कारखानों में उत्पादन कम हो गया है। जो कारीगर गर्मी की छुट्टी पर अपने गाँव चले गए थे, उनकी वापसी धीरे-धीरे होने लगी है। लूमों पर कपड़ों का उत्पादन अभी लगभग 30 से 35 प्रतिशत की क्षमता से हो रहा है। इचलकरंजी में प्रति पीक जॉबवर्क की दर एयरजेट लूमों पर 11 से 13 पैसा और रेपियर लूम पर 18 से 22 पैसा है। बुरहानपुर के हल्के लॉन्ग क्लॉथ नेहरू बाग की मांग घटती जा रही है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता होने से देश से निर्यातकों की चिंताएं बढ़ी थी, परंतु अब ईरान एवं इजराइल के बीच संघर्ष रूक जाने से थोड़ी राहत महसूस की जा रही है। क्रूड तेल घटा है और निर्यात कारोबार होने की संभावना बढ़ी है, लेकिन निर्यातकों को अभी भी इसमें जोखिम लग रहा है, कारण कि ईरान के तेवर सख्त है। ईरान, अमेरिका के साथ किसी तरह की डील के लिए तैयार नहीं है। इसलिए माना जा रहा है कि यह संघर्ष विराम कुछ समय के लिए है और दोनों देशों के बीच बदले की भावना की सुलग रहीं आग कब चिंनगारी में बदल जाए कहा नही जा सकता है। निर्यातक सतर्क होकर काम कर रहे हैं।

सरकार की ओर से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यूएस और यूरोपीय संघ के प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दिया जा सकता है। भारतीय टेक्सटाइल उद्योग का आकार दशक पूर्व लगभग 112 अरब डॉलर का था जो अब 60 प्रतिशत तक बढ़कर 176 अरब डॉलर तक पहुँच गया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 350 अरब डॉलर तक पहुँचाने का है। मुक्त व्यापार समझौतें पर चल रही बातचीत से निर्यात में बड़ी तेजी से वृद्धि होने की संभावना है।

केंद्र सरकार की उत्पादन प्रोत्साहन स्कीम

पीएलआई जो वर्ष 2021 में 10683 करोड रूपए के बजट प्रावधान के साथ पाँच वर्ष के लिए शुरू की गई थी। जिसे उस समय मैनमेड फाइबर, अपेरल, एमएमएफ कपड़ा और टेक्निकल टेक्सटाइल तक सीमित रखा गया था, अब सामान्य गारमेण्ट को भी इस पीएलआई स्कीम में लाने की योजना पर काम हो रहा है। अब तक भारत में सात पीएम मित्रा टेक्सटाइल पार्क को मंजूरी दी गई है। जिसमें से चार पार्क क्रियान्वित हो चुके है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री का कहना है कि एक पार्क में कम से कम दो हजार करोड़ रूपए का निवेश आने और लाखों रोजगार के अवसर बनने की संभावना है। भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र के निर्यात और उत्पादन को मजबूती देने पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2024 में भारत के टेक्निकल टेक्सटाइल मार्केट का कद जो 26 अरब डॉलर है, उसे वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 40 से 45 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना है। टेक्निकल टेक्सटाइल के केद्र में पीएलआई स्कीम है। इसके अलावा नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन शुरू किया गया है, जिसमें कुल 168 हाई इम्पेक्ट प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है तथा सरकार की ओर से 510 करोड़ रूपए की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा 73 टेक्निकल टेक्सटाइल आयटमों के उपयोग को हेल्थकेयर, कृषि, इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा के क्षेत्र में अनिवार्य कर दिया गया है।

क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर पर एमएसएमई उद्योग की चिंता

घरेलू उत्पादकों को भारी असर की आशंका

नई दिल्ली/ क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स (QCO) का एमएसएमई उद्योग पर प्रभाव जानने के लिए विगत दिनों एक कार्यशाला एमएसएमई मंत्रालय के तत्वावधान में डॉक्टर रजनीश अतिरिक्त सचिव एवं डवलपमेण्ट कमिश्नर मिनिस्ट्री ऑफ एमएसएमई श्री आर. के. राय एडिशनल डवलपमेण्ट कमिश्नर के सानिध्य में नई दिल्ली में आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर्स के कारण एमएसएमई उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ा है। इस कार्यशाला में देशभर के विभिन्न उद्योगों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं साथ ही 100 से अधिक प्रतिनिधि ऑनलाइन शामिल हुए।

इस चर्चा में भाग लेते हुए लघु उद्योग भारती चित्तौड़ प्रांत के अध्यक्ष श्री महेश हुरकट एवं सीए श्री शिव प्रकाश झंवर ने भीलवाड़ा के ही नहीं, बल्कि देश के टेक्सटाइल उद्योग में PTA, POY, FDY पर QCO (क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर) पर पुनर्विचार करने हेतु अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया श्री महेश हुरकट ने इस वर्कशॉप में बताया कि धागे पर QCO लागू होने के बाद देश में धागे का आयात तो प्रभावी ढंग से कम हुआ है, परंतु कपड़े का आयात बहुत अधिक बढ़ गया है, जो देश के कपड़ा बनाने वाले मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के लिए घातक है। आंकड़ों के अनुसार धागों का आयात तो काफी कम हुआ है, लेकिन कपड़े का आयात जो वर्ष 2020-21 में 5. 77 लाख वर्गमीटर था, जो आज 63 लाख वर्गमीटर से भी ऊपर पहुँच चुका है और आगे इसकी ओर बढ़ने की संभावना है। यह परिपाटी भारत के वस्त्र उद्योग को खत्म करने जैसी है। कपड़े के आयात को कम करने के लिए यह भी मांग की कि QCO को आयातित कपड़े पर भी लगाया जाए, ताकि आयात में कपड़े की कमी हो, जिससे देश के कपड़ा उत्पादन में पुनः तेजी आ सके।यह प्रवृत्ति अगर आगे भी जारी रहेगी तो भारत के डाउनस्ट्रीम एमएमएफ वस्त्र उद्योग को खत्म कर देंगी। यह टप्स के विभिन्न संस्करणों के माध्यम से भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा शुरू की गई आधुनिकीकरण प्रक्रिया को बुरी तरह प्रभावित करेगा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार तकनीकी मापदंडों पर भारतीय एमएमएफ यार्न उद्योग अपने वैश्विक समकक्षों के बराबर है, लेकिन भारतीय कपड़ा उद्योग के आकार को बढ़ाने के लिए हमें डाउनस्ट्रीम उद्योग को आधुनिक बनाने की आवश्यकता है। पिछले कुछ वर्षों में वीविंग उद्योग में भारी निवेश आया है, लेकिन एमएमएफ यार्न पर QCO के कार्यान्विन के परिणामस्वरुप तैयार कपड़ों का भारी आयात हुआ है, जो अंततः भारत सरकार के मेक इन इंडिया की अवधारणा के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के विचारों को भी प्रभावित करता है। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया कि पॉलिएस्टर पीओवाई एफडीवाई जैसे एमएमएफ यार्न पर QCO की समीक्षा करे और डाउनस्ट्रीम उद्योग पर इसके प्रभाव की समीक्षा करे और भारत के घरेलु बाजार में बिक्री के लिए डाउनस्ट्रीम लेखों के उत्पादन में खपत के लिए भारत में गैर बीआईएस पॉलिएस्टर पीओवाई और एफडीवाई के आयात में कुछ मात्रात्मक छूट प्रदान करें एवं साथ ही तैयार वस्त्र एवं परिधान पर QCO लागू करावे।

साथ ही बहुत प्रकार के यार्न है, जिनका देश में उत्पादन नहीं होता है, जैसे मैकेनिकल स्ट्रेच यार्न, मदर यार्न, मोनो फिलामेंट यार्न, लो मेल्ट यार्न, डीबीटी स्ट्रेट यार्न आदि कई प्रकार के धागो से QCO को हटाया जाकर आयात में सुविधाजनक बनाया जाना चाहिए, क्योंकि जो धागा भारत में नहीं बन रहा है उस पर QCO नहीं होगा तो कपड़ा उद्योग को यह धागा उपलब्ध हो सकेगा, जिससे उच्च क्वालिटी का वैल्यू एडेड फैब्रिक बनाया जा सकेगा। सभी उद्योगों पर लघु उद्योग भारती की तरफ से विभिन्न प्रतिनिधि मंडलों ने पूरी समीक्षा में आंकड़ों के साथ अपनी बात रखी, जिसे सचिव ने सरकार का ध्यान आकर्षित करने हेतु कहा कि शीघ्र ही इस पर एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए सार्थक निर्णय किया जाएगा।

IMPORTS OF MMF WOVEN FABRICS POST INPOSITION OF QCO AND ITS COMPARISON WITH THE PERIOD BEFORE QCO

(Quantity Thousands) SQ. Mtrs

Hs CODE	20-21	21-22	22-23	23-24	24-25(Apr-Oct)
54076190	464875.22	3773408	116176.7	96479.38	58859.78
54071029	2087.5	1853.26	972929.81	1370539.75	894805.44
54075290	104195.84	226436.22	209373.69	2676324.5	4896002
54077200	341.64	961.48	950587.63	1378.1	400798.09
54074290	6180.46	9891.1	12640.74	644986.44	54976.88
	5,77,680.66	40,12,550.06	22,61,708.57	47,89,708.17	**63,05,442.19**

टेसिटुरा मोंटी इंडिया प्रा. लि. के मार्केटिंग डायरेक्टर श्री नवीन रांका का यूरोप दौरा

TESSITURA MONTI INDIA

SS-26 कलेक्शन को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

बैंगलुरू/ लक्जरी शर्टिंग फैब्रिक के निर्माण में विश्वप्रसिद्ध कम्पनी टेसिटुरा मोंटी इंडिया, जो इटालियन फैशन स्टाइल को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती है। 'टेसिटुरा मोंटी इंडिया' के मार्केटिंग डायरेक्टर श्री नवीन रांका ने हाल ही में यूरोप के प्रमुख देशों लंदन-इंग्लैंड, डेनमार्क, ग्रीस, नीदरलैंड, जर्मनी और नॉर्वे का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य Spring Summer 2026 (SS-26) कलेक्शन को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रस्तुत करना था।

इस दौरे से जुड़ी मुख्य बातें इस प्रकार रहीं

SS-26 कलेक्शन में 100 % कॉटन शर्टिंग फैब्रिक और यूरोपियन फ्लेक्स लिनन को आकर्षक डिजाइनों के साथ प्रस्तुत किया गया।

- यूरोपीय फैशन जगत से इस कलेक्शन को डिजाइन और क्वालिटी के लिए शानदार प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।
- फैब्रिक की सस्टेनेबिलिटी, टेक्सचर और फिनिश ने अंतरराष्ट्रीय खरीददारों को प्रभावित किया।
- टेस्सिटुरा मॉन्टी की इटालियन डिजाइन टीम ने फैशन के भविष्य को ध्यान में रखकर ताजगी से भरपूर और अत्याधुनिक डिजाइन प्रस्तुत किए।
- कम्पनी अपने कलेक्शंस के माध्यम से प्योर इटालियन फैशन एस्थेटिक्स को प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती है।

श्री रांका ने बताया कि मोंटी का यह कलेक्शन न केवल फैब्रिक क्वालिटी में उच्च है, बल्कि डिजाइन वर्जन और इनोवेशन के मामले में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में पूरी तरह सक्षम है। श्री रांका ने बताया मोंटी मिल का प्रॉडक्शन अगले 4 महीने के लिए पूरी तरह से फुल है। उसके आगे 2 महीने के ऑर्डर भी लगभग तय है। 70% एक्सपोर्ट ऑर्डर है और 30% डोमेस्टिक है।

WILL SOON BE

DRESSING INDIA WITH ITALIAN FASHION

FEDERICO FRAGNITO ALL SET TO UNVEIL ITS PREMIUM TR SUITING COLLECTION IN INDIA

FOR DEALERSHIP ENQUIRIES CONTACT: MR. MAHESH DHUMAS +91 89800 48385

Smooth Finish: TR fabrics, are known for their silky smooth texture, which gives suits a refined and polished look.

Durability: The Terylene component makes the fabric resistant to wrinkles and shrinking, ensuring that the suit maintains its shape even after long hours of wear.

Breathability and Comfort: Rayon contributes to the fabric's softness and breathability, making it more comfortable than 100% synthetic fibers.

Color Retention: Our TR fabrics are made by dope dye polyester weave, ensuring the fabric retains and absorbs its colours perfectly The fabric is all weather suitable for casual, office-wear, parties and weddings.

FEDERICO FRAGNITO
5th Floor, Gopal Bhawan, 199 Princess Street, Mumbai - 400 002 (MH) India; Tel.: +91 22 6633 6571 - 75
Customer Care: +91 22 6633 6576 | info@federicofragnito.com | www.federicofragnito.com

सम्पादकीय....

पर्वतीय क्षेत्रों के विषम हालात घटिया निर्माण का नतीजा

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से हुई क्षति दर्शाती है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बरसात में विषम हालात पैदा होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी निर्माण कार्यों की घटिया गुणवत्ता इसका मुख्य कारण है जिस पर राज्य और केंद्र सरकार ध्यान नही दे रहीं। बुनियादी ढांचे के निर्माण में मानकों का पालन न करने से हादसे होते रहेंगे और दोष प्रकृति पर डाला जाएगा।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। यह केवल इसलिए नहीं पैदा होती कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं कि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत ही घटिया है। इस पर न तो राज्य सरकार गंभीरता से ध्यान दे रही हैं और न ही केंद्र सरकार, जिसकी कई परियोजनाएं राज्यों में जारी रहती हैं। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं। यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं।

आने वाले दिनों में इस तरह के दुःखद समाचार रह-रहकर देखने-सुनने को मिल सकते हैं। ऐसे समाचार देश के गैर पर्वतीय राज्यों से भी आएंगे, क्योंकि थोड़ी-सी बरसात बुनियादी ढांचे के निर्माण की पोल खोलने का काम करती है। पोल मुम्बई जैसे महानगरों के शहरी ढांचे की भी खुलती है और देश की राजधानी दिल्ली की भी। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करे और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बना सकते। ज्यादा बारिश, भूस्खलन आदि की घटनाएं विकसित देशों में भी होती हैं, लेकिन वहाँ सरकारी एवं निजी लोगों की ओर से कराए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसीलिए वहाँ हादसे और उनमें जान गंवाने वाले लोगों की संख्या कम होती है। पता नहीं क्यों हम विकसित देशों से कुछ सीखने से इंकार कर रहे हैं? इस इंकार के लिए राज्यों और केंद्र सरकार के साथ उनकी नौकरशाही सीधे तौर पर जिम्मेदार है।

बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़े सरकारी विभाग भयंकर किस्म के भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं। इसी कारण नए बने भवन में लीकेज होने लगता है और पुल उद्घाटन से पहले ही ढह जाते हैं। इस सच से पहले के नीति नियंता भी अवगत थे और वर्तमान के भी। अच्छा हो कि वे चेत जाएं और निर्माण कार्यों के लिए बनाए गए मानकों का पालन सुनिश्चित कराएं, इससे सरकारी के साथ-साथ निजी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता भी सुधरेगी। समझना कठिन है कि इस जरूरी काम को प्राथमिकता देने में क्या कठिनाई है?

कुछ नया, कुछ अलग •

पंढरपुर की वारी : श्रद्धा, सनातन संस्कृति और आध्यात्म का अद्भुत समन्वय

श्री हरेश मेहता
प्रेसीडेन्ट-यश कॉटन कॉरपोरेशन
(प्रसिद्ध मार्केटिंग गुरू)

नमस्ते मित्रों,

भारत एक ऐसा देश है जहाँ आस्था, परंपरा और आध्यात्मिकता जीवन के हर पहलू में गहराई से जुड़ी हुई है। इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है, महाराष्ट्र की सबसे प्राचीन और आध्यात्मिक परंपराओं में से एक यानि पंढरपुर की वारी। हर वर्ष आषाढ़ मास में महाराष्ट्र के कोने-कोने से लाखों भक्तजन संत तुकाराम और संत ज्ञानेश्वर की चरण पादुकाओं को पालकी में रखकर सोलापुर स्थित पंढरपुर तक पैदल यात्रा करते हैं। इस यात्रा को पंढरपुर की वारी कहा जाता है तथा जो भक्तजन इस यात्रा में शामिल होते हैं, उन्हें वारकरी कहा जाता है।

यह पवित्र यात्रा पुणे जिले में स्थित गाँव आलंदी और देहु से आरंभ होती है। आलंदी में संत ज्ञानेश्वर का समाधि स्थल है, जबकि संत तुकाराम की जन्मभूमि देहु है। दोनों संतों की पालकियाँ एक साथ पंढरपुर की ओर प्रस्थान करती हैं। मार्ग में सैंकड़ों गाँवों और शहरों से होते हुए लगभग 20 लाख वारकरी भजन, कीर्तन और अभंग गाते हुए इस यात्रा में सम्मिलित होते हैं। जिन गाँवों से वारी गुजरती है, वहाँ के स्थानीय ग्रामीण श्रद्धा से पालखी तथा वारकरियों का स्वागत करते हैं। वारकरियों के लिए गाँव वाले भोजन और पानी की व्यवस्था करते हैं तथा कई स्थानों पर भंडारे का भी आयोजन किया जाता है।

कहा जाता है कि पंढरपुर वारी करीबन 700-800 साल से भी ज्यादा पुरानी है। करीबन 250 किलोमीटर की यह यात्रा 21 दिन तक चलती है। वारी का समापन आषाढ़ी एकादशी के दिन पंढरपुर में विठोबा मंदिर में होता है। आषाढ़ी एकादशी के दिन पंढरपुर पहुँचते ही तमाम वारकरी मंदिर जाने से पहले पवित्र चंद्रभागा नदी में स्नान करते हैं। नदी में स्नान करने के बाद वे भगवान विठोबा और माँ रुक्मिणी के दर्शन करते है। मंदिर के अंदर प्रवेश करते ही आँखों में आँसू, हृदय में संतोष और होठों पर 'माऊली-माऊली' का जयघोष करते हुए वारकरी भावविभोर हो जाते हैं।

भगवान विठोबा को विठ्ठल, पाण्डुरंग, पंढरीनाथ जैसे अनेक नाम से जाना जाता है। विठोबा भगवान विष्णु का अवतार श्रीकृष्ण का ही एक रूप है, जिन्हें मुख्य रूप से महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में पूजा जाता है।

भक्ति आंदोलन के दौरान संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत नामदेव, संत एकनाथ जैसे संतों ने विठोबा की भक्ति में अनेक अभंगों की रचना की जो आज भी वारी के दौरान गाए जाते हैं।

पंढरपुर की वारी को वैष्णवों का महाकुंभ भी कहा जाता है। वारी की अनेक विशेषताओं में से एक है 'रिंगण सोहळा'। इसका आयोजन यात्रा के प्रमुख पड़ावों पर किया जाता है। रिंगण में तमाम वारकरी गोलाकार आकृति में खड़े होकर भगवान विठ्ठल के भक्तिगीत गाते हैं और हरीनाम का जयघोष करते हैं। यह सोहळा हजारों भक्तजनों को आकर्षित करता है। इस रिंगण के बीच से संतों के घोड़े दौड़ते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन घोड़ों पर स्वयं संत ज्ञानेश्वर या तुकाराम अदृश्य रूप में विराजमान होते है। घोड़े के खुरों से बिखरी मिट्टी को लोग अपने सिर पर लगाते हैं, क्योंकि वह मिट्टी संतों के चरणों की मानी जाती है।

पंढरपुर की वारी एक ऐसी आध्यात्मिक यात्रा है, जिसमें तमाम जाती, वर्ग और धर्म के लोग शामिल होते हैं। इस यात्रा में ऊँच-नीच, अमीर-गरीब का कोई भेदभाव नहीं होता। वारी में सभी लोग एक समान होकर विठोबा का नाम लेते हुए चलते हैं। यह यात्रा सामाजिक समरसता और मानवता की एक अद्भुत मिसाल है। पंढरपुर वारी हिन्दू-मुस्लिम एकता का भी प्रतीक है। वारी में मुस्लिम समुदाय के कई लोग सेवा, कीर्तन और पालखी व्यवस्था में योगदान देते हैं। कुछ गाँवों में तो मुस्लिम नागरिक पालखी के स्वागत में विशेष सहयोग करते हैं।

पंढरपुर वारी भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का जीवंत प्रतीक है। जीवन में कम से कम एक बार यह यात्रा में प्रत्यक्ष रूप में शामिल होकर इसका अनुभव जरूर लेना चाहिए। इसलिए यदि अवसर मिले, तो जीवन में एक बार अवश्य इस वारी में सहभागी बनें। इसी के साथ आज के लेख का समापन करना चाहता हूँ। अगली बार फिर मिलेंगे, एक नए विषय के साथ। तब तक के लिए अलविदा। जय हरी विठ्ठल!!!

Email: harresh.mehta@yashcotton.com | Mobile +91 82916-71111

एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की परिकल्पना साकार : जीएसटी कर प्रणाली

मुजफ्फरनगर/ अजय कुमार सिंघल

भारत में 1 जुलाई 2017 को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू हुआ, जिसे स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े कर सुधारों में एक माना गया। इसका उद्देश्य एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की परिकल्पना को साकार करना था, परंतु इस प्रणाली की व्यावहारिकता, सरलता और समावेशिता को लेकर विभिन्न हितधारकों – शासन, प्रशासन, व्यापारी और उपभोक्ता की स्थिति का विश्लेषण करता है।

शासन, प्रशासन, व्यापारी और उपभोक्ताओं पर प्रभाव व परिणाम :

1. शासन – कर राजस्व में वृद्धि, कर संग्रहण की पारदर्शिता, विभिन्न अप्रत्यक्ष करों का समेकन, कर चोरी पर नियंत्रण, सहकारी संघवाद के माध्यम से कर निर्धारण आदि प्रारंभिक वर्षों में संग्रह अपेक्षा से कम रहा, लेकिन वर्ष 2023 के बाद से जीएसटी संग्रह लगभग 1.5 लाख करोड़ से ऊपर बना रहा।

ई-वे बिल, ई-इनवॉइस और GSTN पोर्टल ने पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, जिससे कर चोरी पर आंशिक अंकुश लगा, परंतु नकली फर्मों द्वारा ITC घोटालों की घटनाएं बढ़ीं। केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व विभाजन को लेकर विवाद भी हुए।

2. प्रशासन– कर प्रणाली की निगरानी का डिजिटलीकरण, अनुपालन की प्रक्रिया का सरलीकरण, अधिकारी-केंद्रित नियंत्रण की अपेक्षा प्रणाली-केंद्रित नियंत्रण आदि।

जीएसटीएन पोर्टल के माध्यम से निगरानी प्रणाली सशक्त हुई, परंतु तकनीकी गड़बड़ियां लगातार समस्या बनी रहीं, फॉर्म GSTR-1, 3B, 9 आदि की जटिलता ने अनुपालन कठिन बनाया एवं रिफंड प्रक्रिया में लंबा विलंब प्रशासन की कार्यक्षमता पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है।

3.व्यापारी– कर व्यवस्था की सरलता, इनपुट टेक्स क्रेडिट (ITC) की सुविधा, समान कर दरें और राष्ट्रीय स्तर पर व्यापार सहजता, कर अनुपालन की लागत में कमी आदि।

छोटे व्यापारी अत्यधिक कागजी कार्यवाही और बार-बार फाइलिंग से असंतुष्ट रहें तथा बड़े व्यापारी और संगठित क्षेत्र ने लाभ उठाया, क्योंकि उनके पास संसाधन और टेक्नोलॉजी थी। ITC प्राप्त करने की प्रक्रिया में जटिलता और अस्वीकृति व्यापारीवर्ग के लिए प्रमुख समस्या बनी रहीं एवं कर दरों की बार-बार समीक्षा से व्यापारिक अनिश्चितता बनी रहीं।

4.उपभोक्ता– वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कमी, कर का एकीकरण मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता लाएगा एवं दोहरे कर (VAT + Service Tax) की समाप्ति से राहत आदि।

कुछ आवश्यक वस्तुओं पर कर दरें कम हुई, लेकिन रेस्टोरेंट, मोबाइल सेवाएं, ऑनलाइन सेवाएं आदि महंगी हुई। उपभोक्ता को प्रत्यक्ष लाभ कम मिला, क्योंकि कारोबारी कई बार कर लाभ पास ऑन नही करते तथा कर चालान में पारदर्शिता बढ़ी पर कीमतों में स्पष्ट गिरावट नहीं देखी गई।

महत्वपूर्ण चुनौतियाँ

प्रौद्योगिकी आधारित कर प्रणाली के कारण डिजिटल साक्षरता की कमी वाले वर्ग प्रभावित हुए। केंद्रीकरण बनाम सहकारी संघवाद के बीच तनाव रहा, छोटे व्यवसायियों के लिए अनुपालन की उच्च लागत एवं लगातार बदलते नियम, अधिसूचनाएँ और फॉर्म व्यापार में अनिश्चितता का कारण बने।

सुझाव

1. छोटे व्यापारियों के लिए सरल रिटर्न प्रणाली लागू हो।
2. ITC प्रक्रिया को युक्ति संगत एवं समयबद्ध किया जाए।
3. जीएसटी दरों को न्यूनतम किया जाए।
4. कर पोर्टल की तकनीकी समस्याओं को शीघ्र हल किया जाए।
5. उपभोक्त I अधिकारों को सशक्त किया जाए, ताकि कर लाभ पास ऑन सुनिश्चित हो सके।

निष्कर्ष

जीएसटी कर प्रणाली एक आर्थिक दृष्टि से दूरदर्शी एवं औचित्यपूर्ण सुधार रहा है, किंतु इसके क्रियान्वयन में कई व्यावहारिक बाधाएँ सामने आई। सरकार और बड़े संगठनों के लिए यह अपेक्षाकृत उपयोगी सिद्ध हुई, किंतु छोटे व्यापारी, प्रशासनिक तंत्र और उपभोक्त ावर्ग को इसे अपनाने में कठिनाइयाँ हुई। अतः यह कहा जा सकता है कि जीएसटी प्रणाली पूर्णतः नहीं, किंतु आंशिक रूप से विभिन्न वर्गों की आशाओं के अनुरूप रही है। अब आवश्यक है कि इसे सरल, पारदर्शी, समावेशी और संतुलित बनाया जाए।

देशी रूई महंगी होने से आयात बढ़ा और निर्यात घटा

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

रूई में अजीबोगरीब स्थिति है। विदेशी रूई भारत की तुलना में सस्ती पड़ रही है, इसलिए देश में आयात बढ़ रहा है और सीजन खत्म होने की कगार पर है। जिनिंग इकाइयां अपना कामकाज समेट रही है, लेकिन सामने समस्या भी खड़ी है। हाजिर बाजार की तुलना में कम भाव पर सीसीआई द्वारा रूई की बिक्री के ऑफर से हाजिर में तेजी की संभावना कम हो गई है। बाजार में कपास की आवक कम हो गई है तथा जो कुछ शेष है, उस पर किसानों की पकड़ मजबूत है। बाजार में चर्चा है कि आगामी सीजन के लिए लॉन्ग स्टेपल रूई के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने और कुछ राज्यों में बारिश के अतिरेक एवं अनियमितता के कारण रूई उत्पादन पर असर होने की संभावना से किसान अपना स्टॉक निकालने के बदले इंतजार करना पसंद कर रहे हैं।

कपास की बुवाई को लेकर जिस तरह से खबरें आ रही है, उससे तो यहीं लग रहा है कि आगामी सीजन में भी कपास उत्पादन कम होगा। महाराष्ट्र के खानदेश में कपास की बुवाई घटने का अनुमान है। इस समय अनियमित बारिश भी किसानों के लिए समस्या बन गई है। विदर्भ में बेमौसमी बारिश होने से समय पूर्व कपास की बुवाई शुरू की गई, वहीं अमरावती एवं यवतमाल में कपास की बुवाई का काम तेजी से हो रहा है। देश में समर्थन मूल्य बढ़ने से इन क्षेत्रों में कपास की खेती की ओर किसानों का रूझान है, लेकिन कम बारिश के कारण आंशिक नुकसान की संभावना है। गुजरात, आंध्रप्रदेश में बारिश अनुकूल है, परंतु महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और तेलंगाना में बारिश कम और अनियमित हो रहीं है।

देश में रूई की उत्पादकता वैश्विक स्तर की तुलना में कम है। सरकार विविध विकल्पों के माध्यम से देश में रूई की उत्पादकता वर्ष 2030 तक 1.5 गुना बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है, ताकि प्रति हेक्टेयर उत्पादकता वैश्विक स्तर 600 किलो के समकक्ष हो जाए। यदि देश में रूई की उत्पादकता बढ़ती है, तो इसका लाभ किसानों के साथ टेक्सटाइल क्षेत्र को होगा और भाव अधिक नही होंगे तथा माल की सुगमता होगी। हालांकि, अभी संकर रूई स्थिर है और भाव लंबे समय से 54000 रू प्रति गांठ है। सीसीआई के पास अभी 67.25 लाख गांठ स्टॉक का अनुमान है। सीसीआई ने समर्थन मूल्य पर 100 लाख गांठ खरीदी की थी। सीसीआई का भाव कम होने से स्पिनरों को फायदा होगा।

देश में 302.50 लाख गांठ की आवक हुई है। इसमें से 256 लाख गांठ रूई का उपयोग किया गया है। निर्यात करीब 15 लाख गांठ और आयात 30 लाख गांठ होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार वर्ष 2024-25 में 170 किलो की एक गांठ ऐसी कुल 33 लाख गांठ रूई का आयात किए जाने की अपेक्षा है, जबकि पिछले वर्ष में आयात 15.2 लाख गांठ था। देश में रूई का आयात अधिक होने का अनुमान है, कारण कि अमेरिका, ब्राजील और आस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में सस्ते भाव पर रूई ऑफर किया जा रहा है। देश नई सीजन में इन देशों की प्रतिस्पर्धा कर सकेगा या नहीं यह विचारणीय है, परंतु विदेशों की रूई महंगी भी होती है तो फर्क नही होगा।

YARN Rate — यार्न रेट्स 05 जुलाई, 2025

C.T.M.

PH. 247511, 247512, 9829045130

2/30 NTBL	---
2/18 Dyed	---
2/40 Dyed	---
2/30 Frosted	---
2/30 Dyed Slub	---
2/30 School Dress Clourer	---

R.T.M Mob: 9829047404

2/30 Dyed Ntbl	228
2/40 Dyed	268
2/30 Frosted	226

SRM Spinners Mob. 8078660873

2/18 PV Diamond	165
2/18 PV Navy 85:15	175
2/18 PV Black 70:30	194
2/18 R Navy 70:30	187
1/15 Poly Black	129
20 PV Black	151
15 PV Black	147
2/30 PV 65/35 Black	192

PANIPAT YARN- 9416031498

TEXTURISE

150 Roto Grey.	107-150
150 Roto Black.	108-152
150 Roto Bright.	124-141
150/250 grey.	112-163
150/250 dyed	124-168
150 FDY.	127

P.V. Yarn

2/20 Grey CL	134
2/40 POLY	181
2/15 Poly Grey	127
2/20 Poly CL	-----
20 Poly CL	123

Cotton Yarn

4 cone OE	55-117
6 cone. OE	64-166
10 cone OE	86-120
2/4 cone OE	90-164
2/6. OE	101-176
2/8 OE	105-188
2/10 OE.	116-228
2/20 OE.	226-310
2/30 RF.	312-430
2/40 RF	312-430

STAPLE YARN

10 CONE	210
15 CONE	212
20 CONE	215
2/15 CONE	219
2/40 CONE	275

Raghav Group (94141-11402)

Email: sheetal@raghavindia.com

TRIDENT LIMITED

COUNT	RATE
1/10 OE	160
1/14 OE	163
1/16 OE	165
1/20 OE	185
30 KW	260
30CWC	268
2/40 CW ELLY	264
40 CW COMPACT	320
50 CW COMPACT	390

SIDDHARTHA SUPER SPG MILLS

2/15 P/V DYED OLIVE GREEN	190
2/18 P/V BLACK	172
2/30 P/V BLACK	236

LNJ DENIM

6 OE	164
7 OE	166
10 OE	170
10 LYCRA	240
10 SLUB LYCRA	255

VISAKA IND. LTD.

PH. 93514-27900

2/20 Poly Grey@	158
2/24 Poly Grey@	164
2/30 Poly Grey@	169
2/40 Poly Grey@	196
2/60 Poly Grey@	257
2/76 Poly Grey@	315
2/30 PV Black @	218
2/40 PV Black @	258
2/30 PV HD Dyed @	245

GORAKHPUR YARN PRAHALAD RAI & CO.

PH. 99358-27000

Ankur

1/20 pv	NA
1/15 pv	NA
2/30 pv	NA
1/30 pv	-

Jaanvi

1/15 psy	-

Triveni

2/40 pv `	-
2/30 pv	-
1/20 pv	-
1/15 pv	-

MODTEX TEXTURISERS

PH. 246496, 98292-50430

150/400 Cone Dyed200+GST
150 HIM Cone Dyed.....+GST
300 HIM Cone Dyed.....+GST
Cd : 3rs/kg

GRASIM INDUSTRIES LTD.

PH. 247324, 93521-45544

2/30 NTBL	-
2/40 Dyed	-
2/50 Dyed	-

PAWAN ENTERPISES 9414111656

Triveni Spinning

1/15 Pv. 70/30 Z Black@	-
2/30 pv 70/30 Z Black@	-
2/40 Pv70/30 Z Black@	-

Vergine Quality

1/15 Pv 70/30 Grey @	-
1/20 Pv 70/30 Grey@	-
2/15 Pv 70/30 Grey@	-
2/18 Pv 70/30 Grey @	-
2/30 Pv70/30 Grey@	-
1/15 Polyester Grey@	-
2/20 Polyester Grey @	-
2/30 70/30 Melange@	-
2/30 100% Viscose@	-
2/40 100% viscose@	-

NEETA YARNS

Ph. 022-28335766, 093246-70428
(M) 98210-82022

Fancy Yarn Per Kg

2/60 PC (65/35)	280
2/60 PVT	278
2/60 Polyster	238
2/76 Polyster	288
2/60 P.V.	278
2/60 P.C.	280
150/48/400 Bright	135
75/36/1450 Bright Rate	160
65/36/600 Bright Rate	216
100/36/1450	148

RATAN BARJATIYA SPINNERS

Bhavit Jain: 9928913144

PV Yarn

2/60 PV	----
2/40 PV	----
2/30 PV	----
2/24 PV	----
2/20 PV	----
2/18 PV	----
2/15 PV	----

Recycled PV Yarn 70:30

2/40 PV	----
2/30 PV	----

Polyester Yarn

2/60 Poly	----
2/40 Poly	----
2/30 Poly	----
2/24 Poly	----
2/20 Poly	----
2/15 Poly	----

Recycled Polyester yarn

2/40 recycled	----
2/30 recycled	----
2/20 recycled	----
2/15 recycled	----
1/15 recycled	----

PC Yarn Combed (65:35)

2/40 PC	----
2/30 PC	----

Black Yarn

2/30 poly black	----
2/30 pv 70:30 black	----
2/47 poly magic	----
2/47 pv magic	----

टेक्सटाइल वर्ल्ड समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए निचे दिये गए नम्बर पर / सम्पर्क करें
मो- 94688 35188

क्वालिटी, विश्वास एवं विश्वसनीयता का प्रतीक

सिखवाल यूनिफॉर्म्स

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में 'सिखवाल यूनिफॉर्म्स' एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। फर्म की स्थापना पाँच वर्ष पूर्व श्री रामस्वरूप शर्मा के छोटे भाई श्री राजेश शर्मा व श्री लक्ष्मण शर्मा द्वारा की गई थी। इनकी ईमानदारी, अथक मेहनत और समर्पण के बलबूते पर यह फर्म आज सफलता की नई ऊँचाइयों को छू रहीं है।

व्यापार का विस्तार– 'सिखवाल यूनिफॉर्म्स' न केवल भीलवाड़ा, बल्कि पूरे भारत में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहीं है। फर्म विभिन्न प्रकार की सूटिंग-शर्टिंग और यूनिफॉर्म्स की मैन्युफेक्चरिंग में विशेषज्ञता रखती है, साथ ही रेडिमेड गारमेण्ट में सिद्धता हासिल है।

मुख्य उत्पाद एवं सेवाएं

- कॉर्पोरेट यूनिफॉर्म
- स्कूल यूनिफॉर्म
- पुलिस एवं सिक्योरिटी यूनिफॉर्म
- इंडस्ट्रियल यूनिफॉर्म
- हॉस्पिटल यूनिफॉर्म
- कस्टम स्टिचिंग सेवाएं
- रेडीमेड गारमेण्ट्स

श्री शर्मा ने बताया कि 'हमारा लक्ष्य उच्च गुणवत्ता, समय पर डिलिवरी और ग्राहक संतुष्टि है। हम पारदर्शिता और भरोसे को अपनी व्यावसायिक नींव मानते हैं।'

गारमेण्ट की बुकिंग पूरी होने... पृष्ठ 24 का शेषांश

कई बड़े ब्राण्ड्स अपनी डिलिवरी सुविधाओं को ग्राहकों के अनुकूल करने में जुट गए है। गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स को निर्यात में अच्छे कारोबार की संभावना दिखाई दे रही है। इस वर्ष मानसून अच्छा रहेगा, इसलिए त्योहारी सीजन के दौरान शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में गारमेण्ट में कारोबार बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। बैंगलुरू में ग्राहकों से मिले जबरदस्त समर्थन के बाद भारत की अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म में से एक मित्रा ने अपनी डिलिवरी सर्विस के विस्तार का ऐलान किया है। तीन बड़े मेट्रो शहर बैंगलुरू, दिल्ली और मुम्बई शामिल है, जिनको 600 से अधिक अलग-अलग ब्राण्ड्स के 90 हजार से ज्यादा ट्रेड फर्स्ट स्टॉक कीपिंग यूनिट उपलब्ध करा रहीं है। गारमेण्ट निर्यात में व्यापक सुधार की संभावना है। विश्व में अपेरल का वार्षिक बाजार लगभग 600 अरब डॉलर का है। इसमें भारत का हिस्सा मुश्किल से 2.8 प्रतिशत बताया जा रहा है, जबकि भारत की तुलना में छोटे देश बांग्लादेश का हिस्सा 10 प्रतिशत के करीब है। बांग्लादेश एक वर्ष में लगभग 60 अरब डॉलर का निर्यात विश्व के मार्केट में करता है, लेकिन राजनीतिक अशांति एवं अस्थिरता बढने से वैश्विक ब्राण्ड अब दूसरे विकल्प के तौर पर भारत की ओर रूख कर रहे हैं। भारत को इसका लाभ हो रहा है और गारमेण्ट के निर्यात ऑर्डर में भारी वृद्धि हो रही है।

जुलाई 2025 में व्यापार जगत पर नवग्रहों का गोचर प्रभाव -ज्योतिर्विद डॉ. बालकृष्ण मिश्र

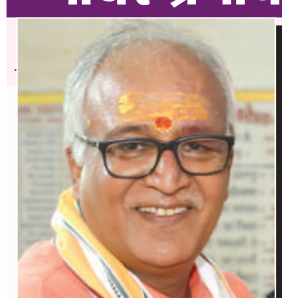

प्रमुख राशियों के बारे में जानकारी.....

मेष– शनि का मीन राशि में गोचर आत्म-निरीक्षण, आत्म-सुधार और आध्यात्मिकता की ओर ले जाएगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे, लेकिन मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन व्यय पर नियंत्रण जरूरी।

वृषभ– शनि के गोचर से आर्थिक मामलों में सावधानी बरतनी होगी। नए निवेश की ओर ध्यान जा सकता है, लेकिन सोच-समझकर निर्णय करें। कार्यस्थल पर समस्याएं बढ़ सकती हैं, खासकर बॉस और सहकर्मियों से मतभेद हो सकते हैं।

मिथुन– इस राशि के लिए शनि का गोचर दशम भाव में होगा, जिससे करियर में स्थिरता और नए अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन फिजूलखर्ची से बचना जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में मतभेद हो सकते हैं, धैर्य और समझदारी से काम लें।

कर्क– इस राशि के लिए शनि की ढैया समाप्त हो गई है और सिंह राशि के लिए प्रारंभ होगी। सकारात्मक सोच से कार्य करें निश्चित सफलता मिलेगी।

सिंह– शनि का गोचर अष्टम भाव में होगा, जिससे स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है। मानसिक तनाव और नींद की कमी हो सकती है, योग और ध्यान से लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में समस्याएं बढ़ सकती हैं, सतर्क रहने की जरूरत है।

कन्या– शनि का गोचर सप्तम भाव में होगा, जिससे वैवाहिक जीवन और साझेदारी पर प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक स्थिति स्थिर होगी, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण जरूरी होगा। करियर में मेहनत के बाद सफलता मिलेगी, स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला– शनि का गोचर छठे भाव में होगा, जिससे स्वास्थ्य और कार्यक्षेत्र पर प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन व्यय पर नियंत्रण जरूरी होगा। पारिवारिक जीवन में थोड़ा धैर्य रखना जरूरी होगा तथा विचारों का टकराव हो सकता है।

वृश्चिक– शनि का गोचर पंचम भाव में होगा, जिससे शिक्षा और संतान पर प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन व्यय पर नियंत्रण जरूरी होगा। वैवाहिक जीवन और प्रेम संबंधों में धैर्य और ईमानदारी की जरूरत होगी।

धनु– शनि की ढैया शुरू होगी, जिससे स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ सकता है। प्रतिदिन शिवजी को जल जरूर चढ़ाएं।

मकर– शनि का गोचर तृतीय भाव में होगा, जिससे व्यक्तित्व और करियर में बदलाव आएगा। छोटी-छोटी यात्राओं के योग बन रहे हैं, विदेश यात्रा के भी योग बन सकते हैं। पारिवारिक जीवन में कुछ अशांति या दूरी महसूस हो सकती है।

कुंभ– शनि का गोचर द्वितीय भाव में होगा, जिससे आर्थिक स्थिति और पारिवारिक जीवन पर प्रभाव पड़ेगा। वाणी में कठोरता आ सकती है, जिससे रिश्तों में तनाव हो सकता है। धैर्य और समझदारी से काम लेंगे तो बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कर सकते हैं।

मीन– शनि का गोचर लग्न भाव में होगा, जिससे स्वास्थ्य और व्यक्तित्व पर प्रभाव पड़ेगा। वैवाहिक जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। करियर में नए अवसर मिलेंगे, लेकिन मेहनत और धैर्य की आवश्यकता होगी।

ज्योतिर्विद डॉ. बालकृष्ण मिश्र विद्या वारिधि (पी.एच.डी) काशी से
मो. 92220-41001

मानसून का भारतीय टेक्सटाइल पर प्रभाव

मैंने एक कहावत अपने कारीगरों से सुनी, जो इस प्रकार है - 'जब हवा चले पुरवाई तब समझो बरखा है आई' बरसात का मौसम आ गया है और दैनिक जीवन में कुछ बातों को हम बचपन से महसूस करते व देखते आए हैं। आज हम इस आद्रता को टेक्सटाइल संस्थान में कार्य करने वाले के हिसाब से जानने की कोशिश करते हैं। इस बार भारत में मानसून ने जल्दी दस्तक दी है। सही ह्यूमिडिटी की अहमियत, टेस्टिंग और प्रॉडक्शन डिपार्टमेण्ट जानता है।

श्री सुनील भटनागर
प्रोफेसर एवं टेक्सटाइल कन्सलटेन्ट
सम्पर्क-74258 13125

आइए, इसका प्रभाव टेक्सटाइल उद्योग में निम्न बिंदुओं द्वारा समझा जा सकता है -

- कॉटन की फसल और गुणवत्ता पर सकारात्मक असर।
- डाइंग/प्रिंटिंग के बाद धागे/कपड़ा सूखने में ज्यादा समय लेना।
- कामगारों में एब्सेंटिजम ज्यादा।
- कच्चे माल और धागे को बाहर भेजने में सड़कों के डैमेज से ज्यादा समय लगना।
- बिजली की सप्लाई में अवरोध।
- ह्यूमिडिटी के ज्यादा होने से मशीन पर कार्य करने वालों को असुविधा।
- मशीनों के उत्पादन को सही रखने के लिए अतिरिक्त खर्चे जैसे जंग अवरोधित पेंट, रोलर्स इत्यादि का प्रयोग।

बचाव व उपचार

- डिपार्टमेण्ट में पानी टपकने से पहले छतों की सफाई।
- यार्न और रॉ-मटीरियल गौडाउन की छतों, दरवाजे, खिड़कियों पर बरसात से पहले ध्यान और मरम्मत।
- कारीगरों व स्टाफ को बरसात में होने वाली बीमारियों के बारे में सचेत करके रोकथाम के कदम उठाना।
- बरसात के मौसम में खुद के वाहन से आने वाले लोगों की अनुपस्थिति ज्यादा होती है।
- मशीनों में लैपिंग और ब्रेकेज के लिए स्टेप्स लेना।
- खाते में गर्मी कम करने पर ध्यान देना।
- दुर्घटना और फिसलन वाली जगह ठीक करवाए।
- डिस्पेच के ट्रक पर तिरपाल का सही होना सुनिश्चित करें।
- संस्थान की गाड़ियों के टायर और ब्रेक इत्यादि का मेंटीनेंस समय-समय पर करवाए।
- सड़कों पर झाड़ियों और डालियों की छटाई करवाए, जिससे रोशनी में रूकावट न हो।
- सांप के काटने से मौतों के बचाव के लिए घास और कूड़े की साफ-सफाई करवाएं।
- कैंटीन और मैस में मच्छरों से बचाव और साफ सफाई का ध्यान रखें।
- माल गीला होने पर सुखाकर प्रयोग करे।
- मशीनों की समय-समय पर जाँच करवाना।
- संस्थान के वाहनों की स्पीड लिमिट रखवाए और ड्राइवरों की मेडिकल जाँच जैसे आँखों की समय-समय पर जाँच करवाए, क्योंकि मानसून में ग्राहक ऐसे कपड़े पसंद करता है, जो जल्दी सूख जाए, बदबू न आए, शरीर को कम्फर्ट दे और सस्ता हो। अतः इस समय कॉटन की बजाय सिंथेटिक कपड़ों की डिमाण्ड ज्यादा रहती है।

BHILWARA PROCESS HOUSE EDITION

फैब्रिक प्रोसेसिंग में उम्दा एवं उच्च दर्जे की फिनिश के लिए विख्यात रोलेक्स प्रोसेसर्स

भीलवाड़ा / स्थानीय कपड़ा मण्डी में जाना माना औद्योगिक ग्रुप 'अजय इण्डिया' फैब्रिक उत्पादन क्षेत्र में घरेलु एवं निर्यात बाजार में फैब्रिक सप्लाई के लिए शीर्ष स्तर में शुमार होता है। सूटिंग उत्पादन के अलावा कम्पनी का स्वयं का प्रोसेस हाउस है, जो रोलेक्स प्रोसेसर्स प्रा. लि. नाम से कार्यरत है। प्रोसेस कार्य देख रहे डायरेक्टर श्री अशोक काबरा ने प्रोसेस गृह में सभी तरह की आवश्यक मशीनरी स्थापित करते हुए लेटेस्ट तकनीक का समावेश किया। कम्पनी में टेक्निकल क्षेत्र में अनुभवी एवं प्रशिक्षित अधिकारी एवं इंजीनियर कार्य देख रहे हैं, जिसमें टेक्निकल चीफ श्री पीसी जैन ने प्रोसेस गृह की जानकारी देते हुए बताया कि प्रोसेस गृह में क्वालिटी प्रोसेसिंग की जा रही है एवं आवश्यक सभी मॉडर्न मशीनरी स्थापित की जा चुकी है।

कॉटन डवलपमेण्ट

बाजार में बढ़ती कॉटन की डिमाण्ड के तहत प्रोसेस गृह में इस क्षेत्र के लिए विशेष डवलपमेण्ट किए गए हैं, जिसमें लॉफर, मर्सराइज्ड, ऑटोमेटिक जिगर एवं ऑटोमेटिक पैसेफिक तकनीक शामिल की गई है। इसमें कॉटन कैडिक की उन्नत फिनिश की जा रही है एवं 4-5 लाख मीटर कपड़ा प्रतिमाह कॉटन फिनिश हो रहा है। कम्पनी द्वारा कॉटन प्रोसेसिंग की तकनीक में न्यू डवलपमेण्ट करते हुए डिजाइजर (ऑल बेचिंग), लगातार प्रारंभ से अन्त तक बेचिंग सिस्टम स्थापित किया गया एवं विशेष बात यह है कि प्रोसेस गृह में लगभग 65-67 इंच तक में भी कपड़ा फिनिश किया जा रहा है। श्री जैन ने बताया कि मर्सराइजिंग तकनीक में स्कॉटिंग मशीन Maxi जिगर की 12 महीनें स्थापित की गई और CBR पूर्ववत् रनिंग में है।

पर्यावरण प्रबंध

औद्योगिक कार्य के साथ पर्यावरणीय घटकों को ध्यान में रखते हुए कम्पनी ने हानिकारक पानी के लिए ईटीपी प्लाण्ट लगा रखा है, जिसमें लगभग 9 लाख लीटर पानी रिसाइकल हो रहा है। इसके लिए मर्सराइज्ड ME एवं तीसरा आरओ भी स्थापित किया जा चुका है, साथ ही प्रोसेस गृह की रिक्त भूमि पर पेड़-पौधे लगा रखे हैं।

TIN No. 08601050296
Rolex Processors Pvt. Ltd. BHILWARA
ROLEX
Processors Pvt. Ltd.
A Leading Process House
With Kd & Super Finish
Equipped With Most Modern
Machines & Technology
WORKS
13-14 K.M. Stone, Gangapur Road, Pur,
BHILWARA- 311001 (Raj.), Ph : 01482-262252-55
CITY OFFICE
Shop No. 120-122, New Cloth Market, Bhilwara-311001

व्यापारियों की नजर त्योहारी मांग पर सूटिंग मिलों ने बटोरी बुकिंग

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

दिल्ली कपड़ा बाजार में जून का पूरा महीना भी कमजोर कारोबार के निकल गया तथा जुलाई के पहले सप्ताह में भी व्यापारियों को निराशा मिली है, जबकि सूटिंग मिलों ने कॉन्फ्रेंस और डिस्प्ले के जरिए अच्छी बुकिंग बटोरी, क्योंकि उन्हें आशा है कि आगामी महीनों में त्योहारी सीजन की ग्राहकी अच्छी आ सकती है।

जानकारों का कहना है कि अब बरसाती सीजन आरंभ हो चुका है और इस दौरान कपड़ा बाजार में कारोबार हमेशा ही सुस्त रहता है। व्यापारियों का मानना है कि इस वर्ष लगातार दूसरे वर्ष मानसून सामान्य से अधिक रहने की संभावना है और आशा है कि इससे कृषि उत्पादन में सुधार होगा और इससे आगामी माह में ग्रामीण क्षेत्रों की अच्छी मांग आ सकती है। बाजार में धन की तंगी बराबर बनी हुई है और व्यापारी नकद में ही कारोबार करने का इच्छुक लग रहा है।

जानकारों का मानना है कि जुलाई माह भी कमजोर रहने का अनुमान है, लेकिन मध्य अगस्त से ग्राहकी का अच्छा दौर आरंभ होगा और उसके बाद जनवरी-फरवरी तक अच्छी ग्राहकी रह सकती है। अधिकांश व्यापारी ये मानकर आगामी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। आलोच्य पखवाड़े के दौरान भी सिंथेटिक सूटिंग और शर्टिंग में कारोबार कमजोर रहा तथा मिलें और व्यापारी बुकिंग एवं कॉन्फ्रेंस आदि में व्यस्त रहें तथा अनेक मिलों और निर्माताओं ने इंसेंटिव की स्कीम के माध्यम से बुकिंग बटोरी। वैवाहिक सीजन समाप्त होने से साड़ियों और लहंगा-चुनरी आदि में मांग लगभग नगण्य रहीं, वहीं कॉटन आयटमों और लेडीज सूट आदि में सीमित ग्राहकी बनी हुई है।

व्यापारियों का कहना है कि रीड एंड टेलर, रेमंड, दिग्जाम, डोनियर, ग्राडो, सियाराम, केडिनी आदि में से कुछ ने बुकिंग कर ली है और कुछ कर रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि पिछले दिनों की गई बुकिंग का कुछ माल बाजार में आने लगा है, लेकिन उठाव केवल नाममात्र का ही है। स्कूल यूनीफॉर्म के लिए अवश्य कुछ मांग आ रहीं है तथा कॉटन व लिनन सूटिंग में कारोबार कमजोर रहा है। व्यापारियों का कहना है कि शर्टिंग की अधिकांश मांग अब रेडीमेड में है। साथ ही कॉटन व पीसी के अतिरिक्त लिनन, खादी आदि की सीमित पूछपरख है। कॉम्बो पैकिंग में कारोबार लगभग नगण्य रहा, क्योंकि वैवाहिक सीजन नहीं है।

आगामी दिनों में एथनिक का चलन बढ़ने के कारण लाइट कलर की प्लेन व डिजाइनदार शर्टिंग में मांग अच्छी रहने का अनुमान है। पिछले कुछ वर्षों से वैवाहिक और अन्य अवसरों पर एथनिक वस्त्रों का चलन बढ़ रहा है। इससे कुर्तों के अलावा जैकेटिंग के लिए भी मांग आती है। व्यापारियों का कहना है कि परम्परागत लहंगों की मांग दिनों-दिन घटती जा रहीं है और इनका स्थान लाइट के लहंगे या वैस्टर्न ड्रेस गाऊन आदि लेते जा रहे हैं। काटन आयटमों में अवश्य कुछ मांग रहीं तथा बुटिक वाले सैंपलिंग कर रहे हैं और बाजार में नए फैब्रिक की तलाश कर रहे हैं। बाजार में कैम्ब्रिक, पोपलीन, ग्लेज्ड कॉटन आदि की पूछपरख है। लेडीज सूटों में कारोबार अच्छा बना रहा। व्यापारियों का कहना है कि अभी लाइट कलर के सूटों की मांग थी, लेकिन आगामी दिनों में डार्क कलर और स्पन आदि की मांग की संभावना है।

कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

गारमेण्ट उद्योग को योजना में लाने का प्रयास -कपड़ा मंत्री

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

कपड़ा उद्योग के लिए जारी पीएलआई योजना को देखते हुए विगत दिनों केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरीराज सिंह ने रेडीमेड उद्योग के लिए भी यह योजना लाने के संकेत दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार श्री सिंह का कहना है कि सामान्य परिधानों के लिए सरकार एक अलग पीएलआई (प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेटिव) योजना लेकर आएगी और उस पर तेजी से काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने वर्ष 2021 में मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) से तैयार गारमेण्ट और फैब्रिक के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए पाँच वर्षों के दौरान 10,683 करोड़ रूपए के बजट परिव्यय के साथ कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना आरंभ की थी। श्री सिंह का कहना है कि सरकार ने अब तक कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत 80 आवेदनों को स्वीकृति दी है और सरकार का लक्ष्य इस वर्ष लगभग 500 करोड़ रूपये वितरित करने का है। अतः आशा है कि इसे प्राप्त कर लिया जाएगा।

गत पाँच वर्षों के दौरान इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना के तहत 19,000 करोड़ रूपये से अधिक के निवेश और 7.5 लाख से अधिक नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। उनका कहना है कि सरकार जापान, कतर एवं अन्य देशों के वैश्विक ब्राण्डों के साथ भी बातचीत कर रहीं है, जो इस योजना के तहत निवेश करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल पीएलआई योजना में कोई बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार उद्योग एवं अन्य हितधारकों के साथ विचार-विमर्श कर रहीं है तथा उनका रूख काफी सकारात्मक है, जो आगामी महीनों के दौरान इस योजना में तेजी आएगी। उनका कहना है कि आरओएससीटीएल जैसी योजनाओं के नतीजे भी अच्छे दिख रहे हैं तथा आगामी महीनों में सरकार मार्च 2026 के बाद इसके जारी रखने पर विचार करेगी।

श्री सिंह का कहना है कि देश का कपड़ा उद्योग एक दशक पूर्व लगभग 112 अरब डॉलर का था, जो बढ़कर 176 अरब डॉलर हो गया है तथा सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक इसे 350 अरब डॉलर तक पहुँचाने का है। उनके अनुसार देश तकनीकी कपड़ा क्षेत्र में भी काफी प्रगति कर रहा है तथा सरकार रोजगार सृजन के लिहाज से कपड़ा क्षेत्र को अग्रणी बनाना चाहती है। अतः उन्होंने आशा व्यक्त की है कि वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में लगभग 2.5 करोड़ नई नौकरियां सृजित होंगी। सरकार देश के 500 जिलों के छोटे कारीगरों एवं वीवर्स आदि को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहीं है, ताकि उन्हें पर्याप्त बाजार मिल सके। उनका कहना है कि यूरोपीय संघ एवं अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से भी बुनकारों, छोटे उद्यमियों को निर्यात बाजार उपलब्ध होंगे।

तकनीकी कपड़ा- श्री सिंह का कहना है कि वर्ष 2024 तक देश में तकनीकी कपड़े का बाजार लगभग 26 अरब डॉलर था, जो वर्ष 2030 तक 40-45 अरब डॉलर तक बढ़ने की ओर जा रहा है। तकनीकी कपड़ा सेक्टर पीएलआई योजना में शामिल है तथा सरकार ने स्वास्थ्य सेवा, कृषि और रक्षा इत्यादि क्षेत्रों में 73 तकनीकी कपड़ा वस्तुओं का उपयोग किया है।

कॉटन उत्पादन- श्री सिंह का कहना है कि सरकार कॉटन की उत्पादकता में सुधार लाने और जूट उत्पादों के लिए नया बाजार तैयार करने पर भी फोकस कर रहीं है। सरकार ने कॉटन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए रिसर्च की है तथा 2030 तक उपज को 1.5 गुना तक बढ़ाने और 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है।

इचलकरंजी डीकेटीई के 21 विद्यार्थियों का वेलस्पन कम्पनी में चयन

इचलकरंजी डीकेटीई के छात्रों का वेलस्पन कम्पनी में चयन हुआ। इन स्टूडेंट्स के साथ लीडर डॉ. एल. एस. एडमुथे, डॉ. यू जे पाटील और एस. बी. अकिवाते।

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

इचलकरंजी डीकेटीई टेक्सटाइल के अंतिम वर्ष के 21 छात्रों का चयन वेलस्पन कम्पनी में हुआ है। इस तरह चुने गए छात्र - ओंकार जुगले, अथर्व तोडकर, पार्थ लाड, निकिता चव्हाण, ऋषिकेश उगड़े, यश धावले, रोहित बगड़, अस्मिता बोलके, सलोनी पाटिल, दामोदर लाठ, संकेत खोत, मयूरेश टोणपे, प्रतीक गाट, साक्षी खोत, तृप्ति बनगे, इमोनी पाटिल, कुमकुम नांदेड़कर, सहायक विभागाध्यक्ष प्रेम स्वामी, सुचित्रा अस्बे, समीक्षक सातपुते और महक मुल्ला का डीकेटीई संस्था के अध्यक्ष श्री कल्लाप्पना अवाडे, पूर्व मंत्री श्री प्रकाश अवाडे, मानद सचिव डॉ. सौ सौ. शशांक अवाडे, कार्यकारी निदेशक श्री रवि अवाडे के साथ पदाधिकारियों ने नियुक्ति की, जबकि शिक्षक प्रा. डॉ. एल. एस. एडमुथे, उपसंचालक प्रा. डॉ. यू. जे. पटेल और प्रशिक्षण मशाल प्रभा. एस. बी. अकिवाते के दिशा-निर्देशन में हुआ।

Postal Registration No BHILWARA/208/2024-2026 RNI Registration No. 71772/98

गारमेण्ट की बुकिंग पूरी होने के बाद हलचल तेज

मुम्बई/ रमाशंकर पाण्डेय

गारमेण्ट की मांग सुस्त है। रिटेलर्स समर सीजन के बचे स्टॉक को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रिटेलरों के पास समर सीजन का अच्छा खासा स्टॉक है। जून एवं जुलाई में कपड़ा और गारमेण्ट में कारोबार मंदा ही रहता है। गारमेण्टर्स को आगे की सीजन के लिए अच्छी बुकिंग मिल रहीं है। यदि एक बार बुकिंग की स्थिति स्पष्ट हो जाए, तो गारमेण्ट में हलचल तेजी से बढ़ने की संभावना है। कुछ बड़े शहरों में गारमेण्ट कपड़ों में ग्राहकी जुलाई मध्य से शुरू होने की संभावना है। ऐसा माना जा रहा है कि त्योहारी सीजन को लेकर गारमेण्टरों की व्यापक तैयारियां चल रही है। गारमेण्ट में बढ़ते कारोबार को देखते हुए बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक गारमेण्ट आउटलेट की अच्छी सुविधा और ऑनलाइन चैनलों के बेहतर उपयोग से युवाओं के लिए समयानुकूल फैशनेबल एवं फिटिंग में चुस्त-दुरूस्त गारमेण्ट आसानी से मिल जाने के कारण गारमेण्ट की ओर नई पीढ़ी का झुकाव तेजी से बढ़ा है। गारमेण्ट के सभी खंडों जैसे जेंट्स, लेडीज और चिल्ड्रन वियर में क्वीक फैशन का ट्रेंड देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षो में अनेक स्टार्टअप क्वीक फैशन में प्रवेश किए है, जिनका उद्देश्य इनका मकसद ग्राहकों को समय पर डिलिवरी देना है। **शेषांश पृष्ठ 10 पर...**

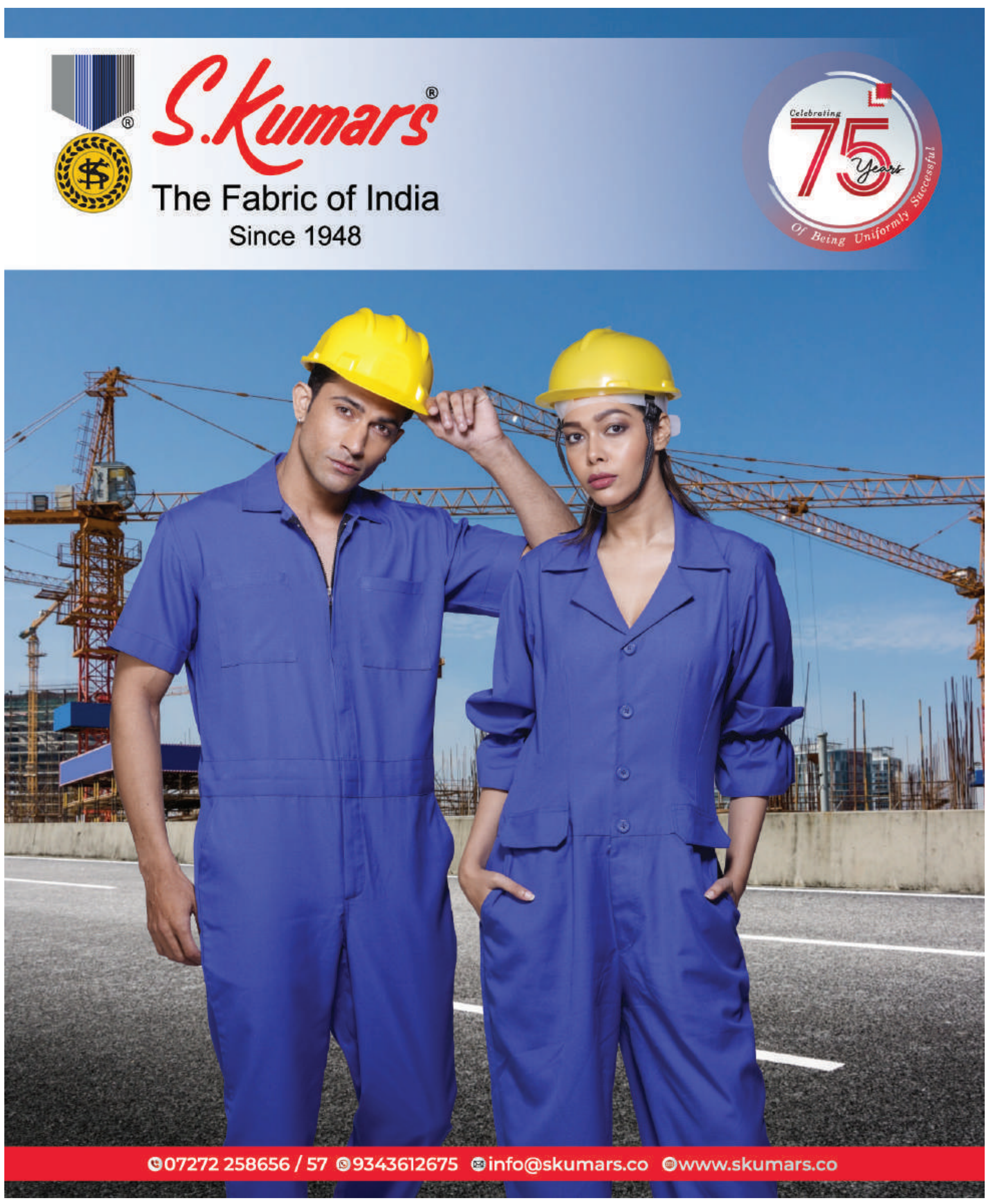

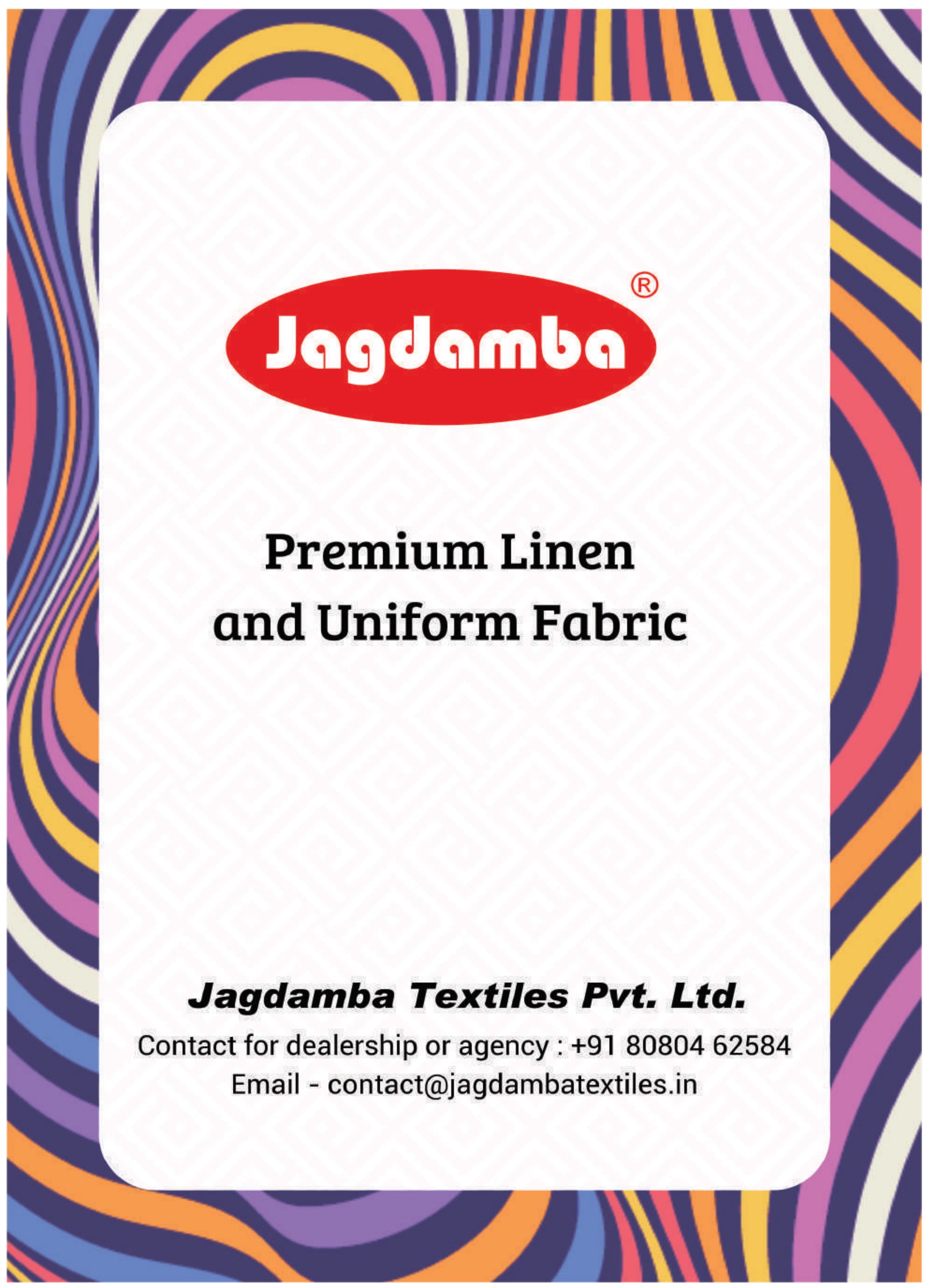

स्वत्वाधिकारी एसएसएस मीडिया पब्लिकेशन्स (प्रा.) लि. की तरफ से मुद्रक एवं प्रकाशक योगेन्द्र शर्मा के लिए डी.बी. कॉर्प लि., 10, जेएलएन मार्ग, जयपुर, (भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर) से मुद्रित एवं सी-127, आर.के. कॉलोनी, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक-योगेन्द्र शर्मा।

INFINITO LUXURY FABRICS

की ऑल इंडिया रिटेल कॉन्फ्रेंस मसूरी में

30 जुलाई से 4 अगस्त तक होगी भव्य बुकिंग

मुम्बई

टीआर एवं एथनिक के प्रतिष्ठित ब्राण्ड Infinito निरंतर अपने उत्पादों की बदौलत आगे बढ़ता जा रहा है। आज कम्पनी ने अपने नए डवलपमेण्ट के दम पर भारत की तमाम मण्डियों में उत्पादों को पहुँचाया है, जिससे हर सीजन को लेकर काफी उत्साहित रहती है। कम्पनी के मार्केटिंग प्रेसीडेंट श्री संजय जायसवाल ने बताया कि पिछले सीजन में अच्छी डिस्पेच से उत्साहित होकर कम्पनी ने इस बार अपने ऑल इंडिया के सभी रिटेलर्स को साथ लेकर मसूरी के पाँच सितारा रमाडा पैलेस होटल में 30 जुलाई से 4 अगस्त को भव्य कॉन्फ्रेंस करने जा रही है। जहाँ कम्पनी द्वारा आगामी सीजन को ध्यान में रखते हुए नये डवलपमेण्ट की विस्तृत रेंज पेश की जाएगी।

श्री जायसवाल ने कहा कि कम्पनी अपने Infinito ब्राण्ड में सूटिंग रेंज की विस्तृत क्वालिटियों में लाइक्रा, ट्वीड, एथनिक, वेलवेट, TR एवं कुर्ता फैब्रिक की सभी रेंज में अनेक डवलपमेण्ट हमारे द्वारा किए जा रहे हैं। साथ ही इस कॉन्फ्रेंस में दो नए कैटलॉग -एक एथनिक फैब्रिक के लिए एवं दूसरा ट्वीड फैब्रिक का लॉञ्च किया जाएगा।

मार्केटिंग टीम में भरपूर उत्साह

कम्पनी की सम्पूर्ण मार्केटिंग टीम उत्साह से भरी हुई है। पिछले सीजन की बात की जाए तो कम्पनी के पास भरपूर ऑर्डर्स थे, जिन्हें समय पर सप्लाई करते हुए कम्पनी निरंतर आगे बढ़ी। इसी से उत्साहित होकर कम्पनी की मार्केटिंग टीम इस कॉन्फ्रेंस को लेकर आगे बढ़ रही है।

इचलकरंजी पावरलूम के लिए पावरलूम एसोसिएशन की ओर से रेल की मांग

कोल्हापुर/ राहुल खाडे

इचलकरंजी शहर और क्षेत्र में स्ट्रेट पावरलूम, एयरजेट और रेपियर उद्योग में कृशकी रेस्तरा महसूस हो रहा है। इचलकरंजी शहर और क्षेत्र में पावरलूम उद्योग पर प्रांतीय शेयरधारक की मंजूरी है, जबकि उनकी आने-जाने की समस्या बनी हुई है। इसके लिए इचलकरंजी एसोसिएशन की ओर से सीधे आने के लिए रेल की व्यवस्था के लिए विधायक श्री राहुल अवाडे को निर्देश दिया गया है और कहा गया है कि बिहार-उत्तरप्रदेश से कोल्हापुर तक एवं ओडिशा की राजधानी से कोल्हापुर तक दो रेल सप्ताह में दो दिन चलने से यहाँ के गांव में सीधा आना-जाना संभव होगा। साथ ही उत्तरप्रदेश और बिहार के कई धार्मिक स्थलों अयोध्या, बनारस, मथुरा, वाराणसी, पटना के साथ-साथ ओडिशा के जगन्नाथपुरी और महाराष्ट्र के ज्वालामुखी पर बाकी धार्मिक स्थलों के लिए रेल शुरू करें। ऐसी मांग दी इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री चंद्रकांत पाटील ने इसके माध्यम से स्पष्टीकरण दिया। इस समय दी इचलकरंजी पावरलूम एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री रफीक खानापुरे, सलाहकार श्री आशुतोष कोष्टी , श्री चंद्रकांत भोपले , श्री पाण्डुरंग सोल्गे, श्री सुभाष बलवान, श्री किरण पोवार, श्री राजाराम गिरी के अलावा सर्वश्री प्रकाश मोरे, गजानन होडे, सर्जक टेके, पांदूरंग धोंडपुडे, दिनकर अनुसे, सुरेश आमाशे आदि मौजूद थे।

इचलकरंजी के लिए रेल शुरू करने के लिए सलाहकार राहुल अवाडे के साथ उपस्थित सदस्य

भारत का मिनी मेनचेस्टर... हर माह करोड़ों का उत्पादन

भीलवाड़ा/ भीलवाड़ा को टेक्सटाइल सिटी और मिनी मेनचेस्टर के नाम से जाना जाता है। हर महीने लगभग 12 से 13 करोड़ मीटर कपड़ा तैयार होता है। भीलवाड़ा का कपड़ा मिडिल ईस्ट सहित कई देशों में निर्यात होता है। भीलवाड़ा को टेक्सटाइल सिटी और भारत के मिनी मैनचेस्टर के नाम से दुनियाभर में जाना जाता है। यहाँ का कपड़ा उद्योग न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी एक खास पहचान रखता है। वर्ष 1938 में यहाँ कपड़ा उद्योग की शुरूआत हुई थी। वर्तमान में हर महीने लगभग 12 से 13 करोड़ मीटर कपड़ा तैयार किया जाता है। यह उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 80 हजार लोगों को रोजगार देता है। यहाँ बना कपड़ा मिडिल ईस्ट सहित कई देशों में निर्यात किया जाता है। सिंथेटिक विविंग मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय पेड़ीवाल ने बताया कि भले ही वर्तमान समय में वैश्विक बाजार में अस्थिरता है, फिर भी भीलवाड़ा में कपड़ा उत्पादन लगातार जारी है। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा एक प्रमुख टेक्सटाइल हब है। इसके अलावा यहाँ माइनिंग, गत्ता फैक्ट्री और फैंसी यार्न फैक्ट्रियां भी काम कर रही है।

औद्योगीकरण को बढ़ावा

श्री पेड़ीवाल ने बताया कि भीलवाड़ा के उद्योगों को मजबूती देने के लिए टेक्सटाइल पार्क की आवश्यकता है। यहाँ के उद्यमी लंबे समय से इसकी मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों के लिए बिजली की दरें कम की जाएं और सस्ती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाए। उद्योग शुरू करने के लिए उद्यमियों को कई सरकारी विभागों के चक्कर काटने पड़ते हैं। ऐसे में सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया जाना चाहिए ताकि उद्यमी को आसानी से सभी सुविधाएं मिल सकें।

प्रमुख औद्योगिक संस्थान

झभीलवाड़ा में लगभग 350 बुनाई मिलें, 13 स्पिनिंग मिल्स, 20 प्रोसेसिंग मिल्स, 5 डेनियम, 50 टीएफओ और रेडीमेड प्लांट मौजूद है। स्पिनिंग, वीविंग और प्रोसेसिंग यूनिट्स में आधुनिक तकनीक से लैस मशीनों का उपयोग किया जाता है। वर्ष 1970 से पहले भीलवाड़ा में केवल दो टेक्सटाइल उद्योग थे, जिनमें लगभग 3000 श्रमिक कार्यरत थे, लेकिन वर्तमान में लगभग 70 हजार श्रमिक कपड़ा उद्योग में और 20 हजार लोग अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। इनमें राजस्थान के अलावा उड़ीसा, बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के लोग भी शामिल हैं।

टेक्सटाइल की शुरुआत और विकास

वर्ष 1935-40 के बीच भीलवाड़ा में पारंपरिक सूती वस्त्र उद्योग की शुरुआत हुई। वर्ष 1956 में पहली आधुनिक कपड़ा मिल की स्थापना हुई। इसके बाद 1960-70 के दशक में बड़ी फैब्रिक प्रोसेसिंग और डाइंग यूनिट्स स्थापित होने लगीं। वर्ष 1935 में महाराणा भूपाल सिंह द्वारा मेवाड़ मिल की स्थापना की गई थी। यह राजस्थान की पहली आधुनिक टेक्सटाइल मिल मानी जाती है। उस समय भीलवाड़ा एक उभरता हुआ कस्बा था, जो रेल और सड़क से जुड़ा हुआ था, जहाँ पानी और श्रम की उपलब्धता को देखते हुए यहाँ मिल स्थापित की गई।

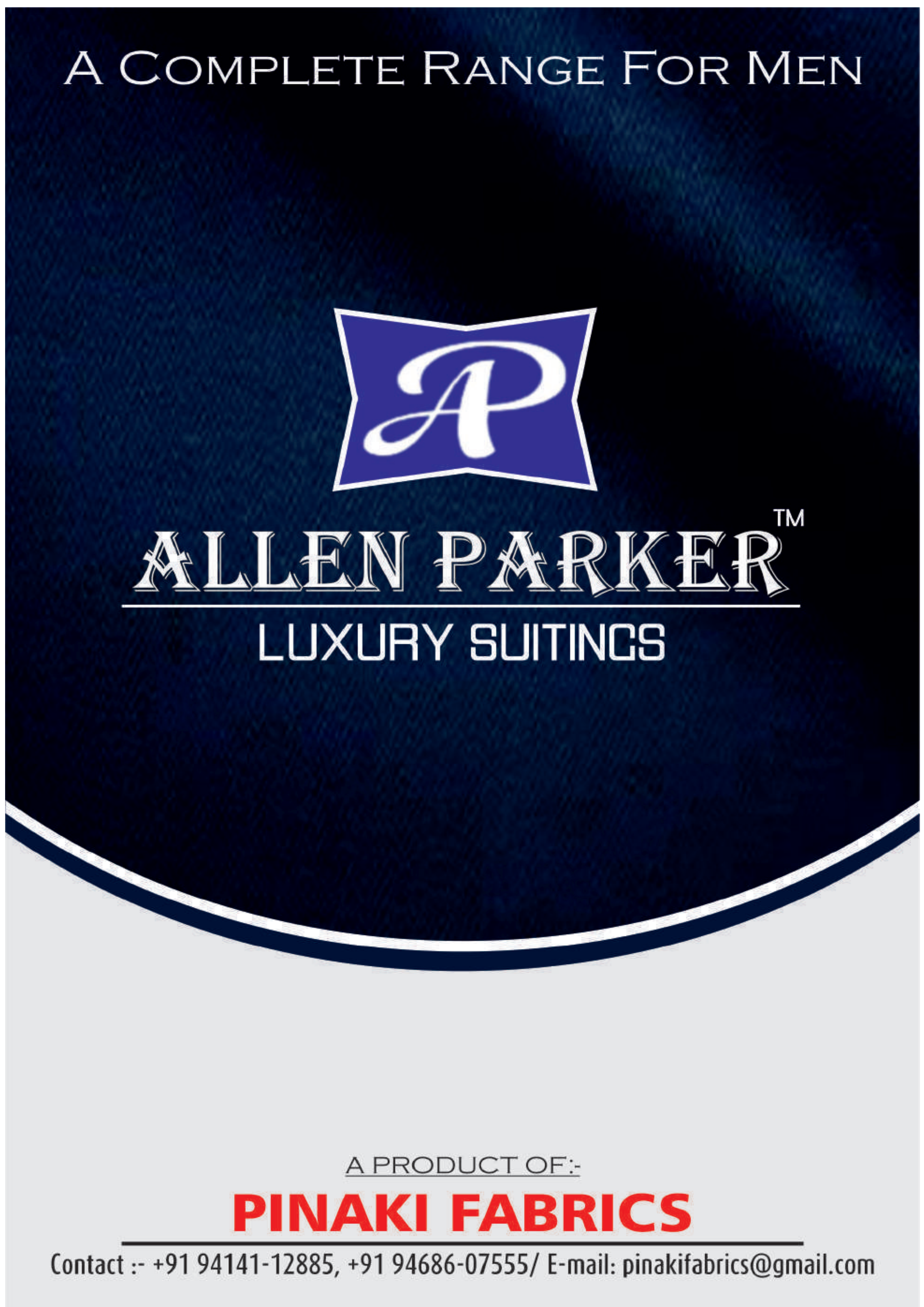

DIGJAM के AW-2025 कलेक्शन को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स

कॉन्फ्रेंस में दिखा रिटेलर्स का उत्साह

मुंबई/ देश का नामचीन और प्रीमियम सूटिंग ब्रांड **'दिग्जाम'** अपने उत्कृष्ट उत्पादन के माध्यम से लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित करने हेतु उत्साहित है। आगामी **'ऑटम विंटर सीजन 2025'** को ध्यान में रखते हुए गोवा के ताज विवांता होटल में 23 से 25 जून तक भव्य रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

दिग्जाम ग्रुप के **सीईओ श्री अजय अग्रवाल** और **मार्केटिंग वाइस प्रेसीडेंट श्री मुकुल अवस्थी** के सानिध्य में आयोजित तीन दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेंस में देशभर के प्रमुख रिटेलर्स और चैनल पार्टनर्स ने शिरकत के साथ ही कंपनी द्वारा प्रदर्शित विशाल प्रीमियम सूटिंग कलेक्शन का अवलोकन कर बुकिंग भी कराई और कंपनी का उत्साहवर्धन किया। कंपनी प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस विशेष अवसर पर व्यापारियों हेतु कई विस्तृत वस्त्र शृंखलाएं प्रदर्शित की गई।

प्रदर्शित वस्त्र शृंखलाएँ

Celestial Collection- अपने प्रीमियम उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए दिग्जाम का यह प्रीमियम पॉलीवूल कलेक्शन सुपर फाइन वूल रिच क्वालिटी प्रदान करता है।

Ashley Tweed - यह कलेक्शन इंपोर्टेड ट्वीड कलेक्शन है जो जैकेटिंग के लिए बेहतरीन विकल्प प्रदान करता है। साथ ही इसमें इटालियन क्राफ्टेड डिजाइन का समावेश इसे बेहद आकर्षित बनाता है।

कुछ और विशेष कलेक्शन जैकेटिंग के लिए सुपर फाइन 100's वूल फ्लैनेल, आकर्षक और विस्तृत कलर रेंज के साथ सुपर फाइन टीआर कलेक्शन, टीआर, पीवी एवं पीडब्ल्यू ब्लेण्डेड के साथ निर्मित 'खाकी कलेक्शन' साथ ही हाई क्वालिटी स्ट्रेच फैब्रिक जो कि टू वे और फोर वे लाइक्रा फैब्रिक की शृंखला आदि विशाल कलेक्शन व्यापारियों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

व्यापारिक फीडबैक

इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में कंपनी नेटवर्क ने व्यापार संवर्धन और आगामी रणनीति पर विचार विमर्श किया और प्रदर्शित कलेक्शन की बारीकियों को साझा किया।

AW-2025 सीजनल कलेक्शन को रिटेलर्स द्वारा अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली और बुकिंग में भी जबरदस्त उछाल देखने को मिला। उपस्थित रिटेलर्स ने नए फैब्रिक कलेक्शन की गुणवत्ता और डिजाइन को उच्च स्तर का बताया। ताज विवांता में मिले कंपनी के उच्चस्तरीय आतिथ्य के लिए व्यापारियों ने कंपनी की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'दिग्जाम' ब्रांड को नए कीर्तिमान स्थापित करने के लक्ष्य हेतु इस सार्थक कदम की प्रशंसा की और आश्वस्त किया कि 'दिग्जाम' की यह नई वस्त्र शृंखला भारतीय फैब्रिक बाजार में एक अलग पहचान कायम करेगी।

भारत ने बांग्लादेश से फ्लेक्स और जूट कपड़ों के भूमि मार्ग से आयात पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली/ भारत सरकार ने बांग्लादेश से आने वाले कुछ अतिरिक्त वस्त्र उत्पादों के आयात पर नियंत्रण और सख्त कर दिया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीनस्थ विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) द्वारा जारी नई अधिसूचना के अनुसार, अब फ्लैक्स (लिनन) यार्न, जूट फाइबर और उनके बुने हुए वस्त्रों (woven fabrics) को भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित किसी भी भूमि बंदरगाह (Land Port) के माध्यम से भारत में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। नई नीति के तहत इन उत्पादों को 'प्रतिबंधित वस्तुओं की सूची' (Restricted List) में शामिल कर दिया गया है। अधिसूचना में बताया गया है कि इन वस्त्र उत्पादों के नौ HSN कोड्स को प्रतिबंधित श्रेणी में डाला गया

है। इन वस्तुओं का भारत में प्रवेश अब केवल मुंबई के न्हावा शेवा समुद्री बंदरगाह (Nhava Sheva Seaport) के माध्यम से ही संभव होगा।

यह निर्णय भारत और बांग्लादेश के बीच वस्त्र व्यापार को एक नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। जानकारों के अनुसार, यह कदम देश के घरेलू उद्योग को सस्ते और भारी मात्रा में आने वाले बांग्लादेशी वस्त्रों से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। खासकर जूट और लिनन जैसे उत्पादों में भारत के पूर्वी राज्यों – विशेष रूप से पश्चिम बंगाल, ओडिशा और असम – का पारंपरिक व व्यापक उत्पादन है, जो बांग्लादेशी आयात से प्रभावित हो रहे थे।

इसके अलावा, सीमा से होने वाले आयातों की निगरानी करना मुश्किल होता है, जिससे अनौपचारिक व्यापार (Informal Trade) और कम शुल्क पर माल प्रवेश जैसी समस्याएं सामने आती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का यह फैसला न केवल घरेलू निर्माताओं को राहत देगा, बल्कि सीमा पर व्यापार नियंत्रण को भी मजबूत करेगा।

हालांकि, इस कदम से दोनों देशों के बीच वस्त्र व्यापार पर असर पड़ सकता है। बांग्लादेशी निर्यातकों को अब अपने माल की ढुलाई के लिए समुद्री मार्ग अपनाना होगा, जिससे उनकी लॉजिस्टिक लागत और डिलिवरी समय दोनों बढ़ सकते हैं।

कुल मिलाकर, यह फैसला भारत सरकार की घरेलू उद्योग को संरक्षण देने की नीति का हिस्सा है, लेकिन इसके दीर्घकालिक प्रभाव द्विपक्षीय व्यापार संबंधों पर भी देखने को मिल सकते हैं।

लुधियाना का वस्त्र उद्योग नवाचार और सरकारी समर्थन पर दे रहा जोर

वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहने की अपील

लुधियाना/ लुधियाना का वस्त्र उद्योग इन दिनों बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और तकनीकी चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में उद्योग जगत ने नवाचार (इनोवेशन) को भविष्य की दिशा और मजबूती का प्रमुख रास्ता बताया है। हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों और व्यापारिक नेताओं ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यदि भारत को वैश्विक वस्त्र बाजार में सम्मानजनक स्थान पाना है, तो नवाचार को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी।

यह कार्यक्रम कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री (CITI) और ITMA के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय उद्योग संगठनों का भी सहयोग रहा। आयोजन का उद्देश्य न केवल मौजूदा चुनौतियों पर चर्चा करना था, बल्कि टेक्सटाइल उद्योग की दीर्घकालिक रणनीति तय करना भी था।

कार्यक्रम में लुधियाना सीमिंग मशीन टेक्नोलॉजी पार्क एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जसबीर सिंह सोखी ने उद्योग की वर्तमान स्थिति को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'हम अब आत्मनिर्भर भारतीय उद्यमी नहीं रहे हैं। हमारे यहां नवाचार की भारी कमी है, जो अब चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुकी है। कभी पंजाब दुनिया में सिलाई मशीन निर्माण का नेतृत्व करता था, लेकिन आज हालत यह है कि चीनी ब्रांड ज़ैक (Zach) ने मात्र दो दशकों में घरेलू बाजार का 75 प्रतिशत हिस्सा कब्जा लिया है।'

सोखी ने यह भी बताया कि लुधियाना के कई उद्यमी अब भी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए ओरिजिनल इक्विपमेंट

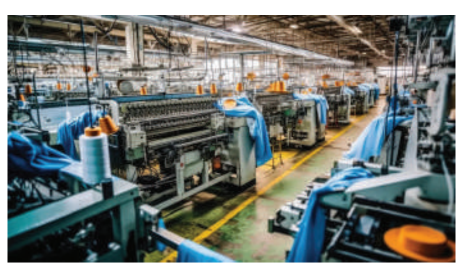

मैन्युफैक्चरर्स (OEM) के रूप में काम कर रहे हैं, लेकिन अपनी खुद की ब्रांड पहचान बनाने में विफल रहे हैं। यह स्थिति न केवल प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का संकेत है, बल्कि देश की तकनीकी आत्मनिर्भरता पर भी सवाल उठाती है।

इस मौके पर उद्योगपतियों ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील की कि वे टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए विशेष नीतिगत समर्थन, वित्तीय प्रोत्साहन, और अनुसंधान एवं विकास (R&D) को बढ़ावा देने की योजनाएं तैयार करें। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार अगर नवाचार को लेकर योजनाबद्ध निवेश और तकनीकी सहयोग प्रदान करे, तो भारत फिर से इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व पा सकता है।

कार्यक्रम के अंत में यह स्पष्ट हुआ कि लुधियाना का वस्त्र उद्योग केवल उत्पादन पर नहीं, बल्कि नवाचार, डिज़ाइन, ब्रांडिंग और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए रणनीतिक सोच पर ज़ोर देना चाहता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर किस तरह से इस दिशा में ठोस कदम उठाते हैं।

अमेरिका और यूरोपीय संघ से चल रही वार्ता गारमेण्ट निर्यात के नए रास्ते खोलेगी -कपड़ा राज्य मंत्री

नई दिल्ली/ राजेश शर्मा

कपड़ा राज्य मंत्री श्री पबित्र मार्गेरिटा का कहना है कि भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ एवं अमेरिका के साथ हमारी चल रही बातचीत विकास के नए रास्ते खोलेगी। कपड़ा राज्य मंत्री ने विगत दिनों 73वें इंडिया इंटरनेशनल गारमेण्ट फेयर के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि ये बाजार उच्च मूल्य वाले हैं और क्वालिटी के प्रति सजग हैं। श्री मार्गेरिटा ने कहा कि सरकार इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारतीय निर्यातकों को सही रणनीति, मानकों और अनुपालन के लिए सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ है और अब यूरोपीय संघ एवं अमेरिका के साथ इस प्रकार के व्यापार समझौतों के लिए बातचीत चल रहीं है। विश्व के कुल गारमेण्ट और टेक्सटाइल बाजार ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ का एक बड़ा हिस्सा है।

अपने उद्घाटन भाषण में श्री मार्गेरिटा ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल गारमेण्ट फेयर (आईआईजीएफ) का 73वां संस्करण एशिया का सबसे बड़ा और सबसे गतिशील परिधान फेयर है। यह फेयर सिर्फ कपड़े और फैशन का प्रदर्शन नहीं है, यह भारतीयों की रचनात्मकता, शिल्प कौशल और आत्मविश्वास का उत्सव है। इस वर्ष 21,000 वर्गमीटर से अधिक के प्रदर्शनी क्षेत्र और उत्तरी अमेरिका, लेटिन अमेरिका, यूरोप, एशिया, ओशिनिया, अफ्रीका और लगभग 80 देशों के खरीददारों की भागीदारी के साथ यूरेशिया-यह संस्करण भारतीय वस्त्रों में बढ़ते वैश्विक विश्वास की पुष्टि करता है।

भारत में विस्कोस और पॉलिएस्टर यार्न की कीमतों में गिरावट

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर की कमजोरी मुख्य कारण

नई दिल्ली/ भारत में टेक्सटाइल उद्योग को प्रभावित करने वाले वैश्विक और घरेलू कारकों के चलते विस्कोस और पॉलिएस्टर यार्न की कीमतों में हाल ही में गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट, अमेरिकी डॉलर की कमजोरी और समुद्री माल भाड़े (फ्रेट कॉस्ट) में कमी के कारण हुई है, जिससे भारत में आयातित यार्न सस्ता हो गया है।

पॉलिएस्टर और विस्कोस यार्न का उत्पादन काफी हद तक कच्चे तेल पर आधारित होता है। जैसे ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल की कीमतें गिरी, भारत में भी इन यार्न की कीमतों में नरमी आई। इसके अतिरिक्त, डॉलर के मुकाबले रुपये की सापेक्ष मजबूती और कम हुआ फ्रेट चार्ज भारत में विदेशी यार्न के आयात को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं।

हालांकि, घरेलू पॉलिएस्टर फाइबर उत्पादकों ने अभी तक कीमतों में किसी प्रकार की कटौती नहीं की है और उन्हें स्थिर बनाए रखा है। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि निर्माता वर्तमान लागत संरचना और संभावित लाभ मार्जिन के आधार पर बाजार में दामों को बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन बाज़ार में मांग की स्थिति कमजोर बनी हुई है, जिससे विक्रेताओं पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

वहीं, विस्कोस यार्न के आयात में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसने घरेलू कीमतों पर और भी दबाव डाला है। आयातित

यार्न के सस्ते विकल्प उपलब्ध होने के कारण स्थानीय विक्रेताओं को भी कीमतें कम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति छोटे और मध्यम स्तर के निर्माताओं के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होती जा रही है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत में कॉटन (कपास) की कीमतों में हाल ही में आई तेजी के बाद अब कुछ स्थिरता देखी जा रही है। यह स्थिरता मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन की ओर इशारा कर सकती है।

कुल मिलाकर, भारत के सिंथेटिक यार्न बाजार में मौजूदा गिरावट कई वैश्विक और घरेलू कारणों का मिश्रण है। जब तक बाजार में मांग में सुधार नहीं आता या लागत संरचना में बड़ा बदलाव नहीं होता, तब तक यार्न की कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

दक्षिण भारत में कपास धागा उद्योग संकट में

शुल्क अनिश्चितता और लागत में बढ़ोतरी ने बढ़ाई चिंताएँ

दिल्ली/ दक्षिण भारत के कपास धागा उद्योग में इन दिनों अस्थिरता का माहौल है। विशेष रूप से तमिलनाडु के तिरुपुर और महाराष्ट्र के मुंबई जैसे प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में स्थिति काफी चिंताजनक बनी हुई है। एक ओर जहां कच्चे कपास की कीमतों में तेजी आ रही है, वहीं दूसरी ओर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता ने बाजार की रफ्तार को काफी हद तक धीमा कर दिया है।

स्पिनिंग मिलें लागत में बढ़ोतरी के चलते सूती धागे के दाम बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन बाजार में खरीदारों का रुझान कमजोर होने के कारण उन्हें अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। मिलों को न केवल उत्पादन लागत का दबाव झेलना पड़ रहा है, बल्कि मांग में गिरावट के कारण बिक्री में भी गिरावट देखी जा रही है।

भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते को लेकर स्पष्टता का अभाव है। जुलाई के बाद संभावित टैरिफ (आयात-निर्यात शुल्क) बढ़ने की अटकलों ने व्यापारियों और खरीदारों दोनों के बीच आशंका का माहौल बना दिया है। कई आयातक और निर्यातक अब किसी भी बड़े सौदे से पहले स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार कर रहे हैं। इस कारण मिलों ने भी अपने डिस्काउंट कम कर दिए हैं, जिससे व्यापारी वर्ग में असंतोष बढ़ा है।

तिरुपुर, जो कि देश का एक बड़ा टेक्सटाइल हब है, वहां धागे की कीमतें फिलहाल स्थिर बनी हुई हैं। लेकिन यह स्थिरता स्थायित्व का संकेत नहीं, बल्कि मांग की कमजोरी का परिणाम है। दूसरी ओर मुंबई जैसे शहरों में बिक्री कमजोर पड़ी है, भले ही वहां दामों में बढ़ोतरी की गई हो। व्यापारी अभी भी ऑर्डर देने से बच रहे हैं और मौजूदा स्टॉक से काम चला रहे हैं।

स्थिति को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि यदि जल्द ही व्यापारिक नीतियों में स्पष्टता नहीं आती, तो दक्षिण भारत का धागा उद्योग और अधिक संकट में पड़ सकता है। न केवल निर्यात, बल्कि घरेलू बाजार की मांग पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ेगा। उद्योग जगत सरकार से शीघ्र हस्तक्षेप और स्थिर नीति की अपेक्षा कर रहा है, ताकि यह संकट और गहरा न हो।

SGS की मेगा कॉन्फ्रेंस यात्रा-2025 कुल्लु-मनाली में प्रारंभ

बिट्टू दी हट्टी द्वारा एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस संपन्न

SGS के लगभग 100 रिटेलर्स ने कराई बुकिंग

अमृतसर/ सूटिंग-शर्टिंग एवं अपेरल ब्राण्ड SGS द्वारा 29 जून 2025 को स्थानीय एजेंट बिट्टू दी हट्टी के तत्वावधान में अमृतसर के एमके होटल पर एक दिवसीय रिटेल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया।

इस दौरान स्थानीय एजेंट श्री राजीव कुमार ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में एसजीएस सिल्क मिल्स प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री किशोर राठी ने दीप प्रज्वलित कर कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया एवं SGS द्वारा आगामी सीजन के लिए नये डवलपमेण्ट की जबरदस्त रेंज पेश की, जिसकी रिटेलर्स द्वारा जमकर बुकिंग कराई गई।

भरोसे की परम्परा
SGS
SUITING • SHIRTING

इस दौरान श्री राठी ने कहा कि SGS हमेशा व्यापारियों के लिए नए डवलपमेण्ट पेश करती रहती है। इस वर्ष कम्पनी द्वारा कुल्लु-मनाली में मेगा कॉन्फ्रेंस यात्रा -2025 कर रही है, जो 8 जुलाई से आरंभ होकर 7 अगस्त 2025 तक चलेगी। इस मेगा कॉन्फ्रेंस से व्यापारियों को नये डवलपमेण्ट अलग-अलग कलर चार्ट में पेश करते हुए कुल्लु-मनाली की वादियों का आनंद भी लेंगे।

CMAI's 81st NGF – Kidswear Edition Concludes Successfully Drawing Over 15K Trade Visitors, Indicating Growing Demand In Segment

Mumbai/ The 81st National Garment Fair (NGF) - Kidswear Edition, organised by the Clothing Manufacturers Association of India (CMAI), marked a landmark occasion dedicating a trade fair exclusively to Kidswear. Held from June 23 to 25, 2025, the fair witnessed overwhelming participation, drawing over 15,000 buyers—including key retailers, distributors, and wholesalers—from across India and 50+ overseas buyers from various countries such as Australia, Bangladesh, Benin, Europa Island, Fiji, Kuwait, Malaysia, Mozambique, Qatar, Saudi Arabia, South Africa, Spain, United Arab Emirates, United Kingdom and USA.

The kidswear edition of the trade show not only reinforced NGF's reputation as the country's largest apparel trade show but also garnered an enormous response from both exhibitors and buyers. The trade show helped attract significantly large bookings, with major orders being secured for the upcoming festive season, highlighting the strong growth momentum in the kidswear segment.

The fair featured about 590 kidswear apparel brands, showcasing their latest collections for the upcoming Autumn/Winter, Festive and Wedding season across an expansive 3.5 lakhs square feet of exhibition space across 3 halls at the Bombay Exhibition Centre, NESCO Complex, Goregaon East, Mumbai.

Witnessing the growth of the Kidswear apparel industry, Santosh Katariya, President of CMAI remarked, "The kidswear segment is emerging as the most dynamic and fastest-growing category within India's apparel industry, projected to grow from US$22 billion (₹1.87 lakh crore) in 2024 to US$34 billion (₹2.89 lakh crore) by 2029—an impressive CAGR of 9%. This robust trajectory is underpinned by rising household incomes, increasing prioritisation of comfort and quality by discerning parents, and the expanding influence of digital access and fashion-forward sensibilities. While the broader apparel market is witnessing some short-term moderation in discretionary spending, kidswear continues to demonstrate remarkable resilience. The category is increasingly driven by functionality, style-consciousness, and aspirational buying—particularly in tier-2 and tier-3 cities. With children's apparel now seen as an extension of lifestyle choices for young families, the segment is poised for sustained long-term growth."

Speaking on the success of the Kidswear Edition at the 81st National Garment Fair, Rohit Munjal, Vice President and Chairman of the Fair Sub-Committee, CMAI, said, "The dedicated Kidswear Edition of the 81st National Garment Fair represents a defining moment—not just for the kidswear segment, but also for how we curate industry platforms in response to evolving market dynamics. Recognising the growing strategic importance of this category, we introduced an exclusive, standalone format to offer sharper visibility and more focused engagement between brands and buyers. I'm delighted to share that this initiative has exceeded expectations. The format enabled buyers to spend meaningful time with exhibitors, resulting in high-quality interactions and encouraging order volumes. The feedback from participants has been overwhelmingly positive. In particular, the strong and rising footfalls—surpassing our projections by Day 2—highlight the clear demand for curated, category-specific trade platforms in today's rapidly maturing apparel ecosystem."

Some of the notable kidswear retail brands that visited the fair included G3+ (1 store), Paridhan (6 stores), Big Shop (2 stores), Kalyan Silks (23 stores), Pinakin Garments (7 stores), Kings Life Style (4 stores), Kasam Selection (24 stores) and Madan Collection (6 stores). Their participation highlighted the fair's significance as a key platform for sourcing the latest trends and innovations in kidswear, while also highlighting the growing interest and investment in this dynamic segment of the apparel market.

Participant at 81st NGF Kidswear Edition - Sandeep Jain, Owner of Suruchi (Indore), expressed, "The weddings in India are all about happiness and meeting family and friends and it is a great opportunity for our kidswear as families are oriented toward traditional weddings, and they go for clothing which suits their tradition and culture."

Rawal Mehta, Owner, My Silk, exhibitor from Surat, said, "Earlier, people used to buy garments according to the festival season. Now that's over, people buy garments as per their requirements. Surat is growing in ready-made, and in particular, lehengas for kids."

Exhibitor from Ludhiana - Varinder Joshi, Business Head of Duke Fashion, said, "Over the past 5–6 years, I have observed tremendous growth in the kidswear market. New trends, fresh fashion styles, and innovative fabrics are constantly being introduced, and the pace of growth is very fast."

Apoorva Khandhar, Owner of Badboys from Ahmedabad commented, "I'm expecting to receive a lot of orders this season, and we're confident in our ability to satisfy our customers. India is growing across all sectors. In the garment market, I believe customers are no longer focused only on price — they're asking for quality and value for money."

Exhibitor from Delhi, Manish Khurana, Owner of Rivaaz, said, "Kidswear is a big market, but what we make depends on how we make the garments. If we make the best of the best in style and quality, people will like it."

Kanji Patel, Managing Director of Tiny Girl from Mumbai, expressed, "This year, festive period is almost a month earlier than usual. As a result, we are anticipating around 15 to 20% growth this season. Last year was fantastic, every category in kidswear saw growth, with a major focus on co-ord sets, so the market outlook is very positive"

Shubham Bagariya, Chief Marketing Officer, Casa Dee Neene from Kolkata, added, "The kidswear market, compared to last year, has been somewhat bittersweet. Some areas have performed very well comparatively. Still, kidswear remains a strong market, and I see the forecast for the next 8 to 10 years, it will be healthy and keep growing."

Following the dedicated Kidswear Edition, the second phase of the 81st National Garment Fair—Men's and Women's Wear Edition—is scheduled from the 14th to 16th of July 2025 at the Bombay Exhibition Centre (NESCO) in Mumbai. Spanning over 15,300 sqm for Men's Wear, 21,200 sqm for Women's Wear, and 680 sqm for Accessories, the Fair will showcase more than 800 menswear and womenswear brands alongside over 40 accessory labels. This expansive event promises a comprehensive, category-focused marketplace that truly represents the scale, diversity, and energy of India's apparel industry.

The upcoming Men's & Women's Wear Edition is scheduled for July at the same venue and will offer seamless access to both shows through a single visitor registration.

7 से 21 जुलाई 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड

BHILWARA PROCESS HOUSE EDITION

कम्पोजिट यूनिट के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के फैब्रिक उत्पादन एवं क्वालिटी फिनिश में सर्वोत्तम बीएसएल लि.

श्री प्रवीण जैन
डायरेक्टर (ऑपरेशन्स)

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मंडी में कपड़ा उत्पादन की नींव रखने वाले एलएनजे ग्रुप टेक्सटाइल सेक्टर में पूर्णतया कम्पोजिट यूनिट है जिसमें स्पिनिंग वीविंग एवं प्रोसेसिंग पूर्णतया मॉडर्न तकनीक के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रॉडक्ट का निर्माण कर रही है। कंपनी घरेलू बाजार के अलावा निर्यात बाजार में महत्वपूर्ण भागीदारी रखती है। कंपनी में समय-समय पर बाजार के बदलते ट्रेंड के मद्देनजर वृहद स्तर पर डवलपमेंट किया जाता रहा है। समूह में अपने फैब्रिक ब्रांड बीएसएल, ज्योफ्रे हेमण्ड्स एवं एलएनजे डेनिम है, जो डोमेस्टिक एवं निर्यात बाजार में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुके हैं।

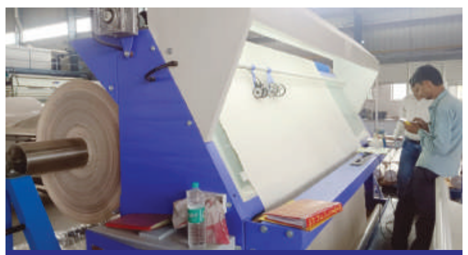

वस्त्र मंडी में पहली बार होम फर्निशिंग के लिये वाइडर विर्थ स्थापित किया गया

BSL LTD. में प्रोसेसिंग डिविजन के जनरल मैनेजर (होम टेक्सटाइल) श्री घनश्याम जगदीश पाण्डे ने बताया कि कम्पनी द्वारा फर्निशिंग सेक्टर में लेटेस्ट तकनीकयुक्त नया प्लांट शुरू किया गया, जो वस्त्र मण्डी में पहला प्लांट है। गौरतलब है कि BSL LTD. मंडपम प्रोसेसिंग डिविजन में भीलवाड़ा वस्त्र मण्डी में पहली बार 3.5 मीटर की विड्थ (चौड़ाई) के प्रोसेसिंग हेतु फिनिशिंग और डाइंग मशीन लगाई गई है। यह डिपार्टमेण्ट होम फर्निशिंग जैसे पर्दे, सोफे और ब्लिंड्स के प्रॉडक्शन के लिए बनाया गया है, जिसकी क्षमता 2.5 लाख मीटर हर माह होगी। मुख्यतः इन कपड़ों की बिक्री Middle East Gulf एवं रशिया, यूएसए में होगी। कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री निवेदन चूड़ीवाल ने भविष्य की जरूरत को देखते हुए इस प्लांट का निर्माण किया है। डायरेक्टर श्री प्रवीण जैन एवं वाइस प्रेसीडेंट (होम टेक्सटाइल) श्री अरूण श्राफ के मार्गदर्शन में प्रॉडक्शन की शुरूआत हो गई है।

इकोलॉजिकल एव वेजिटेरियन पद्धति - बी.एस.एल. कम्पनी द्वारा एक नई तकनीक का अनुसरण करते हुए फैब्रिक उत्पादन में वेगन फैब्रिक का निर्माण शुरु किया है। इस पद्धति में किसी भी जीवित जीव को बिना किसी नुकसान के वस्त्र उत्पादन किया जाता है। इस प्रणाली से कम्पनी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर फैब्रिक निर्माण के लिए वी-लेबल यूरोपियन वेजिटेरियन यूनियन द्वारा वेगन प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। इस तरह से कपड़ा निर्माण करने वाली बी.एस.एल. लिमिटेड पहली भारतीय कम्पनी है, जिसे इस प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है। BSL ने भीलवाड़ा में प्रथम बॉयोवेस्ट ईंधन से चलने वाला बॉयलर / थर्मोपेक लगाया है। इससे जीवाश्म ईंधन की खपत नहीं होती है तथा पर्यावरण भी सुरक्षित बना रहता है।

BSL ने अपनी उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाते हुए कॉटन यार्न उत्पादन का प्लांट स्थापित किया है। प्रारम्भ में 29184 स्पिण्डल से शुरूआत की है। जिससे प्रतिदिन 22 टन यार्न का उत्पादन हो रहा है। प्लांट पूर्णतया आधुनिक एवं स्वचालित तकनीक पर आधारित है।

सोशियल वेलफेयर प्रोग्राम- कम्पनी समय-समय पर सामाजिक कल्याण जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत कर्मचारियों के लिये मेडिकल हेल्थ चेकअप केम्प का आयोजन करती है और ब्लड कैम्प के तहत रक्तदान शिविर लगवाकर मानव कल्याण में अपना योगदान प्रदान करती है। बीएसएल प्रांगण में कौशल विकास केन्द्र स्थापित किया गया जिसके अन्तर्गत श्रमिको को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कम्पनी अपने आसपास ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल भी मुहैया कराती है। बालिका उत्थान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सेनेटरी वेंन्डिंग मशीन भी उपलब्ध कराती है।

प्रोसेस क्षेत्र- स्थानीय वस्त्र मण्डी में समूह की प्रोसेसिंग इकाई बीएसएल प्रोसेस गृह वर्तमान में मॉडर्न तकनीकि से सुसज्जित है, जिसमें राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय मानकों के साथ उम्दा प्रोसेसिंग किया जा रहा है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री प्रवीण जैन ने बताया कि ग्रुप में प्रोसेस डिविजन की शुरुआत 1977 में हुई, तब से निरन्तर इनोवेशन करते हुए वर्तमान में यह इण्टरनेशनल क्वालिटी प्रोसेस गृहों में शामिल है एवं सभी मॉडर्न तकनीकी मशीनें स्थापित हैं। वर्तमान में प्रोसेस हाउस में 6 स्टेण्टर गतिशील हैं। बीएसएल इण्डिया के उन चुनिंदा प्रोसेस गृहों में शामिल है, जहां 100 प्रतिशत वूल व सिल्क कपड़े की प्रोसेसिंग की जाती है।

- यहां प्रोसेस किया हुआ कपड़ा विश्व के लगभग 56 देशों में निर्यात किया जाता है।
- टेक्निकल टेक्सटाइल में कदम रखते हुए आज बीएसएल वाटर एवं स्टेन रिपलेंट, अग्निरोधक, एंटीबैक्टीरियल, एसिड रेजिस्टेण्ट, लाइक्रा, बाई स्ट्रेच लाइक्रा आदि कपड़ों का निर्माण कर लगातार आपूर्ति कर रही है। होम फर्निशिंग की तरफ कदम बढ़ाते हुए बीएसएल आज स्वीडन की एक बहुत बड़ी कम्पनी IKEA के लिए कपड़ा बना रही है। IKEA एक बहुत जानी पहचानी कम्पनी है, जो फर्निचर के लिए जानी जाती है। ऐसे में इसके लिये कपड़ा बनाने के लिए कम्पनी को बहुत सारे कठोर मापदण्डों को पूरा करना पड़ता है। बीएसएल उन सारे कठोर मापदण्डों को पूरा करते हुए इस कम्पनी के लिए कपड़ा बना रही है। लगभग 36 लाख मीटर कपड़ा प्रतिवर्ष इसी कम्पनी के लिए बनाया जा रहा है। IKEA कपड़े की प्रोसेसिंग के लिए कम्पनी द्वारा प्लाण्ट में अलग से प्रोसेस यूनिट 2 स्थापित है, जिसमें केवल इसी का कपड़ा प्रोसेस किया जा रहा है।

आधुनिक प्रयोगशाला- बीएसएल में स्वयं का वस्त्र परीक्षण केन्द्र स्थापित है, जिसमें घरेलू एवं निर्यात होने वाले कपड़े की गुणवत्ता की जाँच अत्याधुनिक मशीनों द्वारा की जाती है।

प्रदूषण नियंत्रण- पर्यावरण सुरक्षा की दृष्टि से आर.ओ. इ.टी.पी. एवं MEE से पानी को ट्रीट किया जाता है तथा ZLD मैंनटेंन किया जा रहा है। विशेष बात यह है कि कम्पनी कपड़े की गुणवत्ता, पर्यावरण सुरक्षा, कर्मचारियों की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य एवं ऊर्जा प्रबंधन के लिये क्रमशः ISO 9001, ISO 14001, ISO 45001, ISO 50001 Oekotex Standard-100 INDITEX, GRS सर्टिफाइड होकर इस क्षेत्र में सारे नियत मापदण्डों को पूरा करने का सामर्थ्य रखती है।

BSL ने अन्तरराष्ट्रीय जरूरतों को पूरा करने के लिए नये सर्टिफिकेट भी लिए है। जैसे ZDHC, FSC, HIGG इत्यादि - ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हमारी सभी उत्पाद निर्माण प्रक्रिया अच्छे पर्यावरण को दूषित नहीं करती है।

शुभलक्ष्मी प्रोसेसर्स

भीलवाड़ा में स्थापित नवीनतम और अत्याधुनिक प्रोसेसिंग प्लांट

भीलवाड़ा/ शुभलक्ष्मी प्रोसेसर्स प्रा. लि. ने टेक्सटाइल नगरी भीलवाड़ा में एक नई ऊँचाई को छूते हुए विशाल और अत्याधुनिक प्रोसेस हाउस स्थापित किया है। यह यूनिट भारत के प्रमुख आर्किटेक्ट्स और टेक्सटाइल विशेषज्ञों द्वारा डिजाइन की गई है और इसका निर्माण हर दृष्टि से वैश्विक गुणवत्ता मानकों के अनुरूप किया गया है। प्रोसेस हाउस की नींव उच्च गुणवत्ता, तकनीकी श्रेष्ठता और श्रेष्ठ फिनिश के विचार के साथ रखी गई है। इसकी स्थापना के पीछे प्रमुख प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं 'शुभलक्ष्मी सिंटेक्स लिमिटेड' के फाउंडर श्री शांतिलाल पानगड़िया, जिन्होंने भीलवाड़ा टेक्सटाइल इंडस्ट्री को प्रीमियम सूटिंग फैब्रिक्स के क्षेत्र में एक नई पहचान दी। उनकी वैश्विक सोच और नवाचार की दूरदर्शिता ने इस अत्याधुनिक प्रोसेस हाउस की नींव रखी।

इस प्रोसेस यूनिट की स्थापना श्री गौरव पानगड़िया द्वारा की गई, जो टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आधुनिक तकनीक और इनोवेशन के पक्षधर हैं। ग्रुप की सूटिंग मैन्युफेक्चरिंग यूनिट शुभलक्ष्मी सिंटेक्स लिमिटेड के अंतर्गत आने वाला SUGAM एवं COLLEZIONI ITALIA ब्राण्ड्स प्रीमियम सूटिंग फैब्रिक के क्षेत्र में मेन्स वियर फैशन के आइकॉनिक नाम बन चुके हैं।

"हम अपने क्लाइंट्स को केवल प्रोसेस ही नहीं, वरन उत्कृष्टता और भरोसे के साथ जुड़ी गुणवत्तायुक्त फिनिश प्रदान करते हैं, जिससे उनके व्यवसाय और ब्राण्ड को नई ऊँचाइयाँ मिलें।'

श्री गौरव पानगड़िया
एम.डी., शुभलक्ष्मी प्रोसेसर्स प्रा. लि.

गुणवत्ता नियंत्रण सुविधा : प्लांट में एक आधुनिक गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला (Quality Lab) स्थापित की गई है, जिसमें प्रत्येक बैच की फिनिश, शेडिंग, स्थायित्व और कंसिस्टेंसी का परीक्षण किया जाता है। यहाँ की गुणवत्ता प्रणाली अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है।

प्रोसेसिंग की विशेषता : शुभलक्ष्मी प्रोसेसर्स प्रा. लि. एक ऐसा टेक्सटाइल प्रोसेस हाउस है, जो पॉली-विस्कोस, पोलीवूल, लाइक्रा, लिनन, बैंबू, एक्सेल आदि ग्रे फैब्रिक पर उच्च स्तरीय प्रोसेस और फिनिश प्रदान करता है। यहाँ आधुनिक Dyeing, Finishing, Teflon Coating, Anti-Microbial Finishing एवं अन्य टेक्निकल फिनिशिंग की जाती है। जिससे फैब्रिक को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के योग्य बनाया जाता है। यहाँ तैयार की गई फिनिश भारतीय ब्राण्ड्स के साथ-साथ एक्सपोर्ट ऑर्डर्स की भी पहली पसंद होती है।

विश्वस्तरीय मशीनरी से लेस प्लांट : प्रोसेस हाउस में प्रयुक्त सभी मशीनें भारत, जर्मनी, इटली जैसे देशों से विशेषज्ञों की निगरानी में चयनित की गई हैं। इससे उत्पादन क्षमता, निरंतरता और गुणवत्ता पर नियंत्रण सटीक रूप से संभव हो पाया है।

पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता : शुभलक्ष्मी प्रोसेसर्स पर्यावरण सुरक्षा को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। प्लांट में अत्याधुनिक Effluent Treatment Plant (ETP) स्थापित किया गया है, जिसमे Zero Liquid Discharge (ZLD) प्रणाली कार्यान्वित है। जल शोधन के लिए जापानी MBR टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है, जो पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक अग्रणी कदम है। कम्पनी ने प्लांट परिसर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण और हरित विकास पर भी विशेष ध्यान दिया है।

ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी : कम्पनी का उद्देश्य केवल प्रोसेसिंग करना नहीं, बल्कि ब्राण्ड्स और मैन्युफेक्चरर्स को ऐसी फिनिश देना है, जो उनके उत्पाद को नई पहचान दिलाए। समयबद्ध डिलिवरी, टिकाऊ गुणवत्ता और प्रोफेशनल अप्रोच ही शुभलक्ष्मी की सबसे बड़ी ताकत है।

उम्दा क्वालिटी की फैब्रिक प्रोसेसिंग के लिए प्रतिबद्ध पूजा स्पिनटेक्स

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र उद्यमियों में श्री सचिन राठी प्रोसेसिंग सेक्टर में अपनी विशेष पहचान स्थापित कर चुके हैं, जो सन् 2002 से कार्य आरम्भ करके निरन्तर सफलतापूर्वक प्रोसेस हाउस का संचालन कर रहे हैं। प्रोसेस गृह में अनुभवी टेक्निकल चीफ श्री धीरेन्द्र कटियार, जो इन टेक्सटाइल IIHT जोधपुर से शिक्षा पूर्ण कर सन् 1996 से इस क्षेत्र से जुड़ते हुए वर्तमान में इस कम्पनी में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

मशीनरी उपक्रम- श्री कटियार ने बताया कि प्रोसेस सभी अत्याधुनिक तकनीकयुक्त मशीनों से परिपूर्ण है जिनमें बायलर, थर्मेक्स एवं वेल्यू एडेड मशीन, सायनर, एस एफ-2 एवं केडी शामिल है। कम्पनी न्यू इनावेशन करते हुए लाफर के साथ CBR, PALMER (पामर) मशीनें स्थापित की गई है।

फैब्रिक प्रोसेसिंग- इसके अन्तर्गत PV, PC लाइक्रा फाइबर डाइड, पॉलिएस्टर, ट्वीड, शत-प्रतिशत कॉटन फिनिश यूनिफॉर्म एवं एक्सपोर्ट क्वालिटी की फैब्रिक में महारत के साथ फिनिश की जा रही है।

कॉर्पोरेट फैब्रिक फिनिश- कम्पनी स्थानीय कार्य के अलावा कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए विभिन्न ब्राण्ड्स की भी प्रोसेसिंग कर रही है।

पर्यावरण सुरक्षा- कम्पनी इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट के साथ पर्यावरण की सुरक्षा के लिए तत्पर है, जिसके लिए आर.ओ. प्लाण्ट स्थापित कर रखा है। इसकी क्षमता लगभग 6 से 8 लाख लीटर तक है। प्रोसेस गृह के आर.ओ. प्लाट में एम.ई. मशीनें लगाई गई हैं, जिसमें शत-प्रतिशत वाटर रिसाइकल हो रहा है और कम्पनी पर्यावरण के सभी मानदण्डों का पालन कर रही है। पर्यावरण संरक्षण हेतु समय-समय पर वृक्षारोपण भी करते हैं।

क्षमता- प्रोसेस ग्रह में पाँच स्टेण्टर कार्य कर रहे हैं जिसकी क्षमता 1.50 लाख मीटर फैब्रिक प्रोसेसिंग प्रति माह की है, जिसमें 40-50 हजार मीटर कॉटन फैब्रिक फिनिश शामिल है।

A Most Modernised Process House
for Quality Processing of
All Type of Your Fabrics

OFFICE & FACTORY : 13 Km. Stone, Village-guwardi
Chittorgarh Highway, Bhilwara-311001 (Raj.)
Ph: 249134, 249185,249186, Fax- 91-1482-249198
E-mail: pujaspintex@gmail.com

क्वालिटी फिनिश फैब्रिक के लिए लेटेस्ट तकनीक की सुविधाओं से संचालित रोनक प्रोसेस प्रा.लि.

भीलवाड़ा/ वस्त्र मण्डी में मॉडर्न तकनीक की सभी सुविधाओं में शामिल 'रोनक प्रोसेस प्रा. लि.' श्रेष्ठ फिनिश एवं सिस्टम की दक्षता के चलते आज क्वालिटी स्टेण्डर्ड के मानकों पर खरा उतरा है। कम्पनी के डायरेक्टर श्री रामजी लाल गुर्जर इस क्षेत्र में अपने कौशल के साथ संचालन कर रहे हैं। कम्पनी में इनके युवा सुपुत्र श्री राजेश गुर्जर (M.D.) जिन्होंने केमिकल इन्जिनियरिंग में शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात अपनी कम्पनी में क्वालिटी कंट्रोल में सम्पूर्ण कार्यभार देख रहे हैं।

तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर- श्री रामजी लाल ने बताया कि प्रोसेस हाउस में आज की आवश्यकता के अनुसार कई इनोवेशंस किए गये हैं, जिसमें लेटेस्ट तकनीक की मशीनें स्थापित की गई तथा प्लांट में 5 स्टेण्टर कार्य कर रहे हैं, जो Inspiron Montex एवं हरीश कम्पनी के स्थापित है। प्रोसेस गृह की उत्पादन क्षमता लगभग 42 लाख मीटर फैब्रिक फिनिश की है। प्लाण्ट में स्थापित मशीन्स में सायनर एवं कलेण्डर 5 तक किए गए हैं। श्री गुर्जर ने बताया कि उच्च क्वालिटी की फैब्रिक फिनिश हेतु New Washing Range A New Beila K. D. Jaguar जो (बियला इटली) से इम्पोर्ट किए गये हैं। इसी तरह उच्च तकनीक के जिगर्स भी स्थापित किए गए एवं फिनिश व डाइंग हेतु नवीनतम तकनीक की मशीनें कलेण्डर, साइनर, कॉम्फीट, जीरो-जीरो, सुपर फिनिश मशीन द्वारा उम्दा क्वालिटी की प्रोसेसिंग के लिए हम प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

वैल्यूएडेड क्वालिटियां- कम्पनी वैल्यूएडेड क्वालिटी फैब्रिक में विभिन्न रेंजो की बेहतर फिनिश कर रहीं है, जिसमें PV Lycra , Cotlook Lycra, Teflon Finish, Anti Microbial, Moisture Management Finish इत्यादि शामिल है।

विपणन- कम्पनी स्थानीय मण्डी के अलावा मुम्बई, दिल्ली, बुरहानपुर एवं जो कपड़ा बालोतरा प्रोसेसिंग के लिए जा रहा है, उसके लिए भी क्वालिटी फिनिश प्रदान की जा रही है। प्लाण्ट में सभी अनुभवी प्रशिक्षित इंजीनियर्स एवं कर्मचारी सेवाएं दे रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण- कम्पनी प्रोसेस संचालन के तहत पर्यावरण प्रदूषण के सभी मानदण्डों का पूर्णतया पालन करती है। इसके लिए जीरों लिक्विड डिस्चार्ज (ZLD) के लिए विशेष मशीन लगायी गई है। इस सन्दर्भ में क्षमता विस्तार करते हुए ई. टी. पी. प्लाण्ट को 700 KLD का एवं न्यू R.O. और स्थापित किया गया है। विदित है कि 500 KLD का R.O. पहले ही स्थापित है। कम्पनी जीरों डिस्चार्ज में विश्वास रखती है और औद्योगिक संचालन के साथ पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति भी विभागीय नियमों का पालन करती है।

RONAK
PROCESSORS PVT. LTD.

RAMJI LAL GURJAR
(DIRECTOR)
+91 90018 95190

RAJESH GURJAR (M.D.)
+91 95356 82077

Equipped With Latest
Technology Machineries
For Processing Of
All Types Of Fabrics

G-138-143, 4th Phase, Riico Industiral Area, BHILWARA
Ph.: 01482-260524, 25, 27, 28, FAX: 01482-260129
E-mail: ronakprocessorspvtltd@gmail.com

टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र में विशेष डवलपमेण्ट साँईलीला प्रोसेस डिविजन

भीलवाड़ा / स्थानीय वस्त्र मण्डी में सूटिंग उत्पादन की महत्त्वपूर्ण कम्पनी 'साँईलीला सिंथेटिक्स प्रा.लि.' जालान सूटिंग का ग्रे फैब्रिक निर्माण एवं फिनिश आपूर्ति में वृहद स्तर पर जाना जाता है। जाने माने उद्योगपति श्री नन्दलाल जालान इस क्षेत्र में काफी अनुभव रखते हैं एवं स्वयं का प्रोसेस गृह भी संचालन कर रहे हैं, जो साँईलीला प्रोसेस डिवीजन नाम से संचालित है। प्रोसेस ग्रह के प्रबन्ध कार्य में इनके ज्येष्ठ पुत्र श्री नवीन जालान अपने अनुभव एवं कार्यकौशल से कार्यभार देख रहे हैं।

प्रोसेस प्रबन्धन- प्रोसेस गृह के प्रबन्ध क्षेत्र में महती भूमिका निभा रहे श्री प्रभात नेनावटी पिछले 29 वर्षों से इसी क्षेत्र में लम्बा अनुभव रखते हुए पिछले कई वर्षों से साँईलीला प्रोसेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

टेक्निकल प्रमुख- प्रोसेस गृह में अनुभवी टीएम श्री हरिकुमार इस क्षेत्र में 35 वर्षों से कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। श्री कुमार ने टेक्सटाइल में डिप्लोमा पूर्ण करने के पश्चात् इस क्षेत्र में कार्य की शुरूआत की और बड़े ब्राण्ड्स में भी कार्य कर चुके हैं।

Saileela

प्रोसेसिंग क्षमता- श्री हरिकुमार ने बताया कि कम्पनी में 5 स्टेण्टर स्थापित हैं, जिनको अपग्रेड किया गया व लेटेस्ट तकनीक के साथ उत्पादन कर रहे हैं। यह कुल 35 लाख मीटर मासिक क्षमता के साथ गतिशील है।

प्रदूषण नियन्त्रण- कम्पनी मैनेजमेंट इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि इण्डस्ट्री के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन भी बना रहे, जिसके लिए प्रोसेस गृह में इटीपी, आरओ एवं एमई मशीनें स्थापित होने के मद्देनजर 0 डिस्चार्ज पूर्णतया मेंटेन है। प्लाण्ट की परिधि में सघन वन बनाया गया है, जो कि जापानी पद्धति पर आधारित है एवं कम्पनी सतत रूप से वृक्षारोपण अभियान चलाती है। कम्पनी सोशियल वेलफेयर कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लडकेम्प भी आयोजित करती है, जिसमें कम्पनी के सभी स्टाफ का बेहतर सहयोग रहता है।

SUZUKI® SUITINGS • SHIRTING

लेटेस्ट मशीनरी- प्रोसेस गृह में सभी मशीनें मॉडर्न तकनीक की स्थापित हैं, जिसमें केडी, एसएफ, कलेण्डर, साइनर, मर्सराइजर,लाफर एवं पामर इत्यादी शामिल हैं और खाते की सभी मशीनों को पूर्णतया अपग्रेड किया गया है। फैब्रिक प्रोसेसिंग में फैंसी, पीवी, कॉटन, लिनन, फर्निशिंग एवं टेफलोन इत्यादि में क्वालिटी प्रोसेसिंग की जा रहीं है। यूनिफॉर्म फैब्रिक में सभी कलर डिजाइन के साथ फाइबर डाईड में काफी महारत रखते हैं। प्रोसेस गृह में निर्यात बाजार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रोसेसिंग के लिए भी माल फिनिश किया जा रहा है एवं कॉटन फैब्रिक फिनिश में क्षमता वृद्धि की गई है।

विशेष डवलपमेण्ट- कम्पनी में टेक्निकल टेक्सटाइल में बेहतर क्रिएशन किया गया है, जिसमें रेजिस्टेंट (फायर प्रूफ) वाटर प्रूफ एवं डिफेंस सेक्टर के लिए फैब्रिक प्रोसेसिंग की जा रही है एवं फर्निशिंग व शर्टिंग प्रोसेसिंग भी की जा रही है।

एन्टीस्टेरिक- बिजली सुरक्षा फैब्रिक (अवरोधित) एवं न्यू इण्डस्ट्री एवं एण्टीवायरस फैब्रिक के साथ ही फैंसी, लाइक्रा, कॉटन एवं यूनिफॉर्म सेक्टर में उम्दा क्वालिटी में प्रोसेसिंग की जा रही है।

HEAD OFFICE: Shop No. 201, 2nd Floor, Manak Moti Complex, Pur Road Bhilwara-311001, Tel.: 01482-248808 Email: saileela@gmail.com

REG. OFFICE: Village Gudda, P.O. Mandal- 311403 Dist.: Bhilwara (Raj.) Mob. No. 9352148228, Email: saileela.process@gmail.com

आधुनिक तकनीक से युक्त सर्वश्रेष्ठ क्वालिटी एवं फिनिश प्रदाता प्रोसेस हाउस

A division of Murarka Suiting Pvt. Ltd.

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मण्डी की ख्यातनाम सूटिंग निर्माता कम्पनी मुरारका देश एवं विदेश में अपना महत्त्वपूर्ण स्थान बना चुकी है। कम्पनी स्वयं का प्रोसेस गृह A division of Murarka Suiting नाम से संचालन कर रही है, जो सभी मॉडर्न तकनीकयुक्त है। प्रोसेस हाउस के डायरेक्टर श्री संजय मुरारका ने जानकारी देते हुए बताया कि, प्लाण्ट पूर्णतया अत्याधुनिक मशीनरी से सुसज्जित है एवं कम्पनी इस बात के लिये प्रतिबद्ध है कि उपभोक्ता को क्वालिटी फिनिश ही प्रदान करे। प्रोसेस हाउस में प्रशिक्षित तकनीकि इंजीनियर एवं कुशल कारीगर सेवाएं दे रहे हैं। प्रोसेस हाउस के टेक्निकल चीफ श्री राजेश श्रोत्रिय अपने विशद अनुभव से बेहतर कार्य कर रहे हैं।

उत्पादन

प्रोसेस गृह में 5 स्टेण्टर स्थापित हैं, जिसके अन्तर्गत लगभग 35 लाख मीटर फैब्रिक प्रतिमाह प्रोसेसिंग की जा रही है। प्रोसेसगृह में सूटिंग फैब्रिक की विभिन्न तरह की क्वालिटियों में पीवी, लाइक्रा, कॉटन फैब्रिक, फैंसी, उम्दा क्वालिटी की टीआर फैब्रिक, इटालियन टीआर, इम्पोर्टेड टीआर, इम्पोर्टेड फैब्रिक की फिनिशिंग के अलावा कर्टेन क्लॉथ, आर्मी बेस फैब्रिक एवं कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए भी प्रोसेसिंग की जा रही है।

तकनीकी विवरण

प्रोसेस गृह में स्थापित सभी तरह की मशीनरी मॉडर्न तकनीक की हैं, जिसमें लेटेस्ट मशीनों में न्यू के डी, सीबीआर, लॉफर, सुपर फिनिश, इम्पोर्टेड साइनर, मर्सराइजर, कन्टूनिश वाशर इत्यादि शामिल हैं।

कॉटन डवलपमेण्ट

कम्पनी कॉटन फैब्रिक प्रोसेसिंग के लिए ही न्यू डाईंग Padder एवं न्यू CBR लेटेस्ट टेक्नोलॉजी की मशीनरी स्थापित की गई है और कॉटन सेक्टर में न्यू इनोवेशन के तहत पामर (PALMER) मशीन और लगाई गई जिसमें बेहतर फिनिश के साथ प्लाण्ट एडवान्स तकनीक से परिपूर्ण हो सके।

पर्यावरण प्रबंधन

कम्पनी पर्यावरण सुरक्षा के मद्देनजर सभी मानदण्डों की पालना करती है। रासायनिक पानी के उपचार हेतु ETPTP Plant स्थापित कर रखा है एवं ME, R.O. कार्यरत है। प्रोसेस गृह की बाउण्ड्री में पेड़-पौधे लगा रखे हैं एवं हर साल पेड़ लगाये जाते हैं। कम्पनी द्वारा पिछले वर्ष में ETP को काफी उच्च स्तर पर अपग्रेड किया गया है।

WORKS:- Post Box No.69, Plot No. A-44-45-46-46A-57-57A-58-59 RIICO GROWTH CENTER CHITTORGARH ROAD, HAMIRGARH, BHILWARA-311001 (Raj.), MOB: 098297-91290

देश की टॉप सूटिंग उत्पादन कम्पनियों में शामिल होने के साथ ही प्रोसेस गृह का कुशल संचालन

श्री सांवरियाजी टेक्स फैब इण्डस्ट्रीज लि.

भीलवाड़ा/ देश की सूटिंग उत्पादन में टॉप ब्राण्ड में शीर्ष स्तर शामिल कम्पनी 'सांवरियाजी टेक्स फैब' अपने प्रमुख ब्राण्ड SRS नाम से से उच्च क्वालिटी की सूटिंग फैब्रिक उत्पादन में विख्यात है। कम्पनी द्वारा पिछले कुछ वर्षो पूर्व प्रोसेस गृह टीपीएल का अधिग्रहण करने के बाद इसे श्री सॉंवरियाजी टेक्स फैब इण्डस्ट्रीज नाम से संचालित करते हुए प्लाण्ट में व्यापक परिवर्तन कर चुके हैं, जिसमें लेटेस्ट तकनीक की मशीनरी स्थापित की गई है।

प्रबन्ध कार्य - कम्पनी के डायरेक्टर श्री अनिल कन्दोई के नेतृत्व में इसका कुशल संचालन किया जा रहा है एवं प्रोसेस गृह को पूर्ण रूप से मॉडर्न तकनीक से सुसज्जित किया गया है। टेक्निकल चीफ श्री अशोक सिंह ने प्लाण्ट की जानकारी देते हुए बताया कि प्रोसेस गृह में उम्दा प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक मशीनरी में उच्च तकनीक का समावेश किया जा चुका है। वर्तमान में 4 स्टेण्टर से संचालित प्लाण्ट में फाइबर डाईड व टीआर के साथ पीसडाईड में पीवी, केटोयनिक डाईड इत्यादि में क्वालिटी फिनिश की जा रही है। गौरतलब है कि T M श्री अशोक सिंह सन् 1998 से कार्य कर रहे हैं और इनकी शिक्षा B.Sc., VJTI मुम्बई एवं फैब्रिक डिजाइनिंग, प्रोसेसिंग, ओब्जीलरी (केमिकल्स) में सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

कॉटन प्रोसेसिंग- कम्पनी द्वारा कॉटन फैब्रिक के लिए अलग से सिस्टम स्थापित किया गया है, जिसमें मर्सराइजर, डिसाइजर, Maxi रोलिंग, ब्लीचिंग एवं ऑल काइण्ड उपयोगी मशीनरी स्थापित की गई है, जिसमें कॉटन फैब्रिक प्रोसेसिंग में बेहतर कार्य हो रहा है।

तकनीकी विवरण- श्री सिंह ने बताया कि प्लाण्ट में सभी मशीनरी आधुनिक तकनीकयुक्त स्थापित की गई है, जिसमें Biya La, K.D. कलेण्डर, मर्सराइजर, साइनर, कॉम्फिट, पामर (PALMER) एवं सुपर फिनिश शामिल हैं।

विशेष डवलपमेण्ट- कम्पनी द्वारा एंटीफिलिंग, फायर प्रुफ, मेडिकल क्षेत्र, यूनिफॉर्म सेगमेण्ट एवं एन्टीबेक्टिरियल फैब्रिक के लिए विशेष प्रोसेसिंग की जा रही है एवं वाटर रिफलेन्ट, मोइश्चाइज मैनेजमेण्ट का न्यू डवलपमेण्ट किया गया। गौरतलब है कि निर्यात बाजारों में एण्टीबेक्टिरियल फैब्रिक डिमाण्ड से खरीदी जाती है। कम्पनी स्थानीय फैब्रिक के अलावा कॉर्पोरेट सेक्टर का कपड़ा भी प्रोसेसिंग कर रहीं है।

पर्यावरण संरक्षण- इस क्षेत्र में कम्पनी प्रदूषण नियंत्रण के सभी मानदण्डों का पालन करती है, जिसके लिए सभी आवश्यक कार्य प्रणाली स्थापित है। कम्पनी क्वालिटी मेण्टेन में विश्वास रखती है।

A Process House Having Most Modern Technology

SHRI SAWARIYA JI TEX FAB INDUSTRIES LIMITED
REGD. OFFICE & MILLS: 11/12th KM, Chittor Road, Guwardi, P.O. HAMIRGARH-311025 Dist. Bhilwara
Phone: 01482-249086 | Email: tplbhilwara@gmail.com, tpl.industries@rediffmail.com

एडवांस तकनीक से सुसज्जित रंजन पॉलिएस्टर लिमिटेड

पीवी, लाइक्रा, यूनिफॉर्म एवं TR फैब्रिक फिनिश के लिए प्रतिष्ठित

अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जितः

प्रोसेस गृह के टेक्निकल मैनेजर ने बताया कि आज हमारे प्रोसेस गृह में अत्याधुनिक मोटेक्स कम्पनी के 5 स्टेण्टर, लेटेस्ट फॉर्मूला-वन, केडी, जेडाइंग, Osthoff singeing मशीनें स्थापित की हुई है जो आज के समय कपड़े की क्वालिटी के लिए अति आवश्यक है, यह सभी मशीनरी हमारे प्रोसेस गृह में काफी समय से लगी हुई है। जिससे फैब्रिक की गुणवत्ता एवं क्वालिटी हमे शानदार मिलती है इसी का परिणाम है कि आज हमारे पास अनेक कारपोरेट मिलों का फैब्रिक फिनिश होने के लिये निरन्तर आ रहा है।

पर्यावरण पर विशेष फोकसः

प्रोसेस गृह में पर्यावरण पर विशेष ध्यान देते हुए वृक्षारोपण के कार्य निरन्तर किये जाते है। इसके लिए विशेष टीम निरन्तर कार्य करती है, साथ ही दूषित पानी को शुद्ध करने के लिये एडवांस तकनीक के ETP प्लाण्ट एवं RO स्थापित कर रहे है। जिससे लगभग 90 प्रतिशत पानी वापस काम में लिया जा रहा है।

भीलवाड़ा/ अत्याधुनिक मशीनों से सुसज्जित रंजन पॉलिएस्टर लिमिटेड द्वारा हमेशा उच्च गुणवत्तापूर्ण फिनिश फैब्रिक पर अपना ध्यान देते हुए आज अनेक कॉर्पोरेट मिलों को फैब्रिक सप्लाई करने में अग्रणी है। पीवी, लाइक्रा, TR एवं यूनिफॉर्म फैब्रिक की फिनिश में सिद्धहस्त इस प्रोसेस गृह के अंतर्गत प्रशिक्षित कारीगरों एवं कुशल इंजीनियर अपनी सेवाएं निरंतर दे रहे हैं। हमेशा टीम वर्क के साथ आगे बढ़ने की भावना पर कार्य करते हुए कम्पनी के डायरेक्टर श्री मोहित भिमसरिया एवं श्री साकेत पारीक ने बताया कि हमारे प्रोसेस गृह में प्रतिमाह लगभग 32 लाख मीटर फैब्रिक फिनिश किया जाता है।

एडवांस टेक्नोलॉजीयुक्त प्रोसेसिंग मशीनों से सुसज्जित इस प्रोसेस गृह में सूटिंग फैब्रिक में लगभग सभी वैरायटीज की प्रोसेसिंग एवं फिनिशिंग की जा रही है। मुख्य रूप से भीलवाड़ा, अहमदाबाद एवं मुम्बई सहित अनेक टेक्सटाइल मण्डियों के सूटिंग उत्पादाकों के लिए क्वालिटी विशेष की प्रोसेसिंग के लिए यह प्रोसेस हाउस श्रेष्ठ विकल्प के तौर पर पसंद किया जाता है। इसी का परिणाम है कि प्रोसेस गृह के टेक्नीकल मैनेजर श्री मयंक हरलालका 18 वर्षों से अपनी सेवाएं देते हुए इस प्रोसेस गृह को निरंतर ऊँचाइयों पर ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वे हर दिन कुछ नया करते हुए अपने द्वारा फिनिश उत्पादों में निखार लाने का प्रयास करते रहते हैं। इसी की बदौलत यह प्रोसेस गृह भारत की तमाम मण्डियों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल हुआ है।

BHIMSARIYA

Ranjan Polysters Ltd.

PLANT & REGD. OFF.:
11-12 K.M. Stone, Chittorgarh Road, Village- Guwardi, Bhilwara-311 001
Ph.: 01482-297132 | Email: ranjanpoly@gmail.com

गुणवतायुक्त फिनिश के लिए जाना पहचाना नाम सल्जर प्रोसेस

अनेक कॉर्पोरेट मिलों का फैब्रिक हो रहा फिनिश

भीलवाड़ा/ नित नये इनोवेशन के लिए सल्जर प्रोसेस जाना पहचाना नाम है, क्योंकि प्रोसेस गृह की सम्पूर्ण टीम हर समय बेहतरीन फिनिश के लिए प्रतिबद्ध रही है। हर वर्ष प्रोसेस गृह में अत्याधुनिक मशीनों का समावेश करते हुए अनेक कॉर्पोरेट मिलों का फैब्रिक बड़े पैमाने पर फिनिश करते आ रहे हैं। प्रोसेस गृह के प्रमोटर डायरेक्टर श्री गिरीश गुप्ता ने बताया कि हम हमेशा बेहतर फिनिश देने हेतु तत्पर रहे हैं और इसके लिए हमेशा कुछ न कुछ नया इनोवेशन करते रहते हैं।

प्रोसेस गृह के टेक्निकल मैनेजर श्री एम एम काजी एवं श्री निरंज गगंवार जो लगभग 20 से 25 वर्षों से प्रोसेस हाउस के गहरे अनुभव को काम में लेते हुए सल्जर प्रोसेस में अपनी सेवाओं को निरंतर रखते हुए नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे है। उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रोसेस गृह में अनेक नयी अत्याधुनिक मशीनों का समावेश किया गया है, जो बेहतरीन फिनिश हेतु उपयोगी है।

बेहतरीन मशीनों से सुसज्जित- हमारे प्रोसेस गृह में कुल 5 स्टेण्टर स्थापित हैं, जो जर्मनी की मोनटेक्स कम्पनी के है तथा 2 साइनर के साथ 19 न्यू जे डाइंग मशीनें स्थापित की गयी एवं इटली की अत्याधुनिक टीएमटी मशीन एवं 3 KD की स्थापना की गयी है, जो बेहतर एवं क्वालिटी फिनिश के लिए विख्यात है।

प्रोसेस गृह की विशेषता- श्री गुप्ता ने बताया कि अत्याधुनिक मशीनों से लबरेज हमारे प्रोसेस गृह में फाइबर डाइड, पीस डाइड, फैंसी 2/40, 2/50, कोटलुक, लाइक्रा, सालसा की सभी क्वालिटियों की बेहतर फिनिश की जा रही है। इसी का परिणाम है कि आज स्थानीय वस्त्र मण्डी के अलावा मुम्बई के लगभग सभी कॉर्पोरेट ग्रुप द्वारा कपड़ा फिनिश कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हमारे द्वारा हर वर्ष नवाचार पर फोकस किया जाता है। प्रोसेस गृह की टेक्निकल टीम द्वारा इस पर निरंतर फोकस किया जा रहा है।

पर्यावरण मापदण्ड- श्री गुप्ता ने बताया कि प्रोसेसिंग प्रक्रियाओं में सुधार और पर्यावरण शुद्धि के लिए 5 आर.ओ. लगे हुए हैं। पानी के शुद्धिकरण के लिए एमई मशीन भी लगाई है, जो 80 प्रतिशत पानी को शुद्ध करके उपयोगी बनाती है। साथ ही 5 आर.ओ. लगाने से करीब 93 प्रतिशत पानी वापस काम में लिया जा रहा है। इसके अलावा प्रोसेस गृह के आसपास सघन वृक्षावली स्थापित है, जो पर्यावरण को दूषित होने से बचाती है।

नया इनोवेशन- इस दौरान टेक्निकल टीम ने बताया बहुत जल्दी प्रोसेस गृह में नया शेड तैयार किया जा रहा है, जो बहुत अच्छे व नये स्वरूप में देखने को मिलेगा। इसके लिए 2 TMT, CBR, 1KD, पेसेफिक, 2 जेड डाइंग मशीने और स्थापित करने जा रहे, जिससे प्रोसेस गृह की फिनिश क्षमता मे बढ़ोतरी होगी और मिलों को और जल्दी फैब्रिक मिलने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि प्रोसेस गृह की डायरेक्टर टीम हमेशा से ही नित इनोवेशन में अग्रणी रहे हैं और वे फैब्रिक की फिनिश पर विशेष ध्यान देते आये हैं। इसी का परिणाम है कि आज प्रोसेस गृह द्वारा अनेक कॉर्पोरेट मिलो को फिनिश फैब्रिक सप्लाई कर रही है।

SULZER PROCESSORS PVT. LTD. MANDAL

SULZER PROCESSORS PRIVATE LIMITED

Developing Technical Textiles
For High Quality Standard
Equiped With All Latest Finishing M/c

AN ISO-9001-2008 ISO-14001-2004 Certified Company

Office & Work: Opp. Railway Station, MANDAL, Dist. BHILWARA - 311 001 (Raj.)
Ph.: 01486- 266211, 266174, E-mail: sulzerprocess@gmail.com

मॉडर्न एवं लेटेस्ट तकनीक से युक्त शीर्ष प्रोसेस गृह जानकी कॉर्प लि.

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में मॉडर्न तकनीक से गतिशील जानकी कॉर्प देश के शीर्ष प्रोसेस गृहों में शुमार होता है। गौरतलब है कि सन् 1994 में फाउंडर एवं चेयरमैन श्री रघुनाथ मित्तल द्वारा इसकी स्थापना की गई थी, तब से प्रोसेसिंग क्षेत्र में कई आयाम स्थापित किए और विशेष बात यह रही कि कई वर्षों तक अधिकतर स्टेण्टर के साथ उम्दा क्वालिटी फैब्रिक प्रोसेसिंग में अव्वल रहा, जब एशिया में जानकी कॉर्प (प्रोसेस) ही अधिकतम स्टेण्टर के साथ फैब्रिक फिनिश में विख्यात था। वर्तमान में भी सभी तरह की लेटेस्ट तकनीक के साथ उच्च उत्पादन क्षमता में शीर्ष प्रोसेस गृहों में शुमार होता है।

टेक्निकल स्वरूप- कम्पनी पूर्णतया लेटेस्ट तकनीकयुक्त मशीनरी से परिपूर्ण है। 7 स्टेण्टर के साथ1.85 लाख मीटर प्रतिदिन उत्पादन हो रहा है एवं क्षमता के लिहाज से 48 लाख मीटर प्रतिमाह है। फैब्रिक क्रमशः पॉलिएस्टर, पीवी, फाइबर डाइड एवं कॉटन मिलाकर 25 प्रतिशत के अनुपात में सभी सेगमेंट में फिनिश हो रहा है। प्रोसेस यूनिफॉर्म फैब्रिक की क्वालिटी फिनिश में भी विशेष रूप से उम्दा क्वालिटी एवं कलर रेंजो में उपभोक्ता की अच्छी सर्विस प्रदान करता है। स्थानीय मण्डी के अलावा बाहर से कई ब्राण्ड्स एवं कॉर्पोरेट सेक्टर से माल फिनिश के लिए आ रहा है। गौरतलब है कि स्टेण्टर बढ़ने के बाद 20 प्रतिशत तक की क्षमता बढ़ चुकी है। कम्पनी प्रबंधन -प्रोसेस गृह के चेयरमैन श्री रघुनाथ मित्तल, इनके युवा सुपुत्र श्री राहुल मित्तल (MD) एवं श्री रोहित मित्तल (MD) अपने अनुभव से प्रोसेस गृह को बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

टेक्निकल एक्सपर्ट- प्रोसेस गृह के चीफ इंजीनियर श्री अजॉय सिन्हा एवं टेक्निकल टीएम श्री राजीव रंजन के अनुभव एवं कुशल नेतृत्व से प्रोसेस गृह को जिम्मेदारीपूर्वक संचालन किया जा रहा है।

वित्तीय प्रबंधन- कम्पनी में श्री मधुसूदन शर्मा फाइनेंस कमर्शियल में अपनी जिम्मेदारी निर्वहन कर रहे हैं।

कम्पनी में कॉटन प्रोसेसिंग की गुणवत्ता के लिए न्यू सीबीआर वॉशिंग रेंज स्थापित की जा चुकी है। इसके अलावा कम्पनी मर्सराइजर भी स्थापित कर रही है, जिसकी शीघ्र ही क्रियान्विती होगी।

पर्यावरण संरक्षण- कम्पनी औद्योगिक संचालन के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा के प्रत्येक मानदंडों का पालन करती है, जिसके तहत लेटेस्ट तकनीकयुक्त ईटीपी-आरओ एवं एमई मशीनें स्थापित हैं, जो जीरो डिस्चार्ज के प्रति कटिबद्ध है। प्लांट की खाली भूमि पर पेड़ लगाए गए हैं एवं समय-समय पर सालाना पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर हरितपट्टिका बनाई जा रही है। एयर पॉल्युशन को भी शत-प्रतिशत नियंत्रण के लिए हवा में जाने वाले कणों को अवशोषित करने के लिए उपकरण भी स्थापित किए गए हैं।

JCL JANKI CORP LIMITED

It's New Sensation
In Fabric Processing At Your Service
You Deserve The Best Reputation
The Best Quality of Fabric
Now Available to you

JANKI CORP LIMITED

Post Box No. 40, Mandpiya Choraha, Chittor Road
BHILWARA - 311 001, RAJASTHAN
Ph. : 01482-249010, E-mail : jankicorp@yahoo.co.in
Website: www.jankicorp.com

The DYEFAB Manufacturing in Textile Processing Machine

DIRECTOR
Mr. Mahavir Singh Rathore

G.M.
Mr. Devashish Bajpai

Marketing Sales in:-
Bhilwara, Balotra, Gorakhpur, Panchkula-Haryana, Gujarat, Rajasthan, M.P., Maharastra.

DYEFAB PRESSURE TECHNOLOGY INDIA PVT. LTD.

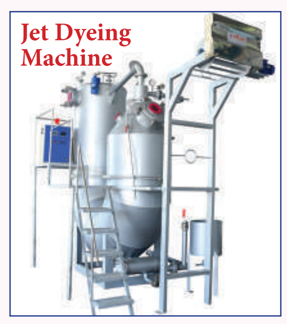

Since 22 Years

Machinery Manufactured Mainly Textile Processing Industry-
- Jet dyeing machine
- Decatising machine
- Plc based fully automatic S.S. Jigger machine

JET DYING MACHINE
Latest upgrade technology in jet dyeing machine specially for hazardous chemical complete machine in S.S. 316L grade & maximum fabric speed. Various type of saving & long life in machine. Compare to old model.

DECATISING MACHINE
Latest Upgraded Technology in DECATISING MACHINE GEAR BOX SYSTEM Various types of saving in machine compared to old model.
1 PROVIDE DRY STEAM
2 STEAM SAVING | 3 AIR SAVING

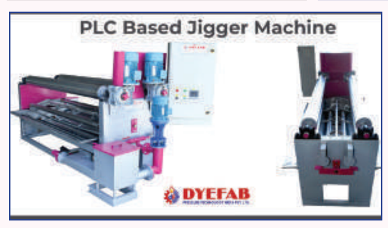

DYEFAB PRESSURE TECHNOLOGY INDIA PVT. LTD.
HEAD OFFICE & FACTORY: G1-215,216 Riico Growth Centre, Swaroopganj Bhilwara-311001
SURAT OFFICE: Plot no. 20,21 Surat ,Kadodra Road, Near Radhey kanta, Vareli, Palsana Surat
Mob. 8107454986 7073496670, Email: dyefab_001@yahoo.com

कोल एवं लिग्नाइट आपूर्ति में प्रसिद्ध कम्पनी अमरप्रेम एण्ड संस प्रा. लि.

स्व. श्री संजय सरीन

श्री मोहित सरीन

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मंडी में अपने चिरपरिचित अंदाज में पहचान बनाने वाले स्व. श्री संजय सरीन अपने सहज व्यक्तित्व के चलते इण्डस्ट्री के अलावा भी कई क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। श्री सरीन ने सन् 1994 में शहर में एसएस एजेंसी की स्थापना करते हुए फैब्रिक सप्लाई का निरन्तर 10 वर्षों तक कार्य किया एवं अच्छा नेटवर्क स्थापित करने में कामयाब रहे। श्री सरीन अपने कुशल नेतृत्व के साथ-साथ विस्तृत नेटवर्क एवं अनुभव को भुनाते हुए 2001 में व्यापार विस्तार कर केमिकल सप्लाई का कार्य भी आरंभ किया। श्री सरीन आशावादी सोच के साथ सदैव कुछ न कुछ नया करने की चाह के साथ 2006 में रेपर क्लॉथ सप्लाई की शुरुआत की। गौरतलब है कि यह क्लॉथ प्रॉसेस गृहों के उपयोग में आता है। श्री संजय सरीन के युवा पुत्र श्री मोहित सरीन एमटेक टेक्सटाइल (केमिस्ट्री) में पुर्ण करने के बाद उन्होंने सन 2017 में सहयोगी फर्म अमरप्रेम एंड संस की स्थापना कर इसके अंतर्गत प्रोसेस इंडस्ट्री में कोल सप्लाई का कार्य शुरू किया। अपने कार्य क्षेत्र की जानकारी देते हुए श्री मोहित ने बताया कि कंपनी औद्योगिक रसायन नॉन आयोनिक डिटर्जेंट, सोर्फेक्ट्स के रूप में नवीनतम तकनीक के साथ मिलकर बेहतर गुणवत्ता युक्त घटकों का उपयोग करने के लिए जाने जाते हैं एवं हमारे पास एक उन्नत एवं संरचनात्मक आधार उपलब्ध है, जो सभी आवश्यक सुविधाओं से लैस है। हमारा ध्येय कंज़ूमर की विविध आवश्यकताओं को समझने और कई प्रकार के उत्पादों की सप्लाई करने का हैं। इसके साथ हमारी कंपनी अपने ग्राहकों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और उनकी अत्याधिक संतुष्टि को सुनिश्चित करते हुए बेहतर विकल्प का केंद्र बन चुकी है। वर्तमान में लगभग 150 केमिकल उत्पाद विभिन्न क्वालिटियों में आपूर्ति किए जा रहे हैं। मजबूत सेल्स नेटवर्क के साथ भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, पाली, बालोतरा व तारापुर इत्यादि मंडियों में उत्पाद सप्लाई किए जा रहे हैं। **कम्पनी के मार्केटिंग सेक्टर में अनुभवी श्री समुद्र सिंह राठौड़ अपने कुशल नेतृत्व से कार्यभार देख रहे हैं।**

टेक्सटाइल इण्डस्ट्री के लिये बेहतर सप्लाई

प्रमुख सहयोगी कम्पनियाँ

व्यापार में निरन्तर इनोवेशन करते हुए श्री सरीन द्वारा अपनी सहयोगी कम्पनियों के माध्यम से कार्यक्षेत्र में विस्तार किया इसी क्रम में प्रमुख कम्पनी अमरप्रेम एण्ड संस के अलावा APS लोजेस्ट्रिक के अन्तर्गत स्वय की लोजेस्ट्रीक कम्पनी की शुरूवात की जिसमें इस क्षेत्र में बेहतर सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। Sarin Trade Link LLP. कम्पनी में केमिकल सप्लाई की जा रही है।

HEAD OFFICE: 334, Govindam Commercial Hub, Old RTO Road, Gandhi Nagar, Bhilwara (Raj.) - 311001
Cell: 97993 97770 | 96360 41966 | 91166 44508
BARMER OFFICE: Shop No. 5, Nh 68 Jaisalmer Road In Front Of Rajput Hostel, Barmer (Raj.) - 344001
Cell: 99295 67085
MORBI OFFICE: Office No.4, Dharm Megh Complex- 2 Pipliya Char Rasta Navlakhi Road (Gujrat) 91613 88060
SARIN TRADE LINK LLP. Shop No. 4 Om Tower, Near Ashok Leyland Circle, Old RTO Road, Gandhi Nagar, Bhilwara (Raj.) Cell : 93526 32011
NAGOUR OFFICE: Amar Prem Dharam Kavτα, Vilage Post.Fardod, Tehsil Jayal District Nagaur -341030, Rajasthan M.+91-61388060
BIKANER OFFICE: Nh 62, Near Veer Teja Hotel Palana Bikaner - 334402, Cell 99506 93099 Or 93580 39919
Email: info@amarpremandsons.com | Web: www.amarpremandsons.com

PROCESSING ART REDEFINED

PROCESSING | FINISHING
DYEING | PRINTING

Well Equipped Quality Processors
For Super Grade Finish

Modern Technology
High Quality Processing Facility
Trained Technicians
Trained Artisan

MURLIWALA INDUSTRIES
SUITING & SHIRTING PROCESSING UNIT

KHASARA NO. - 1029/14, BALOTRA PRAGATI STHAL, NEAR RIICO 4TH PHASE, KHER ROAD, BALOTRA - 344022
Mob. 92143 75277, 95719 48577, 92144 07877, 81072 02192
Email: murliwala.industries@gmail.com

श्रेष्ठ एवं क्वालिटी फिनिश प्रदाता प्रोसेस गृह

समर्पण सिंथेटिक्स प्रा. लि.

मॉडर्न तकनीकीयुक्त मशीनों से सुसज्जित

भीलवाड़ा/ स्थानीय वस्त्र मण्डी में लेटेस्ट तकनीकयुक्त प्रोसेस गृहों में शुमार **'समर्पण सिंथेटिक्स प्रा. लि.'** क्वालिटी फैब्रिक फिनिश के लिए अपना नाम स्थापित कर चुका है। प्रोसेस गृह के प्रबंधन कार्य में ऑनर श्री शंभू प्रसाद काबरा एवं इनके अनुज श्री महेश काबरा के संयुक्त नेतृत्व में कुशलतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

श्री शंभू प्रसाद काबरा ने बताया कि प्रोसेस गृह में 3 स्टेण्टर स्थापित है, जिससे लगभग 24 लाख मीटर प्रतिमाह उत्पादन क्षमता से फैब्रिक फिनिश की जा रहीं है। प्लांट के टेक्निकल मैनेजर श्री पी.सी. लोढ़ा अपने उम्दा अनुभव से बेहतर सेवाएं दे रहे हैं। प्रोसेस गृह में सभी आवश्यक मशीनें लेटेस्ट तकनीक की लगाई गई है, जिससे वर्तमान फैशन ट्रेण्ड एवं बाजार ट्रेण्ड के अनुसार उच्च क्वालिटी फिनिश हो सके। साथ ही फैब्रिक प्रोसेसिंग में पीवी, पीसी, कॉटन, लिनन, लाइक्रा इत्यादि में महारत के साथ कार्य किया जा रहा है और कम्पनी स्थानीय मण्डी के अलावा कॉर्पोरेट एवं ब्राण्ड का भी कार्य कर रही है।

SAMARPAN

पर्यावरण सुरक्षा

कम्पनी द्वारा पर्यावरण प्रदूषण नियोजन के लिए सभी आवश्यक उपकरण लगाए गए है, जो जीरो डिस्चार्ज के लिए प्रतिबद्ध है एवं एयर पॉल्यूशन के लिए हवा में निकलने वाले हानिकारक कणों के लिए भी लेटेस्ट तकनीक के उपकरण लगाए गए हैं, जिससे चिमनी से बाहर कणरहित हवा वायुमण्डल में घुल सकें। प्लांट की बाउंड्री में पेड़ लगे हुए हैं एवं कम्पनी सालाना पौधारोपण भी करती है।

SAMARPAN SYNTHETCS PVT. LTD.
13 K.M. Stone, Gangapur Raod, (Pur Bhilwara)-311001 Rajasthan
For Contact: 98293 10956

कपड़ा मण्डी में अंतरराष्ट्रीय मॉडर्न तकनीक से परिपूर्ण प्रोसेस गृह - SUNRAKSHAKK INDUSTRIES INDIA LIMITED

A.K. SPINTEX LTD. अब संरक्षक इण्डस्ट्रीज इंडिया लि. नाम से पहचाना जाएगा

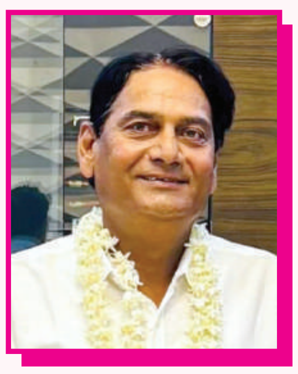

Sunrakshakk

भीलवाड़ा / स्थानीय वस्त्र मण्डी में तकनीकी रूप से आधुनिक एवं लेटेस्ट तकनीक से सुसज्जित प्रोसेस गृह संरक्षक एग्रो इंडिया लि. फैब्रिक प्रोसेसिंग क्षेत्र में बाजार के ट्रेंड अनुसार विभिन्न तरह की फैब्रिक फिनिश का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

कम्पनी प्रबन्धन

प्रोसेस गृह के स्वामित्व में प्रमुख एग्जिक्युटिव डायरेक्टरर्स में श्री तिलोकचन्द छाबड़ा, श्री सौरभ छाबड़ा एवं प्रबन्ध निदेशक में श्री प्रकाशचन्द छाबड़ा शामिल हैं एवं इन्हीं के दिशा-निर्देशन में प्रोसेस गृह को पूर्णतया मॉडर्न तकनीक से सुसज्जित किया गया है।

टेक्निकल सर्विस

कम्पनी में जी.एम. टेक्निकल श्री अरूण सिंह इस क्षेत्र में अपने अनुभव एवं कार्यकौशल से सफलतापूर्ण सेवाएं दे रहे हैं। श्री सिंह शिक्षा में बीएससी करने के पश्चात प्रोफेशनल शिक्षा क्षेत्र में Indian Institute of Handloom & Technology, Govt of Indian Ministry of Textile के अन्तर्गत गुवाहाटी (आसाम) से डिप्लोमा कर चुके हैं। ये इंस्टीट्यूट में टॉपर रहे हैं। श्री सिंह भीलवाड़ा से पूर्व बॉम्बे डाइंग, रिलायंस सेंचुरी व आर्वि डेनिम में ट्रेनिंग कर चुके हैं। प्लाण्ट में चीफ इन्जीनियर पद पर श्री राजेश तोतला अपनी विशिष्ठता के साथ सेवाएं दे रहे हैं।

सीएफओ

कम्पनी के इस क्षेत्र में श्री दिनेश पोरवाल वित्तीय प्रबन्ध कार्य में महारत रखते हैं। श्री पोरवाल 2006 से पूर्व से भी इसी प्रोसेस गृह में निरंतर सेवाएं दे रहे थे।

प्रमुख मशीनरी

सभी मशीनें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी से परिपूर्ण हैं, जिसमें Formula I, Continous, Finish Machine, Conty Press Finish, Comfit Finish, Calender, Cool Calender, Nippco Shiner, Biella KD, Caru advance Suiding Machine, Mercerizer and Sanforising Zero मुख्यतः कार्यरत है। Caru-यह मशीन इटली निर्मित है एवं कॉटन पिचिंग के काम में ली जाने वाली अपनी समकक्ष मशीनों से उम्दा क्वालिटी की है। यह मशीन एक्सपोर्ट क्वालिटी के साथ ट्वीड (जैकेटिंग) एवं ब्लेजर फैब्रिक प्रोसेसिंग में विशेष कार्य करती है।

फॉर्मूला-1 को शामिल करने के बाद फैंसी एवं WR फैब्रिक प्रोसेसिंग में महत्त्वपूर्ण कार्य हो रहा है।

न्यू डवलपमेण्ट- कम्पनी कॉटन सेगमेंट में फैब्रिक की क्वालिटी प्रोसेसिंग के लिए आवश्यक CBR (कंटीन्यूअस ब्लीचिंग रेंज) CDR,(कोल्ड डाइंग रेंज) एवं नई तकनीक की पामर (PALMER)शामिल की गई है।

फुलरेंज फॉर्मूला - कम्पनी इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि निरंतर बदलते फैशन ट्रेंड एवं बाजार की डिमाण्ड के अनुरूप फिनिश देने का ध्यान रखा जाए और इसी अनुरूप में फैंसी प्रोसेसिंग की जा रही है। साथ ही पीवी डाइंग में लाइक्रा का काफी कार्य किया जा रहा है। टेक्स बाय टेक्स फैंसी एवं पीवी डाइंग फैंसी में विशेष डवलपमेण्ट होने से बाहर से काफी कपड़ा प्रोसेस गृह में आ रहा है।

प्रोसेस गृह की विशिष्टताएं

इन सभी तकनीकी विशेषताओं के चलते कॉटन फैब्रिक की प्रोसेसिंग में यह प्रोसेस गृह शत-प्रतिशत खरा उतरा है। मर्सराईज मशीन स्थापित करने के पश्चात् कॉटन में प्रति शेड (कलर) 150 किलो से लेकर 1000 किलो तक की डाईंग सुविधा वस्त्र निर्माताओं को उपलब्ध करा रहे हैं। अत्याधुनिक Caru मशीन एडवांस सीडिंग मशीन के रूप में कार्य करती है।

इसी का परिणाम है कि पिछले वर्ष से ट्वीड एवं ब्लेजर फैब्रिक में पीसडाइड एवं फायबर डाइड दोनों में रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है, जिनकी फैब्रिक क्वालिटी अंतरराष्ट्रीय स्तर की रही है। फाइन काउण्ट व कोर्सर काउण्ट दोनों तरह की फैब्रिक में ट्वीड फैब्रिक में एन्टी स्टेटिक एवं एंटीपिलिंग फिनिश फैब्रिक की क्वालिटी फिनिश प्रदान कर रहे हैं। कम्पनी फैंसी ब्राण्डेड कपड़ों की प्रत्येक तरह की रेंज में शानदार कार्य कर रहीं है। वाटरजेट लूम के कपड़ों की प्रोसेसिंग की यहाँ पर विशेष व्यवस्था है और इसी के चलते सूरत एवं भीलवाड़ा का कपड़ा खासकर आ रहा है। कॉटन लिनन फैब्रिक प्रोसेसिंग की गुणवत्ता के साथ लाइक्रा में पीस डाइड एवं फाइबर डाइड दोनों में यह बेहतरीन फैब्रिक फिनिश प्रदाता कम्पनी बन चुकी है।

Export

प्रोसेस गृह में एक्सपोर्ट क्वालिटियों की फैब्रिक की फिनिश के लिए सारे मापदण्ड पर खरा उतरने के लिये प्रतिबद्ध है।

श्रमिक हित

प्रोसेस गृह में कार्यरत श्रमिकों का पूर्णरूप से ध्यान रखा जाता है। इसके लिए आर. ओ. वाटर एवं श्रेष्ठ स्तर की भोजन व्यवस्था है।

कार्यक्षेत्र

प्रोसेस गृह में स्थानीय वस्त्र मण्डी के अलावा मुम्बई, हैदराबाद, नई दिल्ली, अहमदाबाद, सूरत एवं कई कॉर्पोरेट क्षेत्र की कम्पनियाँ शामिल हैं। प्रमुख ब्राण्डेड कम्पनियों में सियाराम, वालजी, अरविंद, नाहर, मफतलाल, ग्रासिम, रिलायंस, बीएसएल, मयूर, सुनील ओवरसीज, दिग्जाम, जेसीटी एवं आदर्श की फैब्रिक मुख्यतया: आ रही है।

पर्यावरण संतुलन

कम्पनी औद्योगिक डवलपमेण्ट के साथ पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के लिए पूर्ण रूप से तत्पर है। इसके लिए पारिस्थितिकी तंत्र के सारे घटकों को ध्यान में रखते हुए सारे प्रबंध कर रखे हैं। कम्पनी दूषित पानी के उपचार के लिए तीनों स्तर के आर. ओ. पूर्ण रूप से कार्यरत हैं। कम्पनी अभी सरकार द्वारा प्रस्तावित (ZLD) Zero liquid Discharge के मापदण्ड को पूरा करने हेतु ME (Multi Environment System) मशीन भी पूर्णरूप से क्रियाशील है। प्रोसेस गृह के साथ बकाया भूमि में लगभग 23 बीघा क्षेत्रफल में पेड़-पौधे लगा रखे हैं, जो सघन वृक्षावली का रूप ले चुकी है।

न्यू इनोवेशन

कम्पनी समय-समय पर प्रोसेस गृह में बदलते फैशन ट्रेंड एवं न्यू टेक्नोलॉजी का समावेश करती रहती है। इसी क्रम में कॉटन प्रोसेसिंग एवं लाइक्रा के लिए 8 चेंबर का स्टेण्टर स्थापित किया गया एवं नई बेला केडी भी लगाई गई। जिगर डाईंग मशीन में ऑल ऑफ ऑटोमेटिक लगाऐ गए हैं।

OD मशीन भी तीन न्यू तकनीक स्थापित की गई। कलेण्डर इटली से आयातित ऑटोमेटिक लगाए गए। इसी के साथ प्रोसेस गृह की कुल क्षमता 45 लाख मीटर मासिक हो चुकी है। कुल फैब्रिक प्रोसेसिंग में 70 प्रतिशत पीस डाईड एवं 30 प्रतिशत फाइबर डाईड में उत्पादन हो रहा है।

जीरो डिस्चार्ज- कम्पनी द्वारा प्रर्यावरण सुरक्षा के प्रति सजगता के तहत ETP, RO भी न्यू टेक्नोलॉजी को स्थापित कर चुकी है, जिसमें 100 प्रतिशत बायोलॉजीकल ट्रीटमेंट पूर्ण करता है तथा नई तकनीक की थर्मोपेक एवं वायलर स्थापित किए गए हैं, जो सरकार के प्रदूषण मानदण्ड़ों को पूर्ण करते हैं।

ऑर्गेनिक फ्यूल- श्री सिंह ने बताया कि केन्द्र सरकार की ग्रीन एनर्जी में बढ़ते कदम के तहत प्रोसेस गृहों में भी ऑर्गेनिक रॉ-मटीरियल का भी उपयोग किया जा रहा है।

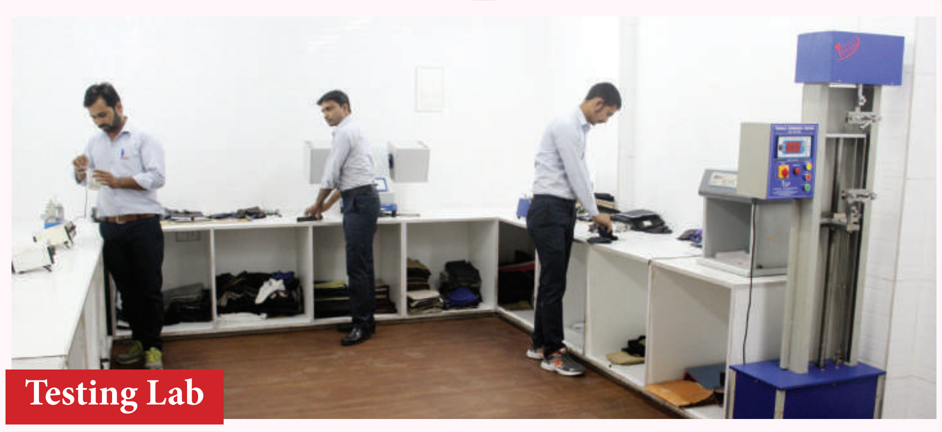

Testing Lab

SUNRAKSHAKK INDUSTRIES INDIA LIMITED

REGD. OFFICE & WORKS
14th Km. Stone, Chittorgarh Road, Village : Bilia Kalan, BHILWARA – 311 001
Ph.: 01482 – 249002,03,04,05 Fax : 01482–249007
Email : akspintex@rediffmail.com, akspintex@gmail.com, Visit us at : akspintex.com

4th EDITION WEAVE KNITT EXHIBITION 2025
THE COMPLETE FABRIC SHOW

7 से 21 जुलाई 2025
SINCE 1998
टेक्सटाइल वर्ल्ड
Surat Edition
Bureau Chief-Surat | Satya Prakash 9828249064

18 19 20 JULY 2025
VENUE SIECC
Surat International Exhibition & Convention Centre, Sarsana, Surat

AMANTA FABRICS LLP

प्रीमियम जैकार्ड फैब्रिक्स की प्रमुख निर्माता कम्पनी

नायलॉन और विस्कोस फैब्रिक्स में विशेषज्ञता

श्री आदित्य बोहरा

सूरत/ AMANTA FABRICS LLP, 2018 में स्थापित, भारतीय टेक्सटाइल उद्योग में प्रीमियम नायलॉन और विस्कोस बेस जैकार्ड फैब्रिक्स के निर्माण में एक विश्वसनीय नाम है। कम्पनी अपनी उच्च गुणवत्ता, नवीन डिजाइन और टिकाऊ उत्पादों के लिए जानी जाती है। AMANTA FABRICS का लक्ष्य है भारतीय फैशन उद्योग में उत्कृष्टता और नवाचार को बढ़ावा देना। कम्पनी जैकार्ड फैब्रिक्स में विशेषज्ञ है और इसकी डिजाइनिंग में अद्वितीयता और विविधता दिखाई देती है। इसके फैब्रिक्स मुख्य रूप से सिल्क साड़ियां, बनारसी साड़ियां, लहंगें, सूट-दुपट्टे, कुर्तियां और ब्लाउज जैसे उत्पादों में उपयोग किए जाते हैं। कम्पनी के युवा पार्टनर श्री आदित्य बोहरा ने बताया कि AMANTA FABRICS अपने उत्पादों में न केवल बेहतरीन डिजाइनों का समावेश करती है, बल्कि ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं को भी पूरा करने के लिए लगातार नवाचार कर रही है। वहीं आगामी सीजन के लिए अत्याधुनिक डिज़ाइनों और क्वालिटी फैब्रिक्स पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कम्पनी का उद्देश्य फैशन उद्योग में नई ऊँचाइयों तक पहुँचना है और ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है।

कम्पनी की विशेषताएं

- **जैकार्ड डिजाइनों की विविधता** – हर प्रकार के फैशन की आवश्यकता को पूरा करने वाले डिजाइन।
- **उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद** – टॉप ब्राण्ड्स के लिए प्रीमियम ग्रे फैब्रिक्स की आपूर्ति।
- **प्रीमियम फैब्रिक्स** – साड़ियां, लहंगें, सूट, कुर्तियां और ब्लाउज के लिए विशेष फैब्रिक्स।
- **व्यापक आपूर्ति नेटवर्क** – कम्पनी द्वारा दिल्ली, बनारस, जयपुर, कोलकाता, बैंगलुरू जैसी प्रमुख मण्डियों में फैब्रिक्स की आपूर्ति की जा रही है।

WEAVE KNITT EXPO 2025 में प्रमुख भागीदारी

AMANTA FABRICS आगामी WEAVE KNITT EXPO 2025 में सिल्वर स्पॉन्सर के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। इस आयोजन में कम्पनी अपने नवीनतम जैकार्ड डिजाइनों और उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक्स को प्रदर्शित करेगी। साड़ियां, लहंगें, सूट और ब्लाउज के लिए विशेष सर्वश्रेष्ठ ग्रे फैब्रिक्स प्रजेंट करेगी। श्री आदित्य बोहरा ने यह भी साझा किया कि AMANTA FABRICS की टीम WEAVE KNITT EXPO 2025 में नए डिजाइनों और उत्पादों को पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। AMANTA FABRICS LLP टेक्सटाइल निर्माण में न केवल गुणवत्ता और रचनात्मकता का ध्यान रखती है, बल्कि अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। WEAVE KNITT EXPO 2025 में AMANTA FABRICS का स्टॉल अवश्य देखें और कम्पनी के नवीनतम उत्पादों और डिजाइनों को करीब से जानें।

Stall No. 219

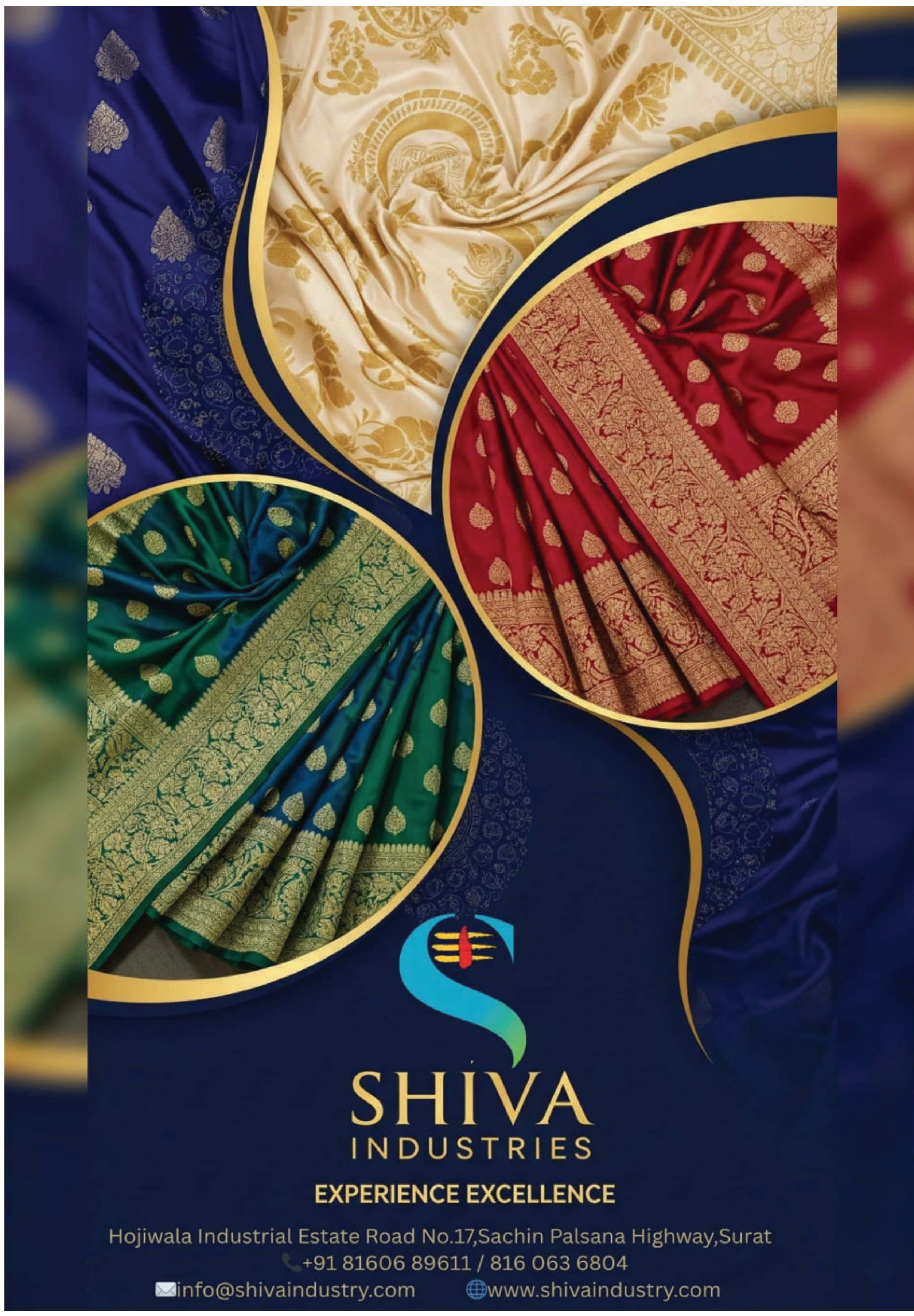

सिल्क साड़ियों के लिए भरोसेमंद फैब्रिक पार्टनर

SHIVA INDUSTRIES

जैकार्ड तथा ऑर्गेन्जा फैब्रिक स्पेशलिस्ट

सूरत/ शिवा इंडस्ट्रीज, सूरत टेक्सटाइल इंडस्ट्री में एक उभरता नाम है। यह कम्पनी जैकार्ड फैब्रिक में अपने नए-नए डवलपमेण्ट को लेकर सुर्खियों में रहती है। शिवा इंडस्ट्रीज का मजबूत आधार वर्ष 1974 में श्री कमल किशोर अग्रवाल द्वारा शिवा एजेंसीज के रूप में रखा गया। उन्होंने राजस्थान के ब्यावर से इस सफर की शुरूआत की और अपनी मेहनत, ईमानदारी और व्यापारिक कुशलता के बल पर जयपुर में भी एजेंसी और ट्रेडिंग कार्य का विस्तार किया। श्री कमल किशोर अग्रवाल की इस विरासत को उनके सुपुत्र श्री शिव अग्रवाल और श्री रवि अग्रवाल ने आगे बढ़ाते हुए सूरत में आकर 'शिवा इंडस्ट्रीज' की स्थापना की। उन्होंने साड़ियों के लिए जैकार्ड फैब्रिक के निर्माण की दिशा में कदम बढ़ाया और आधुनिक तकनीक और नवाचार के बल पर शिवा इंडस्ट्रीज को ऑर्गेंजा फैब्रिक स्पेशलिस्ट के रूप में स्थापित किया। क्वालिटी के प्रति समर्पित एवं मधुर संबंधों के साथ व्यापार को प्राथमिकता देते हुए इन्होंने नायलॉन बेस जैकार्ड फैब्रिक्स के विशेष उत्पादक के रूप में 'शिवा इंडस्ट्रीज' को पहचान दिलाई।

प्रमुख उत्पाद : 'शिवा इंडस्ट्रीज' आज नायलॉन और विस्कोस के मिश्रण से उत्कृष्ट जैकार्ड फैब्रिक का निर्माण करती है। ऑर्गेंजा जैकार्ड फैब्रिक, डोला और स्टेपल फैब्रिक्स में इस कम्पनी का उत्पादन बाजार में सराहा जाता है। एक्सक्लूसिव बनारसी सिल्क साड़ीज के लिए 'शिवा इंडस्ट्रीज' बेस्ट फैब्रिक सॉल्यूशन है।

श्री शिव अग्रवाल श्री रवि अग्रवाल

आधुनिकता एवं परंपरा का मेल : 'शिवा इंडस्ट्रीज' साड़ियों के लिए जैकार्ड फैब्रिक्स के उत्पादन में उभरता नाम है। इसके फैब्रिक्स में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा अहसास होता है। यह एक्सक्लूसिव बनारसी सिल्क साड़ीज के लिए सर्वोत्तम विकल्प बन चुकी है।

तकनीकी उत्कृष्टता : कम्पनी में हाई-स्पीड रेपियर जैकार्ड मशीनें लगाई गई हैं, जो उन्नत तकनीक से लैस हैं। इन मशीनों पर तैयार किए गए फैब्रिक टिकाऊ, आकर्षक और उच्च गुणवत्ता वाले होते हैं।

कम्पनी का विजन : 'शिवा इंडस्ट्रीज' गुणवत्ता, डिजाइन और ग्राहक संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए कपड़ा उद्योग में नई ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रतिबद्ध है। 'शिवा इंडस्ट्रीज' ने स्थानीय कपड़ा बाजार में अपनी खास जगह बनाई है। परंपरा एवं आधुनिकता के इस सफर पर ध्यान केंद्रित करते हुए कम्पनी भारत के विशाल टेक्सटाइल मार्केट में अपने विस्तार की योजना पर भी गतिशील है।

WEAVE KNITT EXHIBITION की जबरदस्त तैयारी

'शिवा इंडस्ट्रीज' आगामी WEAVE KNITT EXHIBITION 2025 में अपने नए और अनोखे फैब्रिक कलेक्शन को प्रस्तुत करने के लिए तैयार है। आगामी फेस्टिव सीजन के लिए आकर्षक डिजाइनों के साथ नई रेंज पेश करेगी। परंपरा और आधुनिकता के संगम के साथ नए डिजाइनर जैकार्ड फैब्रिक्स की आकर्षक रेंज पेश की जाएगी। श्री रवि अग्रवाल ने कहा, "हमारे नए कलेक्शन में बेहतरीन क्वालिटी और अद्वितीय डिजाइनों का समावेश है। WEAVE KNITT EXHIBITION आने वाले व्यापारियों को हमारे स्टॉल पर नवीनतम ट्रेंड्स एवं नवाचारों से ओतप्रोत होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि WEAVE KNITT नए ग्राहकों से जुड़ने और उनकी जरूरतों को समझने का महत्त्वपूर्ण मंच है।"

STALL NO. 234

WEAVE KNITT EXHIBITION 2025

सूरत के वीवर्स और निटर्स का सबसे बड़ा टेक्सटाइल इवेंट

फैंसी साड़ियाँ, वैल्यू एडेड और निटेड फैब्रिक्स का भव्य डिस्प्ले एक ही छत के नीचे

सूरत/सत्य प्रकाश

साउथ गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) द्वारा WEAVE KNITT EXHIBITION 2025 का आयोजन आगामी 18-20 जुलाई को SIECC सरसाना में आयोजित किया जा रहा है। यह एक अनूठा टेक्सटाइल आयोजन है, जो सूरत के वीवर्स और निटर्स को देशभर के गारमेंट और टेक्सटाइल निर्माताओं से जोड़ता है। इस एग्जीबिशन का मुख्य फोकस ग्रे और निटेड फैब्रिक की सोर्सिंग पर है, लेकिन इसके साथ-साथ वैल्यू-एडेड फैब्रिक्स का भी व्यापक प्रदर्शन होगा। WEAVE KNITT एग्जीबिशन की एग्जीबिटर प्रोफाइल में मुख्य रूप से सूरत के विवर्स एवं निटर्स शामिल हैं, जो ग्रे और निटेड फैब्रिक के प्रमुख सप्लायर्स हैं। इसके अलावा, जैकार्ड फैब्रिक्स, बनारसी सिल्क साड़ियाँ, एथनिक फैब्रिक्स, जो साड़ियों, सूट्स, कुर्तियों, ब्लाउज आदि के लिए उपयोग में आने वाले रॉ फैब्रिक हैं - उनके बड़े और प्रतिष्ठित मैन्यूफैक्चरर भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा हैं।

यह एग्जीबिशन गारमेंट मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री के लिए बेहद उपयोगी प्लेटफॉर्म बन रहा है, जहां हर प्रकार के गारमेंट निर्माता अपनी आवश्यकताओं के अनुसार फैब्रिक सोर्सिंग कर सकते हैं - चाहे वह बेसिक ग्रे हो, हाई-एंड जैकार्ड हो या एथनिक रेंज का कोई विशेष फैब्रिक।

हर व्यापारी के लिए उपयोगी: चाहे आप फैब्रिक ट्रेडर हों, फैब्रिक मर्चेंट हों या साड़ी, फैब्रिक या गारमेंट मैन्यूफैक्चरर - WEAVE KNITT 2025 हर स्तर के व्यवसायियों के लिए एक जरूरी आयोजन है। यहां आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री के नवीनतम ट्रेंड्स, क्वालिटी सोर्सिंग और व्यावसायिक साझेदारों को एक ही स्थान पर पा सकते हैं।

SGCCI का राष्ट्रीय स्तर पर जुड़ाव : SGCCI ने इस आयोजन को राष्ट्रीय विस्तार देने के लिए तिरुपुर, इरोड़, शेलम, पल्लकड़, हैदराबाद, बैंगलुरू, जयपुर जैसे प्रमुख टेक्सटाइल हब्स में रोड शो आयोजित किए हैं। इन रोड शो के माध्यम से SGCCI ने टेक्सटाइल उद्योग के दिग्गजों को आमंत्रित कर इस आयोजन को और अधिक समृद्ध बनाया है।

B2B मीटिंग्स और बिजनेस आवर्स : SGCCI द्वारा इस बार B2B मीटिंग्स के लिए एक विशेष पवेलियन तैयार किया गया है। सुबह 10:00 से दोपहर 2: 00 बजे तक के बिजनेस आवर्स केवल व्यावसायिक आगंतुकों के लिए आरक्षित होंगे, जिससे खरीदार और विक्रेता बिना किसी व्यवधान के व्यापारिक चर्चाएं कर सकें।

WEAVE KNITT: सूरत के टेक्सटाइल नवाचारों का उत्कृष्ट मंच -श्री निखिल मद्रासी, प्रेसिडेंट SGCCI

सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) द्वारा आयोजित WEAVE KNITT EXHIBITION 2025 का चौथा संस्करण टेक्सटाइल क्षेत्र में नवीनतम ट्रेंड्स और नवाचारों का भव्य संगम बनने जा रहा है। SGCCI के प्रेसिडेंट श्री निखिल मद्रासी ने इस अवसर पर कहा, WEAVE KNITT EXHIBITION सूरत का सबसे बड़ा टेक्सटाइल इवेंट है, जो हमारी इंडस्ट्री की क्रिएटिविटी और नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करता है। यह न सिर्फ भारत, बल्कि अंतरराट्रीय बायर्स के लिए भी एक बेमिसाल प्लेटफॉर्म है।''

मल्टी-डायमेंशनल टेक्सटाइल शो : यह एग्जीबिशन एक बहुआयामी मंच होगा, जिसमें फैब्रिक, साड़ी, गारमेंट और टेक्निकल टेक्सटाइल क्षेत्र के अग्रणी निर्माता अपने नवीनतम उत्पादों और डिजाइनों को प्रदर्शित करेंगे। श्री मद्रासी के अनुसार, यह प्रदर्शनी सूरत में निर्मित प्रॉडक्ट्स की सोर्सिंग का सबसे प्रभावी माध्यम साबित होगी। युवा उद्यमियों द्वारा किए जा रहे इनोवेशन, नई तकनीक और डिज़ाइन को देखने का बेहतरीन अवसर भी बायर्स को मिलेगा। यह आयोजन सूरत के भविष्य को टेक्सटाइल के ग्लोबल मैप पर और मजबूती से स्थापित करेगा।

SGCCI की विशेष तैयारियां : SGCCI की एग्जीबिशन टीम ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए कई स्तरों पर योजनाबद्ध प्रयास किए हैं। श्री मद्रासी ने बताया, **''हमारी टीम ने इस एग्जीबिशन को एक भव्य, व्यवस्थित और विश्वस्तरीय इवेंट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।''** पूर्व में हुए तीन सफल संस्करणों की तरह इस बार भी प्रदर्शनी उद्योग जगत के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। WEAVE KNITT EXHIBITION 2025 को टेक्सटाइल कारोबारियों और बायर्स के लिए एक प्रेरणादायक और व्यावसायिक रूप से फलदायी अनुभव बनाने का संकल्प SGCCI ने लिया है। यह आयोजन सूरत को ग्लोबल टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित होगा।

सूरत को टेक्सटाइल एवं गारमेंट हब बनाने की दिशा में SGCCI का अभिनव प्रयास

-श्री अशोक जिरावाला, उपाध्यक्ष SGCCI एवं अध्यक्ष FOGWA

सूरत टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) द्वारा आयोजित WEAVE KNITT EXHIBITION-2025 अपने चौथे संस्करण में टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग के नवाचारों का भव्य प्रदर्शन करने को तैयार है।

SGCCI के उपाध्यक्ष एवं FOGWA के अध्यक्ष श्री अशोक जिरावाला ने कहा, ''यह एग्जीबिशन सूरत टेक्सटाइल उद्योग का ऐसा मंच है, जहां वीविंग, निटिंग और गारमेंट क्षेत्र के प्रमुख निर्माता अपने नवीनतम इनोवेशन प्रस्तुत करेंगे। यह आयोजन सूरत को टेक्सटाइल से आगे बढ़ाकर गारमेंट हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

टेक्सटाइल से गारमेंट तक-एक मंच पर: प्रदर्शनी में विस्कोस फैब्रिक्स, जैकार्ड डिज़ाइन्स, डिजिटल प्रिंट्स और अन्य वैल्यू एडेड टेक्सटाइल्स प्रदर्शित किए जाएंगे, जो वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सूरत की पहचान बन रहे हैं।

SGCCI द्वारा देशभर में रोड शो: SGCCI द्वारा कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड, पल्लकड़, शेलम और बेंगलुरु जैसे प्रमुख टेक्सटाइल हब्स में रोड शो आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों के कारोबारियों को इस एग्जीबिशन में आमंत्रित करना और सूरत की ताकत से अवगत कराना था।

श्री जिरावाला ने कहा, **''सूरत हमेशा क्वालिटी, क्वांटिटी और कमिटमेंट का प्रतीक रहा है। हमारे उत्पादों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा की क्षमता है, और यह एग्जीबिशन उन संभावनाओं को नई उड़ान देने का अवसर है।''**

बायर्स के लिए विशेष व्यवस्थाएं: SGCCI की ओर से देश-विदेश से आने वाले बायर्स के लिए विशेष आतिथ्य और सुविधा प्रबंधन किया गया है। आगंतुकों को सूरत की इंडस्ट्री की नवीनतम तकनीक, डिज़ाइन और विकास कार्यों को देखने का अवसर मिलेगा।

SHREE SILK एवं SURIRAJ SILK

WEAVE KNITT के प्लेटिनम स्पॉन्सर, पेश करेंगे नया ट्रेंडी फैब्रिक कलेक्शन

सुश्री वंशिका मेहता

टेक्सटाइल उद्योग की प्रतिष्ठित प्रदर्शनी WEAVE KNITT EXHIBITION 2025 में SHREE SILK एवं SURIRAJ SILK कंपनियाँ प्लेटिनम स्पॉन्सर के रूप में भाग ले रही हैं। इस विशेष अवसर पर दोनों कंपनियाँ अपने नए और ट्रेंडी फैब्रिक कलेक्शन के साथ उपस्थित रहेंगी।

कंपनी की युवा और डायनेमिक डायरेक्टर सुश्री वंशिका मेहता ने बताया कि SHREE SILK एवं SURIRAJ SILK द्वारा विस्कोस, कॉटन, मिक्स कॉटन, ऑर्गेन्जा, टिशू सहित कई इनोवेटिव फैब्रिक तैयार किए जा रहे हैं। इन फैब्रिक्स में क्वालिटी, टेक्सचर और ट्रेंड का शानदार संयोजन देखने को मिलेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी हर प्रकार के फैब्रिक- चाहे वह ट्रेडिशनल हो या मॉडर्न, एथनिक हो या फ्यूज़न - की मैन्युफैक्चरिंग में सक्षम है और लगातार बाजार की बदलती ज़रूरतों के अनुसार खुद को अपडेट कर रही है।

WEAVE KNITT EXHIBITION के मंच से SHREE SILK और SURIRAJ SILK का उद्देश्य ग्लोबल बायर्स तक भारतीय फैब्रिक की गुणवत्ता और विविधता को पहुंचाना है।

STALL NO. 218

श्री योगानंद टेक्सटाइल प्रा. लि. : छह दशकों से कपड़ा व्यवसाय में विश्वास और नवाचार का नाम

श्री हीरल जरीवाला

श्री योगानंद टेक्सटाइल प्रा. लि. वर्ष 1963 से टेक्सटाइल उद्योग में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हुए है। कम्पनी ने अपने सफर की शुरूआत वीविंग (बुनाई) उद्योग से की थी और आज यह परंपरा और नवाचार का उत्कृष्ट संगम बन चुकी है।

इस प्रतिष्ठान का संचालन टेक्सटाइल के अनुभवी श्री दीपक जरीवाला के कुशल नेतृत्व में हो रहा है। उनके सुपुत्र श्री हीरल जरीवाला और श्री विरल जरीवाला ने आधुनिक सोच और ऊर्जा के साथ पारिवारिक व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया है। टेक्सटाइल क्षेत्र में मजबूती से जमी इस कम्पनी ने फैशन सेगमेंट में भी कदम रखते हुए श्री योगानंद फैशन की स्थापना की। इसके अंतर्गत इनहाउस प्रॉडक्शन यूनिट के माध्यम से लेडीज कुर्तीज, हैवी सूट्स और दुपट्टों जैसे ट्रेंडिंग गारमेण्टस का निर्माण किया जा रहा है। फैशन और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कम्पनी योग्य और अनुभवी डिजाइनरों की सेवाएं ले रही है।

वर्तमान में श्री योगानंद फैशन का नाम बल्क ऑर्डर सप्लाई के क्षेत्र में भी सम्मान से लिया जाता है। कम्पनी का एक मजबूत लोकल एवं नेशनल सप्लाई नेटवर्क है, जो इसे देशभर में ग्राहकों तक कुशलतापूर्वक पहुँचने में सक्षम बनाता है। श्री योगानंद टेक्सटाइल और श्री योगानंद फैशन दोनों मिलकर भारतीय टेक्सटाइल और गारमेण्ट उद्योग में उत्कृष्टता और भरोसे का प्रतीक बनता जा रहा है।

नगीनदास आत्माराम : नेचुरल फैब्रिक्स की प्रमुख निर्माता कंपनी

श्री मुकुंद जरीवाला

नगीनदास आत्माराम प्रा. लि. की स्थापना वर्ष 1956 में इस सोच के साथ की गई थी कि एक ऐसी कम्पनी बनाई जाए, जो वैश्विक फैशन उद्योग में उत्कृष्ट बुनाई की पहचान बने। वर्ष 1960 के दशक में स्व. श्री नगीनदास जरीवाला के नेतृत्व में इस कम्पनी ने जरी निर्माण इकाई के रूप में कार्य शुरू किया। एक पारिवारिक व्यवसाय के रूप में चार पीढ़ियों से चली आ रही यह कम्पनी आज नेचुरल फैब्रिक्स के प्रमुख निर्माताओं में से एक बन चुकी है। दशकों के अनुभव और टेक्सटाइल इंडस्ट्री में लगातार विकास के साथ कम्पनी ने अपने बुनाई कौशल और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों के चलते एक सशक्त प्रतिष्ठा बनाई है। वर्तमान में संस्थापक के प्रपौत्र श्री मुकुंद जरीवाला 'नगीनदास आत्माराम प्रा. लि. का बखूबी संचालन कर रहे हैं।

प्रमुख उत्पाद और विशेषताएं : कम्पनी मुख्य रूप से वूमन्स और मेन्स वियर के लिए ATMATEX ब्राण्डनेम से नेचुरल फैब्रिक्स का ग्रे फॉर्मेट में उत्पादन करती है। इसके उत्पादन की बात करें, तो यह शिफॉन, क्रेप, जॉर्जेट, विस्कोस, बम्बू आदि प्रकार के नेचुरल फैब्रिक्स में भरपूर रेंज बनाती है। कम्पनी के सभी उत्पाद ग्रे एवं RFD फैब्रिक होते हैं, जो डायबल होते हैं।

WEAVE KNITT एग्जीबिशन में सहभागिता : WEAVE KNITT प्रदर्शनी में कम्पनी अपने नवीनतम नेचुरल फैब्रिक्स कलेक्शन के साथ शामिल हो रही है, जो ट्रेंड, टेक्सचर और ड्यूरेबिलिटी के लिहाज से फैशन इंडस्ट्री की बदलती जरूरतों को बखूबी पूरा करेगा।

आर.वी. टेक्सटाइल्स : साड़ियों के लिए प्रीमियम फैब्रिक्स निर्माता

श्री धीरज बंसल

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में तीन दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले श्री विनोद बंसल एवं उनके सुपुत्र सीए श्री धीरज बंसल के नेतृत्व में 'आर. वी. टेक्सटाइल्स' आज एक भरोसेमंद कम्पनी बन चुकी है। श्री बंसल विगत 35 वर्षों से टेक्सटाइल क्षेत्र में सक्रिय हैं, जबकि पिछले 6 वर्षों से वे सूरत में वीविंग प्लांट का सफल संचालन कर रहे हैं।

मुख्य उत्पाद : कम्पनी विशेष रूप से साड़ियों और दुपट्टों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले विस्कोस एवं जैकार्ड फैब्रिक्स का निर्माण करती है। 'आर. वी. टेक्सटाइल्स' की खासियत है, लेटेस्ट और ट्रेंडी 'स्रष्ठ एवं डायबल फैब्रिक्स, जो आज की फैशन इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करते हैं।

गुणवत्ता और सेवा : सफलता की कुंजी

आर. वी. टेक्सटाइल्स का बिजनेस मंत्र है 'बेस्ट क्वालिटी विद बेटर सर्विस।' कम्पनी अपने हर प्रॉडक्ट में क्वालिटी को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है, जिससे ग्राहकों का विश्वास लगातार बढ़ता जा रहा है। ट्रेंड और टेक्सचर की समझ, लगातार इनोवेशन और बेहतरीन सर्विस ने आर.वी. टेक्सटाइल्स को बाजार में एक अलग पहचान दिलाई है।

व्यावसायिक नेटवर्क : कम्पनी के उत्पाद सूरत, बैंगलुरू, कोलकाता, बनारस, जयपुर एवं दिल्ली सहित देशभर की प्रमुख टेक्सटाइल मण्डियों में लोकप्रिय हैं।

THE SOUTHERN GUJARAT CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRY ®
संहति: कार्यसाधिका
SGCCI
ORGANIZER
4th EDITION
WEAVE KNITT EXHIBITION ® 2025
THE COMPLETE FABRIC SHOW
18 19 20 JULY 2025
VENUE
SIECC
Surat International Exhibition and Convention Centre
Surat International Exhibition & Convention Centre, Sarsana, Surat

बेलकॉन टेक्स प्राइवेट लिमिटेड

गुणवत्ता, नवाचार और विकास की मिसाल

Belcon
BELCON TEX PVT. LTD.

सूरत/ भारत के वस्त्र निर्माण क्षेत्र में बेलकॉन टेक्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक ऐसी पहचान बनाई है, जो नवाचार, गुणवत्ता और तेज़ विकास की मिसाल बन चुकी है। यह कंपनी केवल फैब्रिक नहीं बनाती, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री के भविष्य को दिशा देने का कार्य कर रही है। बीते कुछ वर्षों में बेलकॉन टेक्स ने 100 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ अद्वितीय सफलता दर्ज की है और देश के सबसे तेज़ी से बढ़ते टेक्सटाइल निर्माताओं में अपना स्थान मज़बूती से स्थापित किया है।

बदलते बाजार की समझ, सही दिशा में निवेश: बेलकॉन टेक्स की सफलता के पीछे भारत की बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचना की गहरी समझ है। जैसे-जैसे देश का मध्यम वर्ग विस्तारित हो रहा है, वैसे-वैसे आरामदायक, स्टाइलिश और गुणवत्ता युक्त फैब्रिक की मांग में जबरदस्त इज़ाफा हो रहा है। आज का उपभोक्ता सिर्फ कीमत नहीं देखता, बल्कि फैब्रिक की फील, उसकी मजबूती, और उसके ट्रेंड के अनुसार फिट होने की क्षमता को भी महत्व देता है – और यही समझ बेलकॉन टेक्स की सबसे बड़ी ताकत है।

हाई-डिमांड ब्लेंड्स की विस्तृत रेंज: बाजार में आज जिन फैब्रिक ब्लेंड्स की सबसे अधिक मांग है, उनमें पॉलिएस्टर म विस्कोस और नायलॉन म विस्कोस जैसे विकल्प प्रमुख हैं। ये ब्लेंड्स न केवल शानदार लुक देते हैं, बल्कि पहनने में टिकाऊ और आरामदायक भी होते हैं। इसके साथ ही शुद्ध विस्कोस की कोमलता और प्राकृतिक चमक ने इसे प्रीमियम शर्टिंग्स और ड्रेसेज़ के लिए उपयुक्त बना दिया है। वहीं पॉलिएस्टर म पॉलिएस्टर जैसे किफायती और टिकाऊ विकल्प की निरंतर मांग को भी कंपनी बखूबी पूरा कर रही है।

उन्नत उत्पादन क्षमता, अंतरराष्ट्रीय स्तर की गुणवत्ता: बेलकॉन टेक्स की मासिक उत्पादन क्षमता 80 लाख मीटर से अधिक है। 400 से अधिक वॉटरजेट और 200 एयरजेट लूम्स की सहायता से कंपनी एक मजबूत और तेज़ उत्पादन प्रणाली संचालित कर रही है। यह क्षमता न केवल बड़ी मात्रा में ऑर्डर्स को समय पर पूरा करने में सहायक है, बल्कि हर मीटर फैब्रिक को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों पर खरा भी रखती है।

बेलकॉन टेक्स के फैब्रिक आज फैशन इंडस्ट्री, यूनिफॉर्म्स, होम टेक्सटाइल्स और तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों में उपयोग किए जा रहे हैं। इन सभी सेगमेंट में कंपनी ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक प्रदान कर रही है।

भविष्य की ओर: बेलकॉन टेक्स का उद्देश्य केवल व्यवसायिक विस्तार नहीं, बल्कि भारतीय वस्त्र उद्योग के भविष्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है। हम ट्रेंड्स को केवल फॉलो नहीं करते, उन्हें बनाते हैं – और यही दृष्टिकोण हमें भीड़ से अलग बनाता है। बेलकॉन टेक्स में हम हर धागे के साथ एक बेहतर कल बुनते हैं – गुणवत्ता के साथ, नवाचार के साथ, और निरंतर विकास के साथ।

सूरत ड्रीम्स Presents IEE-2025

वूमन्स फैशन इंडस्ट्री का सबसे बड़ा आयोजन- इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो

टेक्सटाइल का महाकुंभ 12-13 अगस्त को ग्रेटर नोएडा में

जहां वूमन्स फैशन को मिलता है ग्लोबल प्लेटफॉर्म और व्यापार को नई ऊँचाइयाँ

नई दिल्ली / सत्यप्रकाश

भारतीय एथनिक और वूमन्स फैशन उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित आयोजन - इंटरनेशनल एथनिक एक्सपो (IEE) - का भव्य आयोजन इस वर्ष 12-13 अगस्त 2025 को इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा (दिल्ली-NCR) में होने जा रहा है। सूरत ड्रीम्स द्वारा आयोजित यह एक्सपो उद्योग में अब 'टेक्सटाइल का महाकुंभ' के नाम से पहचाना जाने लगा है। यह वूमन्स फैशन इंडस्ट्री का सबसे बड़ा आयोजन है, जिसमें भारत के जाने-माने ब्राण्ड्स भाग लेते हैं और अपनी लेटेस्ट रेंज का भव्य डिस्प्ले प्रस्तुत करते हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी साड़ी, सूट, कुर्ती, लहंगा, रेडीमेड्स और वैल्यू एडेड फैब्रिक सेगमेंट में नवीनतम डिज़ाइनों और ट्रेंड्स की झलक देखने को मिलेगी।

30,000+ बायर्स और इंटरनेशनल उपस्थिति

इस वर्ष IEE-2025 में 30,000 से अधिक बायर्स के शामिल होने की संभावना है। केवल भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका (U.S.), यूनाइटेड किंगडम (U.K.), बांग्लादेश, मलेशिया, श्रीलंका जैसे देशों से भी बायर्स इस आयोजन में भाग लेंगे, जिससे यह एक्सपो एक वास्तविक वैश्विक प्लेटफॉर्म बन गया हैं।

देश के 400+ टॉप वूमन्स वियर ब्राण्ड्स एक मंच पर

इस भव्य आयोजन में सूरत, मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, जयपुर, कोलकाता, लुधियाना और वाराणसी जैसे देश के प्रमुख टेक्सटाइल हब्स से 400 से अधिक टॉप ब्राण्ड्स एग्जीबिटर्स के रूप में भाग ले रहे हैं। यह एक्सपो खासतौर पर आगामी फेस्टिव और वेडिंग सीजन को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जाता है, जब पूरे भारत के टॉप कैटेगरी ट्रेडर्स, फैशन रिटेलर्स और गारमेंट डीलर्स एक ही छत के नीचे नए कलेक्शन्स की सोर्सिंग और व्यापार विस्तार के लिए जुटते हैं।

लेटेस्ट व ट्रेंडी फैशन का वन-स्टॉप सॉल्यूशन

IEE-2025 उन व्यापारियों के लिए एक आदर्श अवसर है, जो लेटेस्ट एवं ट्रेंडी फैशनेबल वूमन्स वियर की सोर्सिंग करना चाहते हैं। चाहे रेडीमेड हो या फैब्रिक, ट्रेडिशनल हो या फ्यूजन - हर रेंज यहां उपलब्ध होगी।

Let's Meet for Serious Business

"Let's Meet for Serious Business" थीम के तहत आयोजित यह एक्सपो न केवल फैशन इंडस्ट्री की दिशा तय करता है, बल्कि व्यापार के नए अवसरों के द्वार भी खोलता है। IEE-2025 सिर्फ एक एग्जीबिशन नहीं, बल्कि भारत के वूमन्स फैशन व्यापार को वैश्विक पंख देने वाला प्लेटफॉर्म है।

ORGANIZED BY
Surat Dreams®

IEE INTERNATIONAL ETHNIC EXPO
12-13 AUG-2025
INDIA EXPO MART
Knowledge Park II, Greater Noida, Delhi.

आन्या टेक्सटाइल्स

उत्कृष्ट फैब्रिक निर्माता

AANYA TEXTILES

डॉ. हरेश पटेल
डायरेक्टर, आन्या टेक्सटाइल्स

सूरत/ सूरत स्थित आन्या टेक्सटाइल्स की स्थापना वर्ष 2010 में डॉ. हरेश पटेल और श्री महेंद्र भाई ने की। क्वालिटी, क्रिएशन और कमिटमेंट को अपना मूल मंत्र मानकर, कंपनी ने डेढ़ दशक में एक महत्वपूर्ण पहचान बनाई है। गुणवत्ता, तकनीक और नवाचार के साथ, कंपनी ने टेक्सटाइल उद्योग में एक मजबूत स्थान बनाया है।

उत्पाद विशेषता : आन्या टेक्सटाइल्स फैंसी फैब्रिक्स के निर्माण में विशेषज्ञ है। यह कंपनी लेडीज गारमेंट्स, साड़ियों और एथनिक वियर के लिए बेहतरीन फैब्रिक तैयार करती है। इनके उत्पादों में महिलाओं के परिधानों जैसे दुपट्टा और कुर्ती के लिए फैब्रिक्स शामिल हैं। साथ ही, शेरवानी फैब्रिक मेंस वियर के लिए उपयुक्त होता है। कंपनी नायलॉन पॉलिएस्टर बेस जैकार्ड फैब्रिक्स का निर्माण करती है, जो RFD (Ready for Dyeing) और डायबल दोनों रूपों में उपलब्ध हैं।

अत्याधुनिक वीविंग तकनीक : कंपनी का वीविंग प्लांट यूरोपियन ITMA रेपियर जैकार्ड मशीनों से सुसज्जित है। इन मशीनों पर उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक्स का निर्माण किया जाता है, जो सूरत और देश के अन्य हिस्सों में फैशन इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

सेल्स नेटवर्क : आन्या टेक्सटाइल्स का सेल्स नेटवर्क सूरत के लोकल वूमेंस वियर ब्रांड्स से लेकर मुंबई के मजबूत बाजार तक फैला हुआ है। इनकी उत्कृष्टता और भरोसेमंद सेवाओं के चलते कंपनी को ग्राहकों का भरपूर समर्थन प्राप्त है।

WEAVE KNITT EXHIBITION

टेक्सटाइल इंडस्ट्री का भव्य आयोजन

WEAVE KNITT EXHIBITION

आन्या टेक्सटाइल्स के संस्थापक डॉ. हरेश पटेल Weave Knitt 2025 एग्जीबिशन के चेयरमैन भी हैं, ने बताया कि इस बार का आयोजन अत्यधिक तैयारी और उत्साह के साथ किया जा रहा है। यह एग्जीबिशन सप्लायर्स और बायर्स के लिए सीजन की एडवांस प्लानिंग का सुनहरा अवसर प्रदान करती है। डॉ. हरेश पटेल ने कहा कि "यह आयोजन देशभर के कपड़ा व्यवसायियों के लिए RFD और डायबल फैब्रिक मटेरियल की सोर्सिंग का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म है। सूरत के विवर्स और निटर्स के नए डेवलेपमेंट को एक जगह पर देखने का अवसर मिलता है। इस बार हमने बड़े एजेंट्स को भी एग्जीबिशन से जोड़ा है और उन्हें स्टॉल्स आवंटित किए गए हैं।"

आमंत्रित व्यापारियों के लिए विशेष सुविधाएं

Weave Knitt 2025 एग्जीबिशन में आने वाले व्यापारियों के लिए यात्रा, आवास और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। डॉ. पटेल ने देशभर के कपड़ा व्यापारियों से आग्रह किया कि वे इस आयोजन में अवश्य शामिल हों। श्री हरेश पटेल ने बताया कि "यह एग्जीबिशन न केवल आपके ब्रांड और कंपनी के लिए नए अवसर प्रदान करेगा बल्कि सूरत के बेहतरीन फैब्रिक निर्माताओं के साथ जुड़कर आपके व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।"

SGCCI व FOGWA की इंडस्ट्री के हित में पहल

अब LTMD उपभोक्ताओं को फिलहाल नहीं भरना पड़ेगा अतिरिक्त बिजली बिल

सूरत/ सदर्न गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (SGCCI) के उपाध्यक्ष एवं फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन (FOGWA) के अध्यक्ष श्री अशोक जिरावाला के नेतृत्व में विगत दिनों गांधीनगर में DGVCL द्वारा जारी अतिरिक्त (पूरक) बिजली बिलों के संदर्भ में राज्य के ऊर्जा मंत्री श्री कनुभाई देसाई से औपचारिक मुलाकात कर एक महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडल ने प्रस्तुतिकरण किया।

ज्ञातव्य है कि DGVCL द्वारा LTMD सेवा धारक उपभोक्ताओं को पीक आवर्स (Peak Hours) में बिजली उपयोग के लिए रू 0.45 प्रति यूनिट की दर से अतिरिक्त बिल जारी किए गए थे। इस निर्णय के विरोध में श्री जिरावाला ने DGVCL कमिटी एडवाइज़र श्री सुरेशभाई पटेल एवं कमिटी चेयरमैन श्री मयूरभाई गोलवाला के साथ ऊर्जा मंत्री के समक्ष विषय को तर्कपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रस्तुति के फलस्वरूप ऊर्जा मंत्री द्वारा यह निर्णय घोषित किया गया कि फिलहाल किसी भी उपभोक्ता को यह अतिरिक्त (पूरक) बिल भरना अनिवार्य नहीं होगा। DGVCL द्वारा आगे चर्चा कर यह तय किया जाएगा कि यदि बिल वसूला जाए, तो उपभोक्ताओं को कितनी आसान किश्तों में इसे चुकाने की सुविधा दी जाएगी। तब तक न तो कोई दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, न बिजली कनेक्शन काटा जाएगा, और न ही इस अतिरिक्त बिल पर ब्याज लागू होगा।

SGCCI और FOGWA की यह पहल राज्य के टेक्सटाइल व वीविंग सेक्टर के लिए राहतभरी साबित हुई है, जो वर्तमान समय में अनेक आर्थिक दबावों से जूझ रहा है।

फैशन और गुणवत्ता का विश्वसनीय नाम समर्थ क्रिएशन

सूरत/ 20 वर्षों से फैशन और गुणवत्ता का विश्वसनीय नाम 'समर्थ क्रिएशन' का हर परिधान परंपरा, स्टाइल और आराम का मेल है। श्री कमल लाधानी, श्री देव लाधानी और श्री ललित माहेश्वरी द्वारा स्थापित यह संस्थान पुरुषों और महिलाओं के पारंपरिक व आधुनिक परिधानों जैसे कुर्ता, सूट, शेरवानी, डिजाइनर कुर्ती आदि में विशेषज्ञता रखता है। श्री लाधानी ने बताया कि हम पॉलिकॉटन, विस्कोस रेयॉन, कॉटन, सिल्क जैसे उच्च गुणवत्ता वाले फैब्रिक में नवीनतम डिजाइनों की पेशकश करते हैं। भारतभर में हमारा उत्पादन क्षेत्र राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कोलकाता, झारखंड, बिहार और दिल्ली सहित कई राज्यों में उपलब्ध हैं।

Let's Meet for **Serious Business**

TEXTILE का Mahakumbh

IEE INTERNATIONAL ETHNIC EXPO

12-13 AUG-2025

INDIA EXPO MART
Knowledge Park II, Greater Noida, Delhi.

Scan QR code for **REGISTRATION**

SAREES • SUITS • READYMADES • KURTI • LEHENGA • FABRICS • MEN'S WEAR

400 EXHIBITORS from Ahmedabad • Delhi • Jaipur • Kolkata Ludhiana • Mumbai • Surat • Varanasi

ORGANIZED BY
Surat Dreams®